सेंसेक्स	~	83,712.51
निफ्टी	~	25,522.50
सोना	~	98,840
चांदी	~	11,000
डॉलर	~	85.77

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 09 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 284
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

उत्तरकाशी में आए भूकंप के झटके

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर आए इस भूकंप की पुष्टि राज्य के आपदा कंट्रोल रूम और राष्टीय भूकंप विज्ञान केंद्र दोनों ने की है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके कुछ ही क्षणों के लिए महसूस हुए, लेकिन इतने थे कि कई लोग डर के मारे घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस होने की पुष्टि की और कई जगहों से छोटे स्तर की कंपन की रिपोर्ट मिली। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं आई है।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर। इंदौर से रायपुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में उड़ान के करीब आधे घंटे बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान की इंदौर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। पैसेंजर्स को टिकट का पैसा वापस लेने या बुकिंग रीशेड्यूल करने के विकल्प दिए गए हैं। विमान ने मंगलवार सुबह 6ः35 बजे रायपुर के लिए टेक ऑफ किया था। यात्रियों ने बताया कि फ्लाइट में अचानक जोर का झटका महसूस हुआ। जिसके कुछ ही देर बाद पायलट ने फ्लाइट को वापस इंदौर लाने की घोषणा की। इसे सुबह 7ः15 बजे सुरक्षित लैंड करा लिया गया।

पंजाब में सेहत कार्ड योजना लॉन्च

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना लॉन्च की। इस योजना के तहत पंजाब के हर व्यक्ति के सेहत कार्ड बनाए जाएंगे। सेहत कार्ड से उन्हें 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। 2 अक्टूबर से कार्ड बनने शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस योजना में बड़े-बड़े अस्पताल शामिल हैं। लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। लोग पहले नीले-पीले कार्डों के चक्कर में फंसे रहते थे। अब सेहत कार्ड के जरिए हमने तय किया है कि जो पंजाब का निवासी होगा, उसे हर हाल में इलाज मिलेगा।

25 साल की जेल खत्म होने से पहले राहत के लिए कोर्ट पहुंचा अबू सलेम

मुंबई। गैंगस्टर अबू सलेम को राहत देने से यह कहते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने इनकार कर दिया कि प्रथम दृष्टया उसकी राय है कि उसने (सलेम) पुर्तगाल से प्रत्यर्पण की शर्तों के तहत भारत की जेल में अभी तक 25 साल पूरे नहीं किए हैं। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने सोमवार को सलेम की याचिका स्वीकार कर ली, लेकिन कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, सलेम की गिरफ्तारी अक्टूबर 2005 में हुई थी और इसलिए प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई है। पीठ ने कहा कि वह इस याचिका पर अंतिम सुनवाई उचित समय पर करेगी। सलेम ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उसे जेल से रिहा करने का अनुरोध किया है। उसने दलील दी है कि अगर अच्छे आचरण के लिए छूट को शामिल किया जाए, तो वह पहले ही 25 साल के कारावास की सजा काट चुका है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में खुलासा

ई-कॉमर्स वेबसाइट्स की मदद से भारत में हुए आतंकी हमले

नई दिल्ली। दुनियाभर में आतंकी गतिविधियों के लिए होने वाली फंडिंग पर नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने ई-कॉमर्स वेबसाइटों के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी दी है। टास्क फोस ने कहा कि आतंकवाद को फंड देने के लिए अब ई-कॉमर्स वेबसाइटों और ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट में 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और 2022 में गोरखनाथ मंदिर पर हुए हमले का जिक्र किया है। इन दो मामलों का उदाहरण देते हुए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने बताया कि किस तरह ये सेवाएं गलत हाथों में जाकर आतंक को बढ़ावा देने का जरिया बन रही हैं।

आतंकवाद की फंडिंग को समझ नहीं पा रहे कई देश

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की इस रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। यह रिपोर्ट बताती है कि बहुत से देशों में आतंकवाद की फंडिंग को समझने और रोकने की क्षमता में अब भी बड़ी कमियां हैं, और अगर इन्हें समय पर ठीक नहीं किया गया तो आतंकी संगठन मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाते रहेंगे। इसमें यह बताया गया है कि किस तरह आतंकी संगठन अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को जारी रखने और हमले करने के लिए करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि आतंकवाद से जुड़ी फंडिंग की रणनीतियां एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर, अलग परिस्थितियों के हिसाब से अलग तरीके अपनाए जाते हैं।

अमेजन से मंगवाया गया विस्फोटक

14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ का एक काफिला श्रीनगर-जम्मू हाईवे से गुजर रहा था। ट्रक पुलवामा के पास पहुंचा था, तभी एक सुसाइड अटैकर 200 किलो विस्फोटक लदी मारुति ईको कार लेकर घुस गया। विस्फोट इतना तेज था कि सुरक्षाबलों को लेकर जा रही 2 बसों के परखच्चे उड़ गए। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक पदार्थ ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन के जरिए खरीदा गया था।

गोरखनाथ मंदिर के हमलावर को पे-पल से फंडिंग

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में दूसरा उदाहरण गोरखनाथ मंदिर पर 4 अप्रैल 2022 में हुए हमले का दिया गया। इसमें एक शख्स ने ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों पर धारदार दरांती से हमला किया था। इसमें जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना में दोषी शख्स मुर्तजा अब्बासी के पास से पुलिस को मजहबी किताब, धारदार हथियार, उसके मोबाइल और लैपटॉप से मिले जेहादी वीडियो आदि मिले थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने इस मामले की जांच में पाया कि हमलावर ने विदेशों में पे-पल के जरिए लगभग 6.7 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे।

राहुल गांधी और तेजस्वी की जोड़ी आज पटना की सड़कों पर

-बिहार बंद से गरमाई सियासत, महागठबंधन दिखाएगा ताकत

पटना। बिहार में चुनावी माहौल गरमाने लगा है। विपक्षी महागठबंधन 9 जुलाई को बिहार बंद के समर्थन में पटना की सड़कों पर उतरने को तैयार है। इस 'बंद' की अगुवाई करेंगे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जिनकी जोड़ी को विपक्ष अब 'जय-वीरू' की तरह पेश कर रहा है।

यहां बताते चलें कि बिहार बंद का आह्वान लेफ्ट दलों और ट्रेड यूनियनों ने किया है, जिसे महागठबंधन का भी जोरदार समर्थन मिला हुआ है। बिहार बंद की पृष्ठभूमि में दो बड़े मुद्दे हैं, जिसमें पहला नई श्रम संहिता का विरोध है। इसके अंतर्गत ट्रेड यूनियन इसे मज़दूर विरोधी बताते हुए वापस लेने की मांग कर रहे हैं। जबकि दूसरा मुद्दा वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण है, चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया में मतदाताओं से नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

तेजस्वी ने बताया 'वोटबंदी'

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि यह दलितों, गरीबों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने की साजिश है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड जहां नए वोटर आईडी के लिए मान्य है, वहीं इस प्रक्रिया में अमान्य करार दिया गया है। बंद को लेकर तेजस्वी ने कहा कि यह बंद केवल श्रमिकों का नहीं है, यह संविधान बचाने की लड़ाई है। वोट मांगने से पहले सरकार बताए कि वोट देने का अधिकार छीना क्यों जा रहा है?

राहुल गांधी चक्का जाम में होंगे शरीक

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पटना में चक्का जाम में शरीक होंगे और चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। सूत्रों के अनुसार, वह उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के पीड़ित परिवार से भी मिल सकते हैं।

महागठबंधन इस बंद को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहा है। इंडिया ब्लॉक के नेता पटना में एकजुट होकर शक्ति प्रदर्शन करने को बेताब नजर आए हैं। इस बंद का उद्देश्य भाजपा को जमीनी स्तर पर घेरना, खासकर मतदाता सूची विवाद और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता के समक्ष मुद्दे को ले जाना है। इस बंद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि तेजस्वी-राहुल की सार्वजनिक एकजुटता बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का मजबूत संदेश देगी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिहार पुलिस ने बिहार बंद को देखते हुए राजधानी पटना सहित सभी प्रमुख जिलों में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी और प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग व अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ ही सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। डीजीपी आलोक राज ने कहा, कि कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। जो उपद्रव करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में सीजेआई की क्या जररुत...उपराष्ट्रपति धनखड़ ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के उपराष्टपति जगदीप धनखड़ ने सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में सीजेआई की भूमिका पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने सवाल उठाकर पूछा हैं कि क्या ऐसा दुनिया में कहीं और हो रहा है? इसके अलावा उन्होंने जज के घर से नकदी मिलने पर भी खुलकर बात रखी। उपराष्टपति धनखड़ ने कहा है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। साथ ही कहा कि अगर पैसा मिला है, तब उसके स्त्रोत का भी पता लगाया जाना चाहिए।

दरअसल उपराष्टपति धनखड़ ने कहा, मैं इससे पूरी तरह हैरान हूं कि सीबीआई निदेशक जैसे कार्यपालिका के पदाधिकारी की नियुक्ति में सीजेआई की भागीदारी होती है। कार्यपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका के अलावा किसी और की ओर से क्यों होनी चाहिए? क्या ऐसा संविधान के तहत होता है? क्या ऐसा दुनिया में कहीं और हो रहा है?

बता दें कि डीएसपीआई एक्ट के तहत सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हाई पावर कमेटी करती है, जिसके सदस्य प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनकी ओर से नॉमिनेट किया हुआ कोई जज शामिल होता हैं। कोच्चि में कानूनी की पढ़ाई कर रहे छात्रों से बातचीत में उन्होंने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका को अलग करने वाली सीमा कमजोर होने पर चिंता जाहिर की।

उपराष्टपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई दिल्ली में एक न्यायाधीश के आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले की आपराधिक जांच शुरू होगी। उपराष्टपति ने कहा कि अब मुद्दा यह है कि यदि नकदी बरामद हुई थी, तब शासन व्यवस्था को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए थी और पहली प्रक्रिया यह होनी चाहिए थी कि इससे आपराधिक कृत्य के रूप में निपटा जाता, दोषी लोगों का पता लगाया जाता और उन्हें कठघरे में खड़ा किया जाता।

उपराष्टपति ने कहा कि 14-15 मार्च की रात को न्यायपालिका को अपने खुदे के इडस ऑफ मार्च का सामना करना पड़ा, जब बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की गई थी, लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। धनखड़ ने कहा कि इस मामले से शुरुआत से ही एक आपराधिक मामले के तौर पर निपटा जाना चाहिए था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के 90 के दशक के एक फैसले के कारण केंद्र सरकार के हाथ बंधे हुए हैं।

चुनाव से पहले नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

बिहार में सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू

पटना। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा। नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को ये फैसला लिया गया। इसके साथ ही 43 एजेंडों पर मुहर लगी है। बिहार में पहली बार बिहार युवा आयोग का गठन होगा। चुनावी साल में बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय नीतीश सरकार ने लिया है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा था कि सरकार बनने पर वह युवा आयोग का गठन करेंगे।

दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना

बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में बीपीएससी या यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना दिव्यांगों को सिविल सेवा में सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 26 दिन बाद आई शुरुआती जांच रिपोर्ट

एएआईबी ने सरकार को सौंपी, फाइनल रिपोर्ट में 3 महीने लगेंगे

नई दिल्ली। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद विमान हादसे के 26 दिन बाद प्राइमरी जांच रिपोर्ट मंगलवार को केंद्र सरकार को सौंपी। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, प्राइमरी रिपोर्ट शुरुआती जांच में मिले सबूतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई है। इससे पहले 28 जून को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया था कि विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सैबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, 3 महीने में विस्तृत जांच रिपोर्ट आ सकती है।

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

विस्तृत रिपोर्ट तीन महीने में आने की संभावना

केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स भारत में ही है, उसे विदेश नहीं भेजा जाएगा। इसमें मौजूद सीवीआर और एफडीआर की जांच की जा रही है। विस्तृत 3 महीने में रिपोर्ट आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) के आदेश पर एअर इंडिया के सभी 33 ड्रीमलाइनर विमानों की जांच कर ली गई है और सब कुछ सुरक्षित पाया गया है। ये हादसा एक अपवाद था, अब लोग बिना डर के यात्रा कर सकते हैं। एएआईबी इसकी हर एंगल से जांच कर रहा है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं और कई एजेंसियां मिलकर जांच में जुटी हैं।

जब तक मुआवजे की रकम जमा नहीं...तब तक जब्त रहेगा एमएससी अकीकेता 2

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने लाइबेरियाई जहाज एमएससी अकीकेता 2 को जब्त करने का आदेश दिया। यह शिप लाइबेरियाई जहाज एमएससी एल्सा 3 का सहयोगी था, जो 25 मई को कोच्चि के तट पर डूब गया था। दोनों जहाज एमएससी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के हैं।

एमएससी एल्सा 3 डूबने से हुए पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान पर केरल सरकार ने 9531 करोड़ रुपए के मुआवजे की याचिका लगाई थी। साथ ही सहयोगी जहाज (एमएससी अकीकेता 2) के भारत से बाहर जाने की आशंका जताकर जहाज जब्त करने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि शिपिंग कंपनी जब तक मुआवजे की रकम जमा नहीं देती, तब तक एमएससी अकीकेता 2 को जब्त रखा जाए। मामला सुलझने तक जहाज भारत से बाहर नहीं जा सकेगा।

केरल सरकार के मुताबिक जहाज डूबने के बाद निकले जहरीले पदार्थों की वजह से डॉल्फिन और व्हेल सहित कई समुद्री जीवों की मौत हुई। इस पर केरल सरकार ने एडमिरल्टी (समुद्री दावों का अधिकार क्षेत्र और निपटान) एक्ट की धारा 4 के तहत मुआवजे की मांग की। इसमें पॉल्यूशन के लिए 8626 करोड़, पर्यावरण के लिए 378.48 करोड़ और मछुआरों को हुए 526.51 करोड़ का नुकसान शामिल है। ब्याज सहित मुआवजे की पूरी राशि 9,531.11 करोड़ है। केरल कोर्ट ने अडानी विझिनजाम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को जहाज जब्त करने और उसकी सुरक्षा के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह आदेश माल की लोडिंग या अनलोडिंग में दखल नहीं करेगा। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

घर से ही ऑनलाइन माध्यम से जनगणना पोर्टल पर दे सकते हैं जानकारी

जल्दी ही एक पोर्टल लांच किया जाएगा

नई दिल्ली। भारत में हर 10 साल पर जनगणना करने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार 16 साल के लंबे इंतजार के बाद 2027 में जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना भले ही देर से आई है, लेकिन इसके प्रावधान पहले के मुकाबले काफी बेहतर हैं। इसमें एक प्रावधान यह है कि लोग अपने घर से ही ऑनलाइन माध्यम से जनगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दे सकते है। इस संबंध में जल्दी ही एक पोर्टल लांच किया जाएगा। इस पोर्टल पर लोग अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते है। फिर अपने और परिवार के बारे में पूरी जानकारी दे सकते है। इतना ही नहीं इसी पोर्टल पर लोग जनगणना में शामिल सभी सवालों के जवाब भर के सबमिट कर दें, तब यह जानकारी दर्ज हो जाएगी।

इसके माध्यम से उन लोगों की शिकायतें दूर हो जाएगी, जो अक्सर कहते हैं कि जनगणना वाले उनके घर तक आए ही नहीं। इसतरह से जनगणना में शामिल कर्मचारियों का इंतजार किए बिना ही लोग अपने बारे में जानकारी भर सकते है। इतना ही नहीं जनगणना के लिए घर-घर जाने वाले कर्मचारी भी मोबाइल से ही डेटा जुटाएंगे और उस रियलटाइम अपलोड कर सकते है। मोदी सरकार का कहना है कि इससे डेटा हासिल करने में आसानी होगी और उसका विश्लेषण भी जल्दी ही किया जा सकेगा। जनगणना का पूरा डेटा जल्दी उपलब्ध होगा। इसके अलावा अलग-अलग मानकों पर उसका विश्लेषण भी किया जा सकेगा। सूत्रों का कहना है कि जनगणना के लिए रजिस्ट्रेशन कमोबेश उसी तरह से होगा, जैसे वोटर आईडी बनवाने के लिए ऑनलाइन सुविधा है। संभावना है कि इस भी आधार कार्ड से भी जोड़ा जा सकता है। पोर्टल पर पहले लोगों को रजिस्ट्रेशन करके प्रोफाइल बनानी होगी। इसके बाद जनगणना के लिए दिए गए फॉर्म में पूरी डिटेल भरकर सबमिट करना होगा। यही नहीं यह सुविधा भी दो चरणों में मिलेगी।

दोनों राउंड में जानकारी देने का रहेगा विकल्प

पहले राउंड में हाउस लिस्टिंग होगी। पहले उसके संबंध में लोग जानकारी दे सकते है। इसके बाद दोबारा जनगणना के दौरान अपने और परिवार के बारे में जानकारी दे सकते है। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब देश भर में जाति जनगणना कराई जाएगी।

बागेश्वर धाम आए श्रद्धालु हुए हादसे का शिकार, 1 महिला की मौत 11 लोग हुए घायल

छतरपुर। जिले की बागेश्वर धाम में एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में करीब एक दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं, जबकि एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बागेश्वर धाम में आए हुए कुछ श्रद्धालु एक ढाबे में बने हॉल में सो रहे थे तभी मंगलवार सुबह 4ः00 बजे अचानक तेज बारिश होने के कारण उस ढाबे की दीवार गिर गई। इसके चलते अंदर सो रहे 12 से 15 लोग मलबे में दब गए। उनमें में से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। छतरपुर के सीएमएचओ आरपी गुप्ता ने बताया, 卐गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम के पास आज सुबह भारी बारिश के कारण एक ढाबे की दीवार ढह जाने से कुछ श्रद्धालु घायल हुए हैं, उन्हें अस्पताल लाया गया है। इनका चल रहा है। 10 लोग घायल हैं, एक व्यक्ति की मौत हुई है। 1-2 लोगों को ज्यादा चोट आई है। इसके पहले बागेश्वर धाम में बीते 6 दिन में बारिश के चलते हुआ यह दूसरा हादसा है। इससे पहले 3 जुलाई को भी बागेश्वर धाम परिसर में भारी बारिश के कारण पंडाल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए थे। इस घटना में घायल हुए एक श्रद्धालु गुलाब ने बताया कि वह कोलकाता का रहने वाला है और बागेश्वर धाम में अपनी अर्जी लगाने के लिए आया हुआ था। सोमवार की रात उसने एक ढाबे में बने बड़े से हॉल में 100 रुपये देकर सोने के लिए एक बिस्तर लिया था। मंगलवार की सुबह 4ः00 बजे अचानक से तेज बारिश हुई और इस ढाबे की दीवार भरभराकर गिर गई। जिससे हॉल में सो रहे सभी श्रद्धालु दब गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंसों के माध्यम से सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

अनीता देवी

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 08 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 29 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जिले में हो रही भारी वर्षा के कारण जनसुनवाई में आवेदकों की संख्या बहुत कम थी।

जनसुनवाई में पॉलिटेक्निक कॉलेज बालाघाट का कर्मचारी बैसाकू मरकाम शिकायत लेकर आया था कि उसने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीपीएफ से 01 लाख 50 हजार रुपये की राशि निकालने 15 अप्रैल 2025 को आवेदन दिया है, लेकिन प्राचार्य द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से उसका जीपीएफ बिल रोक दिया गया है। जीपीएफ की राशि नहीं मिलने से उसके बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी। अत~उसे जीपीएफ की राशि शीघ्र दिलवाई जाए। इस मामले में पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। वार्ड न.11 बूढ़ी की कृष्णाबाई शेण्डे शिकायत लेकर आयी थी कि उसके द्वारा स्टार मोल्टीपोस कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड (सहारा) में 14 जनवरी 2020 में 10 हजार रुपये जमा कराए गए है। अब जरूरत के समय वह यह राशि निकालना चाहती है। लेकिन उसे यह राशि नहीं दी जा रही है। जिसके कारण उसके परिवार पर आर्थिक विपत्ति आ पड़ी है। अत: उसे शीघ्र यह राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में उप पंजीयक सहकारी संस्थाओं को राशि जमा करने वाली संस्था पर कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम नेवरवाहीं निवासी झाड़िया सतकार अपने पुत्र की कृषि कार्य के दौरान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना में सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आये थे। झाड़िया सतकार का कहना था कि उसके पुत्र राकेश सतकार की खेत में सिंचाई पम्प चालू करने के दौरान करंट लगने से 08 मार्च 2025 को मृत्यु हो गई है। उसका परिवार बहुत गरीब है और कमाने वाले पुत्र की मृत्यु हो जाने से परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अत: उसे मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में उपसंचालक कृषि को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कन्या आश्रम लहंगाकन्हार की सनबती मेरावी शिकायत लेकर आयी थी कि उसे आश्रम अधीक्षिका पारबती धुर्वे द्वारा परेशान किया जा रहा है। सनबती का कहना था कि वह आश्रम में रसोईया का काम करती है। पिछले दिनों आश्रम अधीक्षिका के किसी रिश्तेदार के ट्रेक्टर से हुई दुर्घटना में उसके पुत्र की मृत्यु हो गई है। इसके बाद से आश्रम अधीक्षिका एवं ट्रेक्टर मालिक उस पर दबाव बना रहे है कि वह थाने से मृतक पुत्र का प्रकरण वापस करा ले। इसके लिए उसे बहुत अधिक प्रताड़ित किया जा रहा है और मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उसका स्थानांतरण बालक छात्रावास भंडेरी में कर दिया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने कहा गया है। तहसील मुख्यालय तिरोड़ी की रजनीकांता मेने आर्थिक सहायता और 35 किलो राशन दिलाने की मांग लेकर आई थी। रजनीकांता का कहना था कि वह एक आंख से दिव्यांग है और उसकी एक आंख से 90 प्रतिशत दिखाई नहीं देता है। उसके पति ने भी उसे छोड़ दिया है। उसका एक बेटा है जिसके पालन पोषण की जिम्मेदारी उस पर है। ग्राम पंचायत तिरोड़ी से उसे दिव्यांग योजना के अंतर्गत 35 किलो राशन मिलना था लेकिन 10 किलो राशन ही दिया जा रहा है। अत~ उसे अपने परिवार को पालने के लिए आर्थिक सहायता दी जाए और ग्राम पंचायत से 35 किलो राशन दिलाया जाए। इस प्रकरण में सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत गुडरू के सरपंच, पंच एवं ग्रामीण रोजगार सहायक का स्थानांतरण करने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि ग्राम रोजगार सहायक मनीष भांडेकर गुडरू का स्थानीय निवासी है, उसके द्वारा गुडरू की शासकीय भूमि पर दुकान बनाकर परिवार के लोगो को दे दिया गया है। इसमें परिवार के लोगो द्वारा कियोस्क शाखा एवं जूते चप्पल की दुकान का संचालन किया जा रहा है। दुकानों का निर्माण अवैध रूप से किया गया है। ग्राम रोजगार सहायक द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं में राशि की मांग की जाती है। अत: ग्राम रोजगार सहायक मनीष भांडेकर का अन्य पंचायत में स्थानांतरण किया जाए। इस प्रकरण में परियोजना अधिकारी मनरेगा को कार्यवाही करने कहा गया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दावे को झूठा साबित कर रही केसीपीएल कंपनी?

बारिश ने गोंदिया से लवादा हाईवे की खोली पोल, उद्घाटन के पहले ही जगह जगह से क्षतिग्रस्त हुआ पुल का हिस्सा व मार्ग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के चारों ओर बड़ी तेजी से निर्माण कार्य चल रहे हैं। जिसमें से तीन आरओबी एवं एक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा गोंदिया से लवादा तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जहां गोंदिया से बालाघाट तक अनुबंधित कंपनी केपीएल के द्वारा निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। राष्ट्रीय हाईवे प्राधिकरण द्वारा निविदा के

आधार पर यह कार्य केपीसीएल कंपनी को नियम संगत बनाने के लिए अनुबंधित किया गया था ।लेकिन केपीसीएल कंपनी द्वारा नियमों को ताक में रखकर घटिया निर्माण कार्य किया गया है। यह बात हम नही कह रहे है बल्कि इसका एक वीडियो शोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है ।जहा इस मार्ग पर बने पुल साईड सोल्डर ढलान वाला भाग व सड़क पर जगह जगह दरार नजर आ रही है तो वही निर्माण कार्य जगह जगह से धसक गया है ।जिसको लेकर स्थानीय लोग इसका वीडियो बनाकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दावे को झूठा बता रहे है ।हालांकि वायरल हो रहे इस वीडियो को लेकर सम्बधित अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उसने संपर्क नही हो सका।

करोडो की लागत से हो रहा निर्माण

बताया जा रहा है कि गोंदिया से लावादा तक फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य अब भी प्रगति पर है। यह सड़क बालाघाट-गोंदिया राष्ट्रीय राजमार्ग 543 का हिस्सा है, जो भारतमाला परियोजना के तहत करोड़ो की लागत से पूरी की जा रही है। इसके 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। लेकिन अनुबंधित कंपनी ने निर्माण के दौरान भारी गडबडी कर दी है ।जहां इस बारिश में यह सडक जगह जगह से धसक गई है और सड़क किनारे बनी वाल भी धराशाही हो चुकी है ।ऐसे हालात में यह सड़क भी अपना अस्तित्व खोती साफ नजर आ रही है ।जिससे भारत सरकार के इस महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे है।

शोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

करोड़ो की लागत से हो रहे इस निर्माण का वीडियो शोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जिसको लेकर लोग तरह तरह की बाते कर रहे हैं कोई इसे निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार बता रहा है तो कोई इस जगह के वीडियो बनाकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के भाषण को जोड़कर इस वीडियो को प्रसारित कर रहा है। वायरल वीडियो में बताया गया कि लवादा से खुरसोड़ी होते हुए गोंदिया को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग खुरसोड़ी चौक और भमोड़ी के बीच धंस गया। इस हाइवे का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने किया है। करोड़ो की लागत में करीब 48 किमी लंबा नवीन मार्ग बनने के बाद लोगों को यातायात की सुगमता की उम्मीद थी, लेकिन पहली ही वर्षा में इसकी गुणवत्ता सबके सामने आ गई है।

उद्घाटन के पहले ही मार्ग में दिख रही टूटफूट

सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में बताया गया कि अभी इस मार्ग का उद्घाटन भी नहीं हुआ है कि इसमें टूट-फूट शुरू हो गई है ।बताया गया कि ग्राम भमोड़ी के पास हाइवे का साइडसोल्डर उखड़ गया है। इसके अलावा सड़क के पास सीमेंट से बने हिस्सों में बड़ी दरार आ गई है और डामर भी उखड़कर जमा हो रहा है। खास बात है कि इस हाइवे का अधिकृत रूप से लोकार्पण नहीं हुआ है। कुछ हिस्सों में अभी वाहनों की आवाजाही है। नव निर्मित हाइवे की ऐसी दशा को देखने लोग दूर-दूर से यहां पहुंच रहे हैं। और सोशल मीडिया पर वीडियो बना बनाकर तरह-तरह की आपत्ति और कमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं।

नाम निर्देशन के अंतिम दिन 19 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

01 जनपद सदस्य, 02 सरपंच एवं 21 पंचों का निर्विरोध निर्वाचन, अमोली, गुदमा एवं झांगुल में सरपंच पद के लिए 22 जुलाई को होगा मतदान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उपनिर्वाचन के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में 01 जनपद सदस्य, 04 ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों के 40 पंच के रिक्त पदों के निर्वाचन के लिए 07 एवं 08 जुलाई को प्रत्याशियों के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किये गए। इसमें नाम निर्देशन पत्र जमा करने की समय सीमा समाप्त होने के बाद 01 जनपद सदस्य, 02 सरपंच एवं 21 पंचों का निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। जनपंद पंचायत बालाघाट में क्षेत्र क्रमांक 01 से जनपद सदस्य के रिक्त पद के विरूद्ध निर्वाचन के लिए मात्र 01 प्रत्याशी द्वारा नामांकन भरा गया था। जिसके कारण जनपद सदस?य का निर्वाचन निर्विरोध हो गया है। इसी प्रकार कटंगी विकासखंड के ग्राम पंचायत धनकोषा में सरपंच के रिक्त पद के लिए मात्र एक नामांकन आने पर सरपंच का निर्वाचन निर्विरोध हो गया है। विभिन्न ग्राम पंचायतों के रिक्त 40 पंच पदो के विरूद्ध 21 पंच पद के लिए मात्र 01-01 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन भरा था जिसके कारण 21 पंचों का निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। बिरसा विकासखंड में रिक्त 18 पंच पदों के लिए तथा परसवाड़ा विकासखंड में पंच के रिक्त 01 पद के लिए कोई भी आवेदन प्राप्त नही हुआ है। लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद के लिए 02 प्रत्याशियों ने नामांकन भरा है। इसी प्रकार परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत गुदमा एवं झांगुल में सरपंच पद के लिए कुल 05 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन भरा है। इन प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिया गया है। इस प्रकार ग्राम पंचायत अमाली, गुदमा एवं झांगुल में सरपंच पद के निर्वाचन के लिए 22 जुलाई को प्रात: 07 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक मतदान कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बालाघाट जिले में पंचायत उप चुनाव की निगरानी के लिए राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी अनुप तिवारी को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक श्री तिवारी 07 जुलाई को बालाघाट पहुंच चुके है। प्रेक्षक श्री तिवारी से मोबाईल नम्बर 9425150438 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

तेज बारिश और उफनते नाले में फंसे 04 ग्रामीणों का किया गया रेस्क्यू

04 बकरी और 2 बैल को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया, कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम जरामोहगांव का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जरामोहगांव में बीती शाम तेज बारिश और उफनते नाले में फंसे 04 किसान ग्रामीणो का एसडीआरएफ जवानों द्वारा रेस्क्यू किया गया है। जहां कृषि कार्य के लिए खेत गए ग्रामीणों के फंसने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे एसडीआरएफ टीम के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद 03 महिलाओं ,व 1पुरुष सहित 04 किसान ग्रामीणों की जान बचाई ,तो वही उन ग्रामीणों के साथ 04 बकरी और 02 बैल को भी पानी से सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

करीब 7 घण्टे चला रेस्क्यू

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कटंगी अंतर्गत ग्राम जरामोहगांव निवासी चैनलाल पिता सराडू कावरे (उम्र 50 वर्ष), मीराबाई पति चैनलाल कावरे (उम्र 45 वर्ष), चंदा मानेश्वर पति चिरंजीव मानेश्वर (उम्र 32 वर्ष) एवं आरती पति इंद्रजीत जमरे (उम्र 35 वर्ष) ग्राम खड़गपुर (थाना रामपायली) के खेतों में काम करने के दौरान शाम लगभग 6 बजे अत्यधिक बहाव वाले नाले में फंस गए जो अत्यधिक बहाव वाली चनई नदी से जुडती है। बताया गया कि क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा के कारण नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था और एकमात्र मोबाइल बंद हो जाने से परिजनों का भी संपर्क टूट गया ।उधर इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया ।एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी रामपायली, थाना प्रभारी कटंगी, दोनों थानों का पुलिस बल एवं एसडीआरएफ टीम मौके पर त्वरित पहुंचे। और कड़ी मशक्कत के बाद रात्रि करीब 1 बजे ग्रामीणों और मवेशियों को बचाया गया।

नाले में भरा था 4 से 5 फिट पानी तेज बहाव के चलते रेस्क्यू में हो रही थी दिक्कत

बताया गया कि पुलिस टीम ने बहादुरी का परिचय देते हुए, जलभराव वाले खेतों और उफनते नाले में उतरकर रेस्क्यू अभियान चलाया ।जहा बाढ़ में फंसे एक पुरुष, तीन महिलाएं, दो बैल एवं चार बकरियों को पुलिस व एसडीआरएफ की संयुक्त टीम द्वारा सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा सभी को प्राथमिक जांच उपरांत उनके घर पहुंचाया गया है। बताया गया कि शाम 6 बजे से रात्रि 1 बजे तक, लगभग 7 घंटे तक लगातार बारिश, अंधेरा और तीव्र जलधारा के बीच अभियान निर्भीकता व सतर्कता के साथ संचालित किया गया ।पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने टॉर्च, सायरन व माइक की मदद से अभियान चलाकर लगभग 4 से 5 फीट बहाव वाले नाले में फंसे चारो ग्रामीणो को सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही उनके साथ मौजूद 2 बैल एवं 4 बकरियों को भी सकुशल बाहर लाया गया। सभी को प्राथमिक चिकित्सा उपरांत सुरक्षित घर पहुंचाया गया है ।बताया गया वे पूर्णत: स्वस्थ हैं।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक परिसर पानी से लबालब

किसानों को हो रही परेशानी व्यवस्था बनाने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा वारासिवनी परिसर जल भराव की चपेट में हैं। जहाँ पानी लबालब भरा हुआ है आवागमन करने में किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं कई लोग बैंक जाने से कतरा रहे हैं। इस दौरान शाखा में विद्युत समस्या भी बनी हुई है जिससे काम ढप्प पड़ा हुआ है जहां पहुंच रहे किसानों को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि कृषि कार्य प्रारंभ हो गया है रुपयें की आवश्यकता है जिसके लिए बैंक में समय पर धनराशि भी प्राप्त नहीं हो पा रही है वहीं बैंक के अंदर आने.जाने में भी समस्या बनी हुई है। जिसको लेकर किसानों के द्वारा व्यवस्था बनाए जाने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

यह हैं जलभराव की स्थिति

क्षेत्र में दो दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है जिसके कारण नदी नाले भरे हुए हैं। तो वहीं नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जल भराव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के परिसर में भारी जल भराव की स्थिति है जहां आ रहे किसानों को आवागमन करने में समस्या हो रही है। तो वहीं लोग बैंक के अंदर जाने के लिए भी कतरा रहे हैं जो मुख्य गेट से ही वापस हो रहे हैं तो कुछ ही किसान बैंक तक पहुंच पा रहे हैं। वह भी बिजली व्यवस्था बंद चालू होने के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं। विदित हो की वर्तमान में खेती कार्य प्रारंभ हो गया है और बीते दो दिन से हो रही बारिश के कारण खेती कार्य में तेजी आ गई है। जिसमें हर किसान को अब फसल लगाने के लिए रुपये की आवश्यकता है कि वह अपने मजदूरों को भुगतान कर सके या ट्रैक्टर का भुगतान कर सके। जिसके लिए किसान अधिकांश जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में आ रहे हैं परंतु वहां पर राशि आहरण ना होने के कारण उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। ऐसे में किसानों के द्वारा शासन प्रशासन से उचित व्यवस्था बना कर उन्हें राशि उपलब्ध कराने एवं बैंक परिसर में बनी अव्यवस्था का निदान करने की मांग की जा रही है।

समुचित व्यवस्था बैंक को करना चाहिए ताकि किसान परेशान ना हो-रविंद्र

किसान रविंद्र चौरागढ़े ने बताया कि हम कायदी के रहने वाले हैं रूपये निकालने के लिए हम बैंक में आए हुए थे परंतु यहां पर हमें समस्या हो रही है। बैंक में बिजली व्यवस्था बंद है बताया जा रहा है वहीं परिसर में पूरा पानी भरा हुआ है मेरे जैसे कई किसान आ रहे हैं मुश्किल से कुछ ही लोग अंदर जा रहे हैं बाकी लोग पानी भरा देख वापस हो रहे हैं। अंदर भी लोग जा रहे हैं तो उन्हें कल आने के लिए बोला जा रहा है पानी में रोड दिख नहीं रही है खेती कार्य अभी हमने चालू कर दिया है। रुपये की अत्यंत आवश्यकता है ऐसे ही हम यदि बैंक के चक्कर लगाएंगे तो खेती कार्य कब करेंगे। समुचित व्यवस्था बैंक को करना चाहिए ताकि किसान परेशान ना हो।

पानी निकासी के लिए भी बंदोबस्त किया गया है-ज्ञानचंद नेवारे

प्रबंधक ज्ञानचंद नेवारे ने बताया कि विद्युत व्यवस्था बंद है जैसे ही लाइट आती है आहरण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। अभी लाइट नही होने से कार्य बंद है यह जो जल भराव परिसर में हुआ है उसके पानी निकासी के लिए भी बंदोबस्त किया गया है। इसमें पानी निकासी के लिए एक नाली बना दी गई है अत्यधिक बारिश होने के कारण यह जल भराव हुआ है जल्द ही जल भराव खत्म हो जायेगा।

खूबचंदजी भोज काकाजी का निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के गौली मोहल्ला निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी और समाजसेवी खूबचंद भोज काकाजी का मंगलवार को 84 वर्ष की उम्र में सुबह करीब 10.15 बजे के दौरान निधन हो गया। जिनकी अंतिम यात्रा, आज 9 जुलाई को उनके निज निवास स्थान गौली मोहल्ला से महामृत्युजय घाट मोक्षधाम के लिए प्रात:10 बजे प्रस्थान करेगी। स्व. श्री खूबचंद भोज अपने पीछे पत्नी समेत सात पुत्र संजय पप्पू भोज, राजेश भोज, इंद्रजीत भोज, पवन भोज, पंकज भोज, सचिन भोज और नितिन भोज, एक पुत्री तथा नाती, पोते का भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। मंगलवार को उनके निधन की खबर लगते ही नगर में शोक छा गया। उनके अंतिम दर्शन करने स्नेहीजन, राजनीति से जुड़े लोग, परिचितों ने, घर पहुंचकर, उनके निधन पर शोक जताया और शोकाकुल परिवार को इस गहन दु:ख से लड़ने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

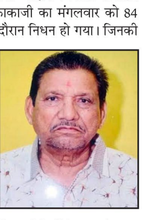

हम सब की चहेती, सब की प्यारी, सबकी लाडली
कु. चेतना नगपुरे (गोल्डी)
आपको जन्मदिवस पर शुभाशीर्वाद
-शुभेच्छु-
श्री तेजराम नगपुरे-पापा
श्रीमती दमयंती नगपुरे-मम्मी
एवं समस्त नगपुरे परिवार, रिश्तेदार, शुभचिंतक साथियों एवं मित्र मंडली
ग्राम भटेरा (बालाघाट)
ग्राम नवेगांव-3 (डोंगरमाली)

कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट
संक्षिप्त दर आमंत्रण सूचना

क्रमांक/4749/जि.पं./भंडार/2025 बालाघाट दिनांक 07/07/2025

कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट में विभिन्न योजनाओं/शाखाओं हेतु आवश्यकतानुसार स्टेशनरी सामग्री, कम्प्यूटर सामग्री, जलपान, विद्युत सामग्री, विविध सामग्री वर्ष में आवश्यकतानुसार क्रयं किये जाने व फोटोकापी एवं कम्प्यूटर जॉब वर्क हेतु प्रतिष्ठित फर्मों / संस्थाओ से सील बंद लिफाफे में दरें आमंत्रित की जाती है।

स्टेशनरी सामग्री, कम्प्यूटर सामग्री, जलपान, विद्युत सामग्री, विविध सामग्री, फोटोकापी एवं कम्प्यूटर जॉब वर्क हेतु जारी दर आमंत्रण की शर्ते एंव प्रपत्र आदि, रू. 1000/- (रू.एक हजार मात्र नॉन रिफंडेबल) जमा कर कार्यालय अधीक्षक / भंडार शाखा, जिला पंचायत बालाघाट से दिनांक 08/07/2025 से प्राप्त कर दिनांक 22/07/2025 के अपरान्ह 3.00 बजे तक, कार्यालय अधीक्षक के पास जमा की जा सकती है। प्राप्त दर आमंत्रण फार्म संबंधित फर्म/संस्था के प्रोपराईटर अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 23/07/2025 को अपरान्ह 4 बजे जिला पंचायत सभा कक्ष में खोली जावेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गर्रा रेलवे क्रासिंग में टला बड़ा हादसा, गेट लगा भी नही था की आ रही थी ट्रेन

गर्रा रेलवे क्रासिंग में लगा लम्बा जाम, मौके पर देरी से पहुचे सुरक्षाकर्मी, वैनगंगा नदी में उफान आने के चलते डेंजर मार्ग हुआ बंद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी नाले उफान पर है तो वही वैनगंगा नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है। वैनगंगा नदी में आई बाढ़ का पानी मंगलवार को नदी से होता हुआ डेंजर रोड में घुस गया। जिसके चलते डेंजर रोड से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। जहां डेंजर रोड से वाहनों का आवागमन बंद होने के चलते गर्रा रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर लंबा जाम देखा गया। जहां रेलवे क्रॉसिंग के दोनों और वाहनों की लंबी-लंबी कतारे देखने को मिली ।बताया गया कि दोपहर करीब 3:30 बजे बारिश बंद होने के बाद जब लोग उक्त मार्ग पर निकले तो उन्हें घंटो जाम का सामना करना पड़ा। हैरत की बात यहां रही की इस जाम खुलवाने या लोगों की मदद के लिए वहां कोई भी सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। इसी दरमियान रेलवे क्रॉसिंग पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जहां वाहनों की भीड़ इतनी अधिक थी रेलवे क्रॉसिंग पॉइंट पर भी वाहनों का जमावड़ा लगा हुआ था। इतने में ही बालाघाट स्टेशन में ट्रेन को सिग्नल मिलते ही ट्रेन गर्रा स्टेशन से के लिए निकल गई जो गर्रा रेलवे क्रॉसिंग की ओर बढ़ने लगी ।उधर आनन फानन में रेलवे क्रॉसिंग के गेट पर तैनात गेट कीपर कर्मचारी गेट बंद करने लगा लेकिन वाहन चालकों ने उसे गेट बंद करने नही दिया ।उधर गेट बंद होने के बाद भी लोग गेट को लांघ रहे थे ।जहां कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

तो गोंदिया से कटंगी ट्रेन से हो सकता था हादसा

बताया गया कि जिस वक्त गर्रा रेलवे क्रॉसिंग में जाम लगा था, उस समय यहां पर एक बड़ा हादसा हो सकता था। दरअसल, कटंगी से गोंदिया की ओर जाने वाली ट्रेन के गुजरने के बाद बंद फाटक को खोल दिया गया था, जिसके चलते लोगों ने आवागमन शुरु कर दिया था। इसके बाद शाम को करीब 4 बजे गोंदिया से कटंगी की ओर जाने वाली ट्रेन के आने का सिग्नल मिलते ही गेट कीपर फाटक को बंद कर रहा था। इसी दौरान वहां पर बड़ी संख्या में राहगीर फंसे हुए थे। राहगीरों ने जैसे-तैसे गेट को लगने नहीं दिया और उसके पार होकर अपने आपको को सुरक्षित किया। विडंबना यह है इस दौरान यहां पर कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था।

डेंजर रोड़ बंद होने से बिगड़े हालात

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी बारिश के चलते वैनगंगा नदी के उफान पर आने से डेंजर रोड में पानी भर गया। जिससे इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसके चलते सारा ट्रैफिक गर्रा रेलवे क्रॉसिंग की ओर मोड़ दिया गया, जिससे वहां अव्यवस्था की स्थिति बन गई। जाम की स्थिति रेलवे क्रॉसिंग से लेकर वैनगंगा नदी के बड़े पुल तक रही। वहीं रेलवे क्रॉसिंग से लेकर सीसीएफ कार्यालय तक जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचने की जल्दबाजी में लोग अपने-अपने वाहनों को गलत दिशा में भी दौड़ा रहे थे, जिसके कारण जाम की स्थिति ज्यादा बनी हुई थी ।उधर जाम लगने के आधा घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यवस्था को संभाला। जाम को खुलवाने का प्रयास किया। लेकिन जाम की स्थिति बनी रही

रेलवे क्रासिंग जाम पर नही था किसी का ध्यान

जानकारी के अनुसार गर्रा रेलवे क्रॉसिंग में जाम लगने के बाद लगभग आधे घंटे बाद सीएसपी, कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कर जाम खुलवाने का प्रयास किया। हालांकि, जाम लगने के पहले ही यातायात पुलिस वैनगंगा नदी के पुल पर ट्राफिक डायवर्ट करने और जाम को खुलवाने का प्रयास कर रही थी। लेकिन यातायात पुलिस का ध्यान गर्रा रेलवे क्रॉसिंग की ओर नहीं था। जबकि गर्रा रेलवे क्रॉसिंग में जाम की विकट स्थिति बनी हुई थी।

बैहर के रौंदा टोला में आसमानी बिजली गिरी 3 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत- परिवार के अन्य लोग हुए आहत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रौंदा टोला में आसमानी बिजली गिरने से एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई वहीं अन्य लोग भी इस प्राकृतिक घटना की चपेट में आने से आहत हो गए। 7 जुलाई की शाम 5:00 बजे यह घटना तेज बारिश के दौरान उस समय हुई जब मकान से लगे खेत में कृषि कार्य किया जा रहा था और घर में इस मासूम बच्ची के अलावा परिवार के अन्य लोग भी थे। बैहर पुलिस ने मृत मासूम बच्ची अंशिका पिता सोन सिंह टेकाम 3 वर्ष 6 माह का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रौंदा टोला निवासी सोन सिंह के काम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में दो बच्चे दिन में बड़ी बेटी अंशिका के काम 3 वर्ष 6 माह और छोटा बेटा अक्षित तेकाम ढाई वर्ष का है। सोनसिह का भसंगाटोला के खेत में मकान है। 7 जुलाई को सोन सिंह तेकाम अपने परिवार के साथ भसंगा टोला का खेत कृषि कार्य करने गये थे। खेत में रोपा लगाने का कार्य किया जा रहा था। शाम 5:00 बजे सोन सिंह टेकाम अपने बड़े भाई सुमन सिंह तेकाम, भतीजा रोशन तेकाम, बेटी अंशिका तेकाम, और बेटा अक्षित तेकाम के साथ खेत के घर में ही थे। इसी दौरान तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गरजने लगी। तब सोहन सिंह तेकाम खेत के घर से कुछ दूर रोपा लगाने वालों को बुलाने गया था। तभी अचानक आकाशीय बिजली कड़कने के साथ सोनसिंह खेत की मेड़ पर गिर गया। कुछ समय बाद सोनसिह तेकाम खेत की मेड़ से उठकर रोपा लगाने वालों को घर जाने के लिए बोलकर अपने खेत वाले मकान में वापस आया तो देखा उसका बड़ा भाई सुमनसिह तेकाम सहित अन्य बच्चे घर में गिरे पड़े हुए थे । सुमन सिंह टेकाम और बच्चों को होश आया किंतु अंशिका तेकाम को होश नहीं आया जो बेहोश हो चुकी थी। इसके बाद सोनसिंह तेकाम ने अपनी पत्नी रागिनी तेकाम के साथ बेटी अंशिका को बैहर के अस्पताल में लाये जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। अंशिका की बैहर अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट सोन सिंह तेकाम 31 वर्ष रौंदा टोला निवासी ने बैहर थाना में रिपोर्ट की थी। प्रधान आरक्षक ज्ञानचंद परते ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम किये और प्रधान आरक्षक संतराम परते ने अस्पताल पहुंच कर मौके की कार्रवाई की शाम होने से अंशिका का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जिसके शव को अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया गया । 8 जुलाई को प्रधान आरक्षक श्री परते ने मृत बालिका अंशिका का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए ।आगे मर्ग जांच की जा रही है।

आकांक्षा नावानी बनी सीए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर की बेटी आकांक्षा नावानी ने हाल ही में आयोजित सीए की परीक्षा पास की है।

उसका बचपन से ही सपना सीए बनने का था, जिसे उसे सीए की परीक्षा पास कर हासिल कर लिया है। आकांक्षा, नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 24 इंग्लिश स्कूल के पास निवासरत जल संसाधन विभाग के सेवानिवृत्त सच्चानंद नावानी और शीला नावानी की पुत्री है।आकांक्षा, बताती है कि उसका बचपन से ही सपना सीए बनने का था। जिसके लिए, मुझे माता-पिता हमेशा प्रेरित करते रहे और यही कारण है कि आज वह सीए बनकर प्रसन्न है। उन्होंने बताया कि सीए के लिए आवश्यकतानुसार पढ़ाई की और अपने लक्ष्य पर ध्यान दिया। उन्होंने सीए करने वाले युवाओं से कहा है कि बिना लक्ष्य और मेहनत के कुछ संभव नहीं है यदि वह लक्ष्य और मेहनत के साथ, अपनी पढ़ाई करते है तो निश्चित ही वह सफलता हासिल कर सकते है। आकांक्षा के सीए बनने पर परिजनों और शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

बोधगया आधिपत्य के लिए कल से शुरू होगा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी, कहा-बौध्दों को सौपा जाए पवित्र स्थल बोधगया का आधिपत्य

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बोधगया महाविहार वह स्थल है जिस स्थल में भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी ।जिसकी वजह से बोधगया महाविहार बौद्ध समुदाय का पवित्र स्थल है और इस स्थल पर नरमस्तक होने के लिए केवल प्रदेश या देश के ही नहीं बल्कि विदेशों तक के लोग व श्रद्धालु आते हैं लेकिन बौध्यो के इस पवित्र स्थल पर गैर बौध्यो ने अपना कब्जा कर लिया है ।जहां महाबोधि मंदिर अधिनियम की आड़ में गैर बौद्ध ताकतो ने बोधगया पर अपना कब्जा जमा लिया है जो लोग बोधगया का गलत इतिहास प्रस्तुत कर रहे हैं और पूजा अर्चना की अलग विधि व पद्धति बता रहे हैं ।ऐसा आरोप लगाते हुए पवित्र धार्मिक स्थल बोधगया से गैर बौध्दों का अतिक्रमण हटाने और उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों के सुपुर्द किए जाने की मांग देश भर में पिछले 134 वर्षो से की जा रही है ।वहीं इसी मांग को लेकर बोधगया सहित पूरे देश मे बौद्ध धर्मगुरुओं द्वारा धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जा रहा है ।जहां शुरु किए गए इस आंदोलन का असर धीरे धीरे पूरे देश में देखने को मिल रहा है ।जहा बोधगया के धार्मिक स्थल के आधिपत्य को लेकर बौध्य अनुयायियों द्वारा आए दिनों ज्ञापन आंदोलन किए जा रहे है ।जिसकी समय समय पर झलक बालाघाट में भी देखने को मिल रही हैं ।इसी कड़ी में महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति ने वर्षो से लंबित अपनी इसी मांग को लेकर अब अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किए जाने का एलान किया है ।जिन्होंने आगामी 10 जुलाई को कोसमी स्थित त्रिरत्न बौध्य् विहार में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर, वहां से आंबेडकर चौक तक रैली निकालने और बोधगया का आधिपत्य बौद्धयो को सौपे जाने की मांग को लेकर अंबेडकर चौक में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किए जाने की चेतावनी दी है ।उक्त जानकारी मंगलवार को महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति द्वारा नगर के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता दी गई ।इस दौरान महाबोधि विहार मुक्ति आंदोलन समिति जिला अध्यक्ष विकास खांडेकर, सार्वजनिक जयंती समारोह समिति अध्यक्ष दयाल वासनिक ,के.एल. तिरपुडे, अशोक डोंगरे,शोभना मेश्राम, संतोष मेश्राम, देवेंद्र (मल्ला) मेश्राम , नरेंद्र मेश्राम सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बौद्धो को सौंपा जाएं अधिपत्य

आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया गया कि बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर बौद्ध समुदाय, 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग कर रहा है। बौद्ध अनुयायी मांग कर रहे है,की इसके प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो। बौद्ध अनुयायियो का आरोप है कि गैर बौद्धो के हाथो में मंदिर प्रबंधन होने से, यहां से गलत संदेश फैलाया जा रहा है। सामाजिक लोगों ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए, हर हाल में अपना अधिकार लेकर रहने की बात कही।

प्रबंधन कमेटी, बौद्धो के हाथों में सौपी जाए

पदाधिकारियों ने बताया कि महाबोधि टेंपल एक्ट 1949 में समाप्त करें और महाबोधी, महाविहार की कमेटी और प्रबंधन कमेटी, बौद्धो के हाथो में दे और बौद्ध उसका संचालन करें, यही हमारी मांग है। एक्ट के तहत जो ट्रस्ट बना है, उसमें अन्य जाति के लोगों को हटाकर मंदिर का प्रबंधन केवल बौद्धों को दिया जाए ।उन्होंने बताया कि एक्ट को खत्म करने और ट्रस्ट में गैर बौद्धो को हटाकर बौद्धो को शामिल करने की मांग को लेकर पिछले कई वर्षो से सामाजिक बन्धुओ द्वारा संघर्ष भी किया जा रहा है वही सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई भी चल रही है ।जिसका अंतिम फैसला इसी माह के अंत मे होना है ।इसलिए अपनी फरियाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुचाने के लिए 10 जुलाई से अंबेडकर चौक में शांति पूर्वक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बालाघाट से तुमसर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, परसवाड़ा के फड़की में टूटा शासकीय तालाब

10 किसानों के खेतो में लगा रोपा प्रभावित, सड़क पर गिरा पेड़ लगा जाम, बैहर बालाघाट मांर्ग बंद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में हो रही लगातार बारिश ने लोगों को घरो में कैद कर दिया है, पूरा जिला जलमग्न नजर आ रहा है, अतिवर्षा के चलते, शहर और गांवो में स्थिति खराब है, हर ओर, पानी ही पानी नजर आ रहा है। प्रशासन और पुलिस ने लोगो को पुल-पुलियो में पानी होने की दशा में जान का जोखिम उठाकर पार नहीं करने की चेतावनी जारी है। जिले में तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश से पिछले साल हुई बारिश का रिकॉर्ड टूट तोड़ दिया है। बालाघाट में बीते चौबीस घंटे में साढ़े 6 इंच, तकरीबन 163 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। जिले में अब तक 463 मीटर वर्षा हो चुकी थी। जो गत वर्ष की तुलना में 250 मिलीमीटर ज्यादा है, गत वर्ष, इसी अवधि तक 213 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। जिले के परसवाड़ा तहसील के ग्राम फड़की में स्थित अत्यधिक वर्षा के कारण शासकीय तालाब फूट गया। जिससे 10 कृषक के खेतो में पानी भर गया है, जिससे धान के लिए लगाए गए रोपे में पानी भर जाने से किसानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं बैहर से बालाघाट मार्ग पर उद्धाटी मजार के सामने, रात्रि में अचानक बड़ा पेड़ गिर जाने के कारण यह मार्ग अभी बंद है। जिले के खैरलांजी अंतर्गत ग्राम टेमनी में जल भराव के कारण आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग बालाघाट से तुमसर के बीच तहसील खैरलांजी अंतर्गत बपेरा के पुल पर पानी भर जाने से मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। वैनगंगा नदी का जल स्तर 12 सेमी प्रतिघंटे की दर से बढ़ रहा है। अब तक लगभग 9 मीटर पानी हो गया है। तहसील परसवाड़ा के नाहरा नाला के पुल के ऊपर से 5 फिट ऊपर पानी का भराव होने से ग्राम चिखलाझोड़ी से डोरा मार्ग बंद है।

भीमगढ़ बांध से दो गेट खोले जायेंगे

कार्यपालन यंत्री पी.एन. नाग ने बताया कि भीमगढ़ बांध से 8 जुलाई की दोपहर 12 बजे गेट क्रमांक 5 एवं 6 को खोलकर 8692 घन मीटर प्रति सेकंड की दर से वैनगंगा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। जिससे नदी का जलस्तर बढ़ाने की संभावना है। जिला प्रशासन ने बांध से पानी छोड़े जाने के चलते, जनमानस से अपील की गई है कि वह नदी के घाटों- किनारो से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

24 घंटे में हुई बारिश का आंकड़ा

चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में बीते 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 144 मिलीमीटर, वारासिवनी में 353 मिलीमीटर, बैहर में 232 मिलीमीटर, लांजी में 52 मिलीमीटर, कटंगी में 224 मिलीमीटर, किरनापुर में 97 मिलीमीटर, खैरलांजी में 91 मिलीमीटर, लालबर्रा में 199 मिलीमीटर, बिरसा में 39 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 167 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 194 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 163 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

जिले में कुल बारिश का आंकड़ा

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 08 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 628 मिलीमीटर, वारासिवनी में 754 मिलीमीटर, बैहर में 639 मिलीमीटर, लांजी में 197 मिलीमीटर, कटंगी में 320 मिलीमीटर, किरनापुर में 485 मिलीमीटर, खैरलांजी में 202 मिलीमीटर, लालबर्रा में 578 मिलीमीटर, बिरसा में 399 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 555 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 337 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 463 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 754 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में और सबसे कम 197 मिलीमीटर वर्षा कटंगी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

गत वर्ष हुई बारिश का आंकड़ा

गत वर्ष इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 262 मिलीमीटर, वारासिवनी में 272 मिलीमीटर, बैहर में 302 मिलीमीटर, लांजी में 114 मिलीमीटर, कटंगी में 154 मिलीमीटर, किरनापुर में 82 मिलीमीटर, खैरलांजी में 94 मिलीमीटर, लालबर्रा में 250 मिलीमीटर, बिरसा में 276 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 279 मिलीमीटर और तिरोड़ी तहसील में 256 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी।

पुल की बाढ़ में फंसे पिता, पुत्र और बहू

सरपंच ने दी पुलिस को सूचना, रामपायली पुलिस के जवानो ने किया रेस्क्यु

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोमवार की देररात तकरीबन 9 बजे रामपायली थाना क्षेत्र के सिंगोड़ी और लालपुर के बीच, छोटे पुलिया के ऊपर से बह रहे लगभग 3 फीट पानी के बहाव में फंसे पिता, पुत्र और बहु को पुलिस टीम ने रेस्क्यु कर सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, सिंगोड़ी निवासी 60 वर्षीय शिवलाल राहंगडाले, अपने बेटे 30 वर्षीय महेंद्र राहंगडाले और बहु 29 वर्षीय प्रेमलता राहंगडाले के साथ, मोटर सायकिल से रिश्तेदारी में लालपुर गए हुए थे। जहां से देरशाम वापस लौटते समय, सिंगोड़ी और लालपुर के बीच पड़ने वाले पुल से बह रहे तेज पानी के कारण वह फंस गए थे।

सरपँच की सूचना पर राहत बचाव कार्य के लिए पहुचे जवान

बताया जाता है कि पुल से तकरीबन 3 फीट से ज्यादा पानी, तेज गति से बह रहा था। जिसके चलते, पुल को पार करना, खतरे से खाली नहीं था। जिसे देखते हुए उन्होंने, इसकी सूचना सिंगोड़ी पंचायत सरपंच देवनाथ बोपचे को दी। जहां से जानकारी पुलिस को मिली ।जिसके बाद पुल में लगातार बारिश होने से पानी के तेज बहाव के बावजूद, रामपायली पुलिस के आरक्षक आलोक बिसेन, नासिर अली, अंकित राजपूत, श्यामसिंह चौहान और सैनिक अशोक ने पूरी सावधानी और सुरक्षा के साथ, पुल के पास फंसे लोगों को सुरक्षित रेस्क्यु कर बाहर निकाला और उन्हें घर तक भिजवाया। इस रेस्क्यु अभियान में पंचायत सरपंच, ग्रामीण सूरजलाल पटले और अन्य ग्रामीणों ने पुलिस बल की पूरी सहायता की।

भारी बारिश से टूट चुका है कई गांवों सम्पर्क

ज्ञात हो कि, जिले में हो रही लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर है, जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रो में छोटे पुल-पुलियो से पानी बह रहा है। जिसके चलते गांवो के बीच संपर्क कट गया है। जिले में हो रही अतिवर्षा के चलते बाढ़ की स्थिति होने से, जिले में सभी थाना, चौकियो को एसपी ने सुरक्षा और बचाव को लेकर, अलर्ट मोड पर रखा है। यही कारण रहा कि तीन लोगों के फंसे होने की सूचना के तत्काल बाद रामपायली थाना प्रभारी पंकज दीवान के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने साहस दिखाते हुए बाढ़ के पानी से तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

चहूंओर पानी ही पानी::जलमग्न हुआ लालबर्रा

नदी-नाले उफान पर, कई ग्रामों का टूटा संपर्क तीन दिनों से हो रही आफत की बारिश, जनजीवन हुआ प्रभावित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। 'चहूंओर नदियां, नाले, सड़कें और खेतों में पानी ही पानी जिससे जलमग्न हुआ लालबर्रा' - 6 जुलाई की रात्रि से प्रारंभ हुई झमाझम बारिश तीसरे दिन 8 जुलाई को भी हुई है। इस तरह से तीन दिनों से रूक-रूक कर हो रही तेज बारिश के चलते क्षेत्र के नदी, नाले उफान पर है। साथ ही नदी, नाले, तालाब व खेतों में चहुंओर पानी ही पानी नजर आ रहा है जिससे कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई है और तीन दिनों से हो रही आफत की बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। 6 जुलाई की रात्रि से प्रारंभ हुई झमाझम बारिश से नगर मुख्यालय के सिवनी-बालाघाट रोड़ स्थित कटंगटोला नाला, कंजई नाला, बंजारी नाला, मिरेगांव से निलजी मार्ग पर स्थित नाला, पांढरवानी से टेंगनीकला मार्ग पर स्थित नाला, घोटी से कटंगा पहुंच मार्ग पर स्थित नाला के ऊपर से पानी बहने के कारण कई ग्रामों का संपर्क टुट चुका है। जिससे ग्रामीणजनों का आवागमन बाधित हो चुका है, साथ ही कुछ स्थानों से ग्रामीणजन व राहगीर जान जोखिम में डालकर पुल-पुलियों को पार कर रहे है। अगर इस दौरान वे अनियंत्रित हो जाते है तो बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो सकती है। वहीं नदी, नालों के किनारे स्थित नीचले स्तर के ग्रामों में जल-भराव होने के कारण कई ग्रामीणों के मकानों में पानी घुस गया है। ग्राम पंचायत, राजस्व व पुलिस प्रशासन के द्वारा इस बाढ़ की स्थिति की मॉनीटरिंग भी की जा रही है परन्तु गत तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश के दौरान अब तक किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने के मामले सामने नही आये है। वहीं लालबर्रा से सिवनी मार्ग स्थित कटंगा नाला के ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। ऐसी स्थिति में दोनों साईड में चौपहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई है। साथ ही जिन लोगों को सिवनी, बालाघाट, जबलपुर, भोपाल, इंदौर जाना है ऐसे लोग नाला का पानी कम होने का इंतजार कर रहे है। लेकिन नाला में जल स्तर बढ़ता ही जा रहा है। जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं कटंगटोला एवं कंजई बैरियर नाले में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने पुल के दोनों साईड में रस्सी बांधकर लोगों को पुल के ऊपर से आने-जाने पर रोक लगा दी है।

लालबर्रा के आशीर्वाद नगर में घुसा पानी

ग्राम पंचायत पांढरवानी के आर्शीवाद नगर में भी पानी निकासी की व्यवस्था नही होने के कारण सोमवार एवं मंगलवार को हुई तेज बारिश के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित होने के साथ ही मकानों के अंदर पानी घुस गया है। जिसके कारण उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं आशीर्वाद नगर पांढरवानी (लालबर्रा) में पानी जमा होने का मुख्य कारण है कि पूर्व में जिस नाले से पानी बहता है उस नाले के ऊपर कुछ लोगों के द्वारा पक्का निर्माण कर लिया गया है। साथ ही कालोनाईजरों के द्वारा प्लांटिंग कर प्लाट विक्रय तो कर दिये गये है परन्तु पानी निकासी की व्यवस्था नही की गई है जिसके कारण भी जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है। आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय स्थित मजार के पीछे कालोनाईजरों के द्वारा प्लाट बनाकर मकान निर्माण के लिए जमीन विक्रय किया गया है और लोगों ने भूमि की खरीदी कर मकान का निर्माण भी करवा लिये है एवं कुछ भूमि खाली पड़ी हुई है परन्तु पानी निकासी की व्यवस्था नही किये जाने से जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई है। जिसकी निकासी नही हो पा रही है क्योंकि मजार के समीप सिवनी मार्ग पर बने नाले माध्यम से आशीर्वाद नगर सहित नीचले स्तर व खेतों का पानी बहते हुए आगे निकलता है परन्तु कुछ लोगों ने नाला के ऊपर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण कर लिये है। जिसके कारण भी पानी की निकासी तेज गति से नही होने के कारण जल-भराव की स्थिति निर्मित हो रही है। निवासरत लोगों ने प्रशासन से पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है।

चंदनटोला में घुसा पानी, तीन मकान करवाये गये खाली

अतरी पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम चंदनटोला में तेज बारिश होने के कारण खेत पूरे जलमग्न हो चुके है और नाले का पानी तेज गति से बहने के कारण गांव के अंदर से पानी बह रहा है। जिसके कारण तीन मकानों के अंदर पानी घुस गया है। वहीं मकान में निवासरत परिवार को मकान खाली करवाकर उनके रहने की व्यवस्था सामुदायिक भवन में पंचायत के द्वारा करवा दी गई है। साथ ही जल का स्तर बढ़ते ही जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है अन्य मकानों के अंदर भी पानी घुस सकता है एवं अनवरत तेज बारिश होने के कारण जनजीवन भी प्रभावित हो चुका है जिससे सभी परेशान है। वहीं दो वर्ष पूर्व भी चंदनटोला में बाढ़ का पानी घुस जाने से एक दर्जन से अधिक मकान धराशायी हो गये थे। जिससे मकान मालिकों को काफी नुकसान भी हुआ था। प्रशासन के द्वारा मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार की किये गये थे, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक उन्हे मुआजवा की राशि नही मिली है। जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग हुआ बंद

नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग का निर्माण करोड़ों रूपयों की लागत से किया गया है जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है। लेकिन जाम एवं छिंदलई के बीच से गुजरी ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के पुलिया वाले हिस्से में सड़क की ऊंचाई नही बढ़ाई गई है। ना ही नवीन पुलिया का निर्माण किया गया है। जिसके कारण गत तीन दिनों से रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण खेत जलमग्न हो चुके है और खेत व नालों का पानी नहर पुलिया के समीप सड़क के ऊपर से बह रहा है। जिसके कारण नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग बंद हो चुका है। जिसके कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जिन किसानों ने रोपाई कार्य कर लिये थे वह बह चुकी है और कृषि कार्य प्रभावित भी हुआ है। इस तरह से सड़क विभाग की लापरवाही के कारण क्षेत्रीयजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रहने-खाने की कर दी गई है व्यवस्था - हुकुमचंद

अतरी सरपंच प्रतिनिधि हुकुमचंद पंचेश्वर ने बताया कि क्षेत्र में दो-तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है जिसके कारण चंदनटोला में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है एवं तीन मकानों के अंदर पानी घुस गया है। मकान खाली करवाकर उनके रहने-खाने की व्यवस्था पंचायत के द्वारा सामुदायिक भवन कर की गई है। साथ ही तेज बारिश होने पर अन्य मकानों में भी पानी घुस सकता है, इस तरह से अनवरत हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि पंचायत के द्वारा चंदनटोला के ग्रामीणजनों को सतर्कता से रहने की अपील की गई है और पंचायत के द्वारा उनकी पूरी मदद की जायेगी।

दो वर्ष पूर्व बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए मकानों का अब तक नही मिला मुआवजा - अरूण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि अरूण गौतम ने बताया कि तेज बारिश होने से नदी, नाले उफान पर चल रहे है एवं उदासीटोला के समीप बना पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन बंद हो चुका है। साथ ही चंदनटोला ग्राम में पानी घुस गया है और प्रतिवर्ष तेज बारिश होने पर इस ग्राम में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है। श्री गौतम ने बताया कि प्रशासन के द्वारा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है ताकि लोगों को परेशानी ना हो। साथ ही यह भी बताया कि दो वर्ष पूर्ण चंदनटोला में बाढ़ आने पर दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हुए थे और प्रशासन के द्वारा मुआवजा के लिए प्रकरण भी तैयार किया गया था। लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक पीड़ित परिवारजनों को मुआवजा की राशि नही मिल पाई है जो गलत है। प्रशासन से मांग है कि अगर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किये है तो उन्हे जल्द मुआवजा प्रदान करें।

नाले के ऊपर किये गये अतिक्रमण को हटाये प्रशासन - अनीस

दूरभाष पर चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पांढरवानी के आशीर्वाद नगर सहित नीचले स्तर व खेतों का पानी मजार के पास सिवनी मार्ग पर बने नाले माध्यम से आगे निकलता है। लेकिन कुछ लोगों ने नाले के ऊपर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण करवा लिये है जिसके कारण पानी की निकासी नही हो पा रहा है। वहीं कालोनाईजरों के द्वारा भी प्लाटिंग के समय पानी निकासी की व्यवस्था नही की गई है। श्री खान ने बताया कि जल भराव की स्थिति के संबंध में राजस्व व पुलिस प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है एवं प्रशासन से मांग है कि नाले के ऊपर किये गये अतिक्रमण को हटाकर पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाये।

ददिया में 7 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि की गई वितरित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के पंचायत भवन में गत दिवस संबल योजनांतर्गत 7 मृतक के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता राशि का वितरित किये गये। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती ऋषी पंछी राजेन्द्र भलावी, जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर, सरपंच प्रतिनिधि राजेन्द्र भलावी, रोजगार सहायक देवेन्द्र बोपचे की उपस्थिति में मृतक के परिजनों को सबंल योजना के तहत नगद अंत्येष्टि सहायता राशि वितरित की गई। चर्चा में ददिया सरपंच श्रीमती ऋषी पंक्षी भलावी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा गरीबों व मजदूर वर्गों के लिए शासन ने संबल योजना प्रारंभ की है जिसमें अनेकों फायदे हैं। यह योजना गरीबों व मजदूर वर्गों के लिए आत्म संबल प्रदान करती हुई आ रही है और इसी योजना अंतर्गत मृतक के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता योजना से प्रत्येक हितग्राही को पांच-पांच हजार रूपये प्रदान किये जाते है। साथ ही यह भी बताया कि ददिया पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम के 7 लोगों की पूर्व में मृत्यु हो गई थी जिनके परिजनों को संबल योजनांतर्गत 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है और अन्य योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर दिलीप सर्राटे, घनश्याम आश्वले, मानसिंह रहांगडाले, जितेन्द्र बोपचे, वर्षा पंचेश्वर, जोधराज व नवीन कडौकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बल्हारपुर का तालाब भरा लबालब, निचले स्तर में घुसा पानी, निवासरत लोग परेशान

राजस्व, पुलिस एवं पंचायत विभाग ने बाबूल तालाब का निरीक्षण कियो तालाब के वेस्ट वीयर की धसक रही मिट्टी की रोकथाम के लिए करवाया गया मरम्मत कार्य

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर स्थित बाबूल तालाब गत दिवस से हो रही अनवरत बारिश के चलते लबालब भर चुका है। जिसके कारण ओवर फ्लोर का पानी नाले के माध्यम से आगे निकल रहा है। लेकिन गत तीन दिवस से हो रही अनवरत बारिश के चलते नाले में बाढ़ आने के कारण निचले स्तर में निवासरत लोगों के मकान के समीप तक पानी पहुंच चुका है और तेज बारिश होती है तो मकानों के अंदर पानी घुस सकता है। वहीं तालाब के ओवर फ्लोर का पानी रपटे के माध्यम से आगे निकलता है। किन्तु तालाब के वेस्ट वीयर के दोनों साईड की मिट्टी पानी के तेज बहाव के कारण धीरे-धीरे धसक रही थी। मिट्टी का कटाव हो रहा था, ऐसी स्थिति में तालाब का पानी अधिक मात्रा में बहता तो कई लोगों के मकानों के अंदर पानी घुस सकता था, जिससे काफी नुकसान होने के साथ ही बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। वहीं बल्हारपुर के बाबूल तालाब का पानी ग्राम में घुस जाने की जानकारी लगने पर तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी, पटवारी बल्हारपुर पहुंचकर सरपंच सेवन काटेकर के साथ तालाब का निरीक्षण किया एवं तालाब के रपटे के समीप बने वेस्ट वीयर के दोनों ओर से मिट्टी का कटाव ना हो उसके मरम्मत कार्य करवाने की बात कही। साथ ही वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पैरा का बेट डाला गया ताकि मिट्टी का कटाव न हो सके एवं पैरा का बेट डालने से मिट्टी का कटाव रूक गया है। वहीं नाले में बाढ़ आने से निचले स्तर में निवासरत लोगों के घरों के सामने तक पानी पहुंच गया है। अगर तेज बारिश होती है तो उनके मकानों के अंदर तक पानी पहुंच सकता है। साथ ही पंचायत के द्वारा ग्रामीणजनों को सतर्कता के साथ रहने की अपील की गई है। चर्चा में सरपंच सेवन काटेकर ने बताया कि 6 जुलाई की रात्रि से लेकर 8 जुलाई तक रूक-रूक कर झमाझम बारिश हुई है। जिसके कारण बल्हारपुर के बाबूल तालाब लबालब भर चुका है क्योंकि इस तालाब के ऊपर दो छोटे तालाब है जिसके एवं जंगल क्षेत्र का पानी आता है। जिसके कारण तालाब लबालब भर गया है और ओवर फ्लोर का पानी नाले के माध्यम से आगे निकलता है। श्री काटेकर ने बताया कि तालाब का पानी जिस नाले के माध्यम से निकलता है वह नाला ग्राम के बीच से गुजरा है एवं अनवरत बारिश होने के कारण नाले में बाढ़ आने के कारण निचले स्तर पर निवासरत लोगों के मकान के सामने तक पहुंच गया था। जिससे उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही तहसीलदार, पुलिस प्रशासन के द्वारा तालाब व ग्राम का निरीक्षण किया गया है एवं पंचायत के द्वारा जिस क्षेत्र में नाले का पानी घुस गया है उस क्षेत्र की निगरानी करने के साथ ही ग्रामीणजनों को सतर्कता से रहने की अपील की है और वेस्ट वीयर की कट रही मिट्टी की रोकथाम की व्यवस्था बना दी गई है। साथ ही धीरे-धीरे तालाब का पानी कम हो रहा है।

अमोली में सरपंच चुनाव के लिए 2 उम्मीदवारों ने जमा किया नामांकन फार्म

डोकरबंदी में पंच के लिए आया सिर्फ एक नामांकन फार्म, नामांकन फार्म की होगी जांच आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद एवं ग्राम पंचायत डोकरबंदी में पंच पद के रिक्त पद को भरने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा उपचुनाव के लिए गत दिवस अधिसूचना जारी कर दी गई थी और 1 जुलाई से नामांकन फार्म जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जिसके साथ ही अमोली पंचायत में सरपंच पद एवं डोंकरबंदी में वार्ड नं. 18 के पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पुर्ण हो चुकी है और अंतिम तिथि 8 जुलाई को ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवारों के द्वारा अपने नामांकन फार्म जमा किये गये है एवं ग्राम पंचायत डोकरबंदी के वार्ड नंबर 18 में पंच पद के लिए सिर्फ एक नामांकन फार्म जमा किया गया है। इस तरह से ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच का चयन मतदान के माध्यम से किया जायेगा। वहीं ग्राम पंचायत डोकरबंदी के वार्ड नंबर 18 में पंच निर्विरोध चुन लिया जा सकता है क्योंकि सिर्फ एक ही नामांकन फार्म जमा हुआ है जहां पर अब चुनाव नहीं होगें। अमोली पंचायत में दो उम्मीदवार कमलेश हिवारे, रविशंकर हट्टेवार ने नामांकन फार्म जमा किया है जिनके माध्यम चुनाव होगें और दोनों उम्मीदवारों के द्वारा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इस तरह से अमोली पंचायत में सरपंच पद एवं डोंकरबंदी में पंच पद के लिए 22 जुलाई को चुनाव संपन्न होगा। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद के लिए उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने साथ ही अनुसूचित जनजाति वर्ग से चुनाव लगने वाले ईछुक

उम्मीदवार के द्वारा तैयारी प्रारंभ कर दी गई थी और अंतिम दिन 8 जुलाई को सरपंच पद के लिए कमलेश हिवारे व रविशंकर हट्टेवार दो उम्मीदवारों के द्वारा अपने नाम निर्देशन पत्र जमा किये गये है। साथ ही 22 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव में मतदान के माध्यम से ग्राम पंचायत अमोली की जनता अपना नया सरपंच चुनेगी। जिसकी तैयारी निर्वाचन विभाग के द्वारा भी पूर्ण कर ली गई है। विदित हो कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2022 में संपन्न हुए थे। जिसमें विभिन्न ग्राम पंचायत से लोगों के द्वारा सरपंच पद के लिए नामांकन करके चुनाव लड़े गए थे और नवनिर्वाचित सरपंचों के द्वारा पदभार ग्रहण कर लिया गया था। इसी प्रक्रिया के तहत अमोली में भी पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। जिसमें जनता जनार्दन के आशीर्वाद से किशोर पडवार सरपंच निर्वाचित हुए थे। लेकिन विगत माह पूर्व पंचायत के निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने सहित अन्य आरोप सरपंच पर लगाते हुए पंचों ने प्रशासन को शिकायत कर सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने ज्ञापन सौंपा था। जिसके बाद प्रशासन के द्वारा पंचों की बैठक लिया गया था जिसमें सभी पंचों ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये थे। जिसके बाद से अमोली पंचायत में सरपंच का पद खाली हो गया था। वही सरपंच नही होने पर निर्माण कार्य सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे थे। ऐसी स्थिति में स्थानापन्न सरपंच पंचों के द्वारा चुना गया था जिसमें सरपंच पद आरक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग से वार्ड नं. 16 की पंच श्रीमती सुकवन समनपुरे को स्थानापन्न सरपंच चुना लिया गया था। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जिन पंचायतों में सरपंच, पंच के पद रिक्त है उन पंचायतों में उक्त पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी कर अमोली में सरपंच एवं डोंकरबंदी में वार्ड नं. 18 में पंच पद के लिए उपचुनाव करवाने की तिथि घोषित की गई और 22 जुलाई को ग्राम पंचायत अमोली में उपचुनाव संपन्न करवाये जायेगें।

नगर पालिका में प्रेस वार्ता का हुआ आयोजन

नपा अध्यक्ष व पार्षदों ने प्रेसवार्ता आयोजित कर वर्तमान विधायक पर फोटोशूट कर वाहवाही लूटने का लगाया आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी कक्ष में नपा के अध्यक्ष एवं पार्षदों के द्वारा प्रेसवार्ता आयोजित की गई। यह प्रेसवार्ता ७ जुलाई को नगर में हुए जल भराव के दौरान विधायक विवेक पटेल के द्वारा भ्रमण कर नगर पालिका पर लगाए गए आरोप एवं परिषद की कार्यप्रणाली पर किए गए सवाल को लेकर आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा भारी वर्षा को जल भराव का जिम्मेदार बताते हुए विधायक के द्वारा किए गए निरिक्षण को फोटो सेशन की संज्ञा देकर अपनी प्रतिक्रियां व्यक्त की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे ,पार्षद संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे ,पवन धुर्वे ,प्रवीण डोंगरे ,मदनलाल धार्मिक ,श्रीमती रुखमणी बिसेन, समीर बिसेन, सुनील जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक जी फोटोशूट कर वाहवाही लूटने से नहीं होता है अपने व्यय पर साधन जुटाए और विकास कार्य करें-सरिता दांदरे

नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने बताया कि ७ जुलाई को नगर पालिका परिषद के ऊपर गलत आरोप लगाया गया है। यह आरोप विधायक विवके पटेल के द्वारा लगाया गया है उनकी हम निंदा नहीं करेंगे परंतु उन्होंने गलत किया है नगर पालिका के विकास कार्यो पर आरोप लगाया गया है। यदि उन्हें वाहवाही लूटनी है तो मैं बताना चाहती हूं कि मैं जब २०१५ में पार्षद थी वह अध्यक्ष थे। तब वह नाले का निराकरण नहीं कर पाए तो नगर पालिका पर दोषा रोपण ना करें । वाहवाही लेना है तो वह अपने व्यय पर साधन जुटाए हमने जाकर अपने संसाधन लगाकर काम कर रहे हैं ।जिसमें ७ जेसीबी एवं कर्मचारी व्यवस्था बनाने में लगाए थे हम वार्ड में निवासरत लोगों पर हम ध्यान दे रहे हैं ,हमारे सभी पार्षद मिलकर हर वह स्थान जहां जल भराव था व्यवस्था बनाई गई है । जरूरत पड़ने पर तालाब को तोड़कर भी निकासी बनाई गई है ,वहां पर विधायक फोटोशूट करवा रहे थे। यदि उन्हें फोटोशूट अच्छे से करना है तो विधायक निधि या फंड लाकर हमें सहयोग करें काम करें । हमारे काम का फोटोशूट कर वाहवाही लूटने से नहीं होता है ,विधायक का हम सम्मान करते हैं। परंतु उन्होंने हमारे नगर पालिका पर आरोप लगाया वार्ड नंबर ५ और ७ का जो नाला है वहां २०१५ से जल भराव हो रहा है। आरोप प्रत्यारोप वह कर रहे हैं मैं महिला अध्यक्ष हूं तो वह छवि पर प्रश्न चिन्ह खड़े कर रहे हैं। हम लगातार विकास कर रहे हैं उक्त स्थान की समस्या पहले से है और जनता के हित में जो भी काम करना पड़ेगा वह करने हम बाध्य है।

वर्तमान विधायक जब नपा अध्यक्ष थे तब से अतिक्रमण की समस्या नगर में बनी है-संदीप मिश्रा

संदीप मिश्रा ने कहा की अभी लगातार दो दिनों से अत्यधिक मात्रा में बारिश हो रही है । हमारे यहां जल भराव की स्थिति है नगर पालिका ने बारिश के पहले और अभी भी समुचित जल भराव की रोकथाम और निकासी के लिए कार्य कर रही है। खेद का विषय है कि कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि जिले में केवल वारासिवनी में जल भराव की स्थिति निर्मित हुई है। विधायक जी गली.गली घूम कर जल भराव

का जायजा ले रहे हैं ,उसके बाद उन्होने आरोप लगाया कि नगर पालिका की खामियां उजागर हुई है। भ्रष्टाचार उजागर हुआ है नगर पालिका की पोल खुली है तो विधायक से आग्रह है कि आप जनप्रतिनिधि है हम भी है छतरी लेकर फोटो खींचने से कुछ नहीं होगा। हम तब मानेंगे जब स्वयं के व्यय पर साधन उपलब्ध करवाते आरोप लगाना आसान है काम करना अलग है । आपको बारिश के पहले एसडीएम ,सीएमओ की बैठक करना था निर्देश देना था जनता ने महिला को अध्यक्ष बनाया हैं वह ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रही है । वार्ड नंबर ३ में अव्यवस्था रही ऐसा नहीं है कि वहां काम नहीं हुआ तुलना करना ठीक नहीं है मैं लोक निर्माण का सभापति हूं। इस वर्ष मेरे यहां एक भी कार्य नहीं हुआ वार्ड नंबर ५ में जल भराव हुआ । सोनू जायसवाल वहां डटे रहे नाले की समस्या है जिस पर अतिक्रमण किया गया है। वर्तमान विधायक जब अध्यक्ष थे तब की यह समस्या है उसकी जांच उन्होंने करवाना था। श्री मिश्रा ने कहा की वार्ड नंबर ४ में विवेकानंद कॉलोनी के पास श्री चैतगुरु और प्रबल मिश्रा ने अवैध प्लाटिंग की है छगन हनवत भी उसमें है। वार्ड नंबर १ एवं १४ के बीच श्री कासल ने पुलियां बंद कर नया पुलिया दिया है। वह सड़क एमपीआरडीसी की है अपनी मिली भगत से उन्होंने पुलियां बनाएं हम वहां गए पुलियां तुड़वाया। नगर में पानी निकासी के लिये जेसीबी और नपा के कर्मचारी सभी लगे रहे, नगर पालिका क्षेत्र की कुछ अवैध कॉलोनी है। वैध अवैध कलेक्टर निर्धारित करता है नगर पालिका केवल कार्यवाही करती है। मौके पर विधायक गए उन्होंने वहां पर आरोप हमारे ऊपर लगाए जो गलत है। हम समस्या के स्थाई समाधान की बात कर रहे हैं अभी बारिश चालू हुई है । आगे और ऐसी स्थिति ना हो यह ध्यान देने की जरूरत है और कहीं भी कोई अनुचित कार्य हुआ है तो नगर पालिका पूरी ईमानदारी के साथ कार्यवाही करेगी । मैं किसी की बात नहीं कर सकता मैं खुद ब्लैकबोर्ड से जीता हूं ऐसे में बाल्टी ब्लैकबोर्ड या फूल की कोई बात नहीं है । समीर बिसेन ने आवेश में आकर यह कुछ कहा होगा क्योंकि वह भी जनप्रतिनिधि है । उनके वार्ड की जनता उन्हें बार.बार फोन लगा रही होगी जिससे वह मानसिक परेशान होने से यह बातें उन्होंने कही है । यहां वर्तमान में भाजपा के सभी १५ पार्षद है नापतोल के कुछ नहीं होता उच नीच थोड़ी होती है कलेक्टर ने जो कॉलोनी के लिए आदेश किया था। उसके संबंध में पत्र थाने को भेज दिया गया है और हर सहयोग पुलिस को किया जा रहा है । कार्यवाही होगी और समस्त अधिकारियों को नियम अनुसार कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है।

रिजवानी व देशमुख परिवार के द्वारा नाले पर अतिक्रमण किया जिससे वार्डवासी परेशान है-सुनील जायसवाल

पूर्व पार्षद सुनील जायसवाल ने बताया कि हमारे द्वारा पिछले साल काम करवाया गया था अभी मेरी पत्नी पार्षद है पहले मैं पार्षद था उसे समय अध्यक्ष विवेक पटेल थे। तब नाले पर अतिक्रमण किया गया था जिसे नहीं रुकवाया गया अतिक्रमण तुड़वाने हमने शिकायत की थी। वह नाला बंद है अतिक्रमण की जगह पुरानी रजिस्ट्री निकाल कर पता किया जाएगा कि किस स्थान पर नाल दर्ज है और उसे खुलवायेंगे । वहां पर विधायक ने आकर कहा नगर पालिका की कार्य प्रणाली पर प्रश्न उठाए तो यह उनके अध्यक्ष कार्यकाल में अतिक्रमण कर बंद किया गया था। हमने वहां पर पिछले दो वर्ष पहले काम किया है और आगे स्थाई निदान करेंगे हमने उस समय आपत्ति लिए थे अध्यक्ष हमारे नेता थे तो उन्हें बताया था ।परंतु अतिक्रमणकर्ता से क्या साठगांठ उन्होंने की थी जिसके चलते कार्यवाही नहीं हुई उन्होंने नहीं खुलवाया। हम बिल्कुल वहां से अतिक्रमण हटाएंगे मौके पर रिजवानी व देशमुख परिवार के द्वारा नाले पर अतिक्रमण किया गया है । यह राजस्व विभाग का विषय है जिसमें जितने जल्दी हो सकेगा निराकरण करने का प्रयास रहेगा। तत्कालीन स्थिति में मैं वार्ड नंबर ५ का पार्षद था नाला वार्ड नंबर ७ में आता है आवेदन देकर शीघ्र यह कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

मूसलाधार बारिश के कहर से उमरवाड़ा ,बकेरा और लालपुर तालाब फूटा

खेतों के माध्यम से तीनो तालाब का पानी पहुंच रहा कटंगटोला प्रशासन अलर्ट पर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ३ ग्राम पंचायत जिसमें उमरवाड़ा ,बकेरा और लालपुर में तालाब बीते दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के

कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जहां का पानी लगातार खेतों की तरफ जा रहा है जहां पर परहा को लेकर किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं तो वहीं प्रशासन भी अलर्ट मोड़ में दिख रहा है। यही कारण है कि किसी भी विषम परिस्थिति में सहायता के लिए एसडीआरएफटीम को वारासिवनी में रिजर्व रखवा दिया गया है। जहां पर लगातार जलस्तर बढ़ रहा है ऐसे में तीन तालाबों का पानी ग्राम कटंगटोला पहुंच रहा है जहां पर हाई रिस्क बनी हुई है। इस परिस्थिति में एसडीएम राजीव रंजन पांडे ,एसडीओपी अभिषेक चौधरी, नायाब तहसीलदार मंजुला महोबिया,रामपायली थाना प्रभारी पंकज दीवान के द्वारा मौका निरीक्षण कर मुनादी करवा दी गई है वहीं स्थिति पर नजर बनाकर रखी गई है।

,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक चौधरी ,नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया ,रामपायली थाना प्रभारी पंकज दीवान ,राजस्व एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिनके द्वारा उक्त समस्त तालाबों का निरीक्षण किया गया। जिसमें एक तालाब की पार टूट गई थी जो लगातार बड़ी हो रही थी जिस पर पानी के भार को कम करने के लिए उसे दूसरे तरफ से तोड़ा गया वहीं तीनों तालाब के पानी का पता किया गया। जिसमें उमरवाडा के तालाब का पानी खेतों में जा रहा था जो में रोड़ से होते हुए कटंगटोला की ओर जा रहा था। वहीं बकेरा का भी पानी पूरा कटंगटोला की ओर जा रहा था और लालपुर का भी अपनी कटंगटोला की ओर जा रहा था। जिस पर अधिकारियों के द्वारा कटंगटोला का निरीक्षण किया गया जहां निचले स्तर पर निवासरत करीब एक दर्जन मकानों को अपनी कीमती एवं आवश्यक सामग्री लेकर रिश्तेदारों के यहा पर जाने के लिए निर्देशित किया गया। जहां स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में बताई जा रही है किंतु प्रशासन के द्वारा एसडीआरएफ बालाघाट को रिजर्व में वारासिवनी बुला लिया गया है।

कटंगटोला में मुनादी देकर सभी को सुरक्षित स्थानों पर जाने कह गया है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि उमरवाड़ा ,बकेरा और लालपुर का तालाब फूट गया है जिसका पानी खेतों में बहते हुए कटंगटोला की ओर आ रहा है। जो चेनई नदी में मिल रहा है मौके पर एसडीएम, नायब तहसीलदार , थाना प्रभारी के साथ निरीक्षण किया गया है । कटंगटोला में सभी को मुनादी कर समझाइस दे दी गई है निचले मकान को ऊपर की तरफ जाने के लिए कहा गया है । पानी का लेवल बना हुआ है यदि रात में बारिश नहीं होती है तो यह घटेगा नजर बनाकर रखी गई है । एसडीआरएफ को रिजर्व वारासिवनी में रख लिया गया है उमरवाड़ा से लालपुर मार्ग बंद करवा दिया गया है।

भारी बारिश के कहर से फुटा तालाब

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र कृषि आधारित है जहां पर सर्वाधिक लोग कृषि कार्य करते हैं। जिसमें पानी की पूर्ति करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के तालाब का निर्माण किया जाता है। जिसके माध्यम से ग्राम का वाटर रिचार्ज एवं कृषि के रूप में उपयोग किया जाता है। ऐसे में ग्राम उमरवाड़ा, बकेरा और लालपुर में तालाब का निर्माण किया गया था। जिसमें बारिश और नहर के माध्यम से पानी जमा किया जाता है। ऐसी स्थिति में दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण विभिन्न क्षेत्रों का पानी उतरकर तालाब में एकत्रित हो गया। जहां पर तालाब की क्षमता से अधिक पानी होने पर विभिन्न स्थानों पर दरारें आने लगी। वहीं कुछ स्थानों से पर टूटने से पानी बहने लगा ऐसे में उमरवाड़ा, बकेरा और लालपुर का पानी खेतों के रास्ते होते हुए कटंगटोला की ओर बढ़ने लगा ।जिसको देखते हुए ग्रामीणों के द्वारा घटना की जानकारी प्रशासन को दी गई। जिस पर ८ जुलाई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजीव रंजन पांडे

अभिषेक पेट्रोल पंप में पानी युक्त पेट्रोल मिलने से उपभोक्ताओं ने मचाया हंगामा

शिकायत के बाद खाद्य विभाग ने पंप किया सील

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी मार्ग पर स्थित रूसिया पेट्रोल में मगंलवार की सुबह जहां पेट्रोल के साथ साथ पानी भी आने से लगभग सैकडों ग्राहकों के वाहन कुछ दूर जाकर ही बंद हो गए और उनमें खराबी आने लगी। इसके बाद ग्राहकों ने पेट्रोल पंप पर पहुंचकर हंगामा किया और पानी मिले पेट्रोल दिखाए और मुआवजे की मांग करने लगे । जिस पर जानकारी लगते ही प्रशासन ने मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए जहां पानी मिला पेट्रोल का सेंपल लेकर पेट्रोल के नौजल को सील कर दिया है । वहीं पंप संचालक का कहना है कि संभवत: बरसात का पानी किसी तरीके से चला गया है, जिससे यह स्थिति निर्मित हुई है इसे ठीक किया जा रहा है । नगर के कटंगी रोड़ स्थित अभिषेक पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने आये ग्राहकों ने हंगामा कर दिया जब पेट्रोल भरवाने के बाद एक के बाद एक गाडियां बंद होना प्रारंभ हो गया । अधिकांश गाडी बंद हो गई और गाड़ी को चालू करने के लिए भारी मशक्कत के बाद भी जब गाडी प्रारंभ नही हुई तो अपनी गांडियां निकट के मिस्त्री के पास ले गये। जहां गाड़ी सुधारने के दौरान मिस्त्री ने बताया कि उनकी गाड़ी में पानी भरा है जिसके बाद लगातार गाड़ी धकेलते हुए गाड़ी चालक मिस्त्री के बाद पहुंचने लगे और मिस्त्री के पास बंद गाडियों की लाईन लग गई जिसमें सभी गाड़ियों में पेट्रोल टेंक में पानी निकलने लगा । जिसके बाद पेट्रोल भरवाने वाले समस्त ग्राहकों ने पेट्रोल पंप में हगांमा कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे । उपभोक्ताओं की शिकायत के बाद पेट्रोल में पानी की पुष्टि हुई, जिस पर प्रशासन ने जांच शुरू की है। इस दौरान एसडीएम राजीव रंजन पांडे,नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया, खाद्य आपूर्ति अधिकारी अश्विन देशमुख एवं थाना प्रभारी हेमंत नायक अपने दल बल के साथ पेट्रोल पंप पर जाकर जांच सैंपल लेकर पंचनामा बनाया।

पेट्रोल भराया फिर गाडी बंद हो गई - मोहनलाल बिसेन

उपभोक्ता मोहनलाल बिसेन ने बताया कि वह दूध का व्यवसाय करते है हमेशा की तरह वह अपना काम खत्म कर कटंगी रोड़ स्थित रूसिया पेट्रोल पंप ५०० रूपये का पेट्रोल डलवाया था और अपने घर टेकाड़ी जा रहा था। कुछ दूर नवोदय विद्यालय के पास जाने के बाद गाड़ी बंद हो गई जिसके बाद मैने गाड़ी चालू करने का बहुत प्रयास किया। किंतु गाड़ी चालू नही हुई उसी दौरान एक अंकल आयें उन्होने बोला पेट्रोल सप्लाई सही नही हो रही है। जब मैने देखा तो पेट्रोल की जगह पानी ही पानी निकल रहा है । इसके बाद मैने यहां देखा तो अनेक लोग पेट्रोल की जगह पानी होने की शिकायत लेकर हंगामा कर थे।

पेट्रोल की जगह पानी डाला गया- आमिर शेख

उपभोक्ता आमिर शेख ने बातया कि उन्होने ३२० रूपये का अपनी गाड़ी में यहीं से पेट्रोल भरवाया था। कुछ देर बाद गाड़ी बंद हो गई मुझे कही अर्जेन्ट जाना था गाड़ी बंद होने से परेशान हो गया । मिस्त्री ने जब गाड़ी चेक किया तो सिर्फ पानी ही निकला गाडी सुधारने में २०० रूपये लग गये ।

तीन गाड़ियों में डाला था पेट्रोल पानी डालने से हुई गाडी खराब - ज्योति

ज्योति ने बताया कि हमने यहां से मंगलवार को अपनी तीन गाडियों में पेट्रोल भरवाया था अब हमारी गाडी चालू नही हो रही है। हमने अपनी गाड़ी यहीं खडी कर दी है अब पंप संचालक ही गाड़ी सुधरवायेंगे । इनके द्वारा गाड़ी में पेट्रोल के साथ पानी भरने से गाडी खराब हुई है।

इनका कहना है

पेट्रोल पंप में पेट्रोल में पानी के मिलावट की शिकायत के पश्चात पेट्रोल पंप में राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम जांच की कार्यवाही कर रही है । सेंपल लेने के बाद नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

राजीव रंजन पांडे
एसडीएम वारासिवनी

कटंगी रोड़ स्थित रूसिया पेट्रोल पंप में पेट्रोल में पानी मिलाकर बेचने की शिकायत आई थी। जिसकी जांच करने के लिए थाना प्रभारी एवं खाद्य आपूर्ति अधिकारी के साथ यहां आये है । यहां पर इस विषय में हमने एक बोतल में सेंपल लेकर पंचनामा तैयार किया है जिसे जिला कलेक्टर के समक्ष पेश किया जायेगा ।जांच में हमने यह पाया है कि पेट्रोल में पानी है जिसकी निर्धारित मापदण्ड के आधार पर जांच की जायेगी जिसके बाद आगे की कार्यवाही होगी ।टेंक के अंदर पानी कैसे पहुंचा है यह जांच का विषय है पंप संचालक के द्वारा बताया कि १७० पीड़ित उपभोक्ताओं को राशि वापस कर दी गई ।वर्तमान में हम इसकों सील करने की कार्यवाही कर रहे है।

मंजूजा महोबिया
नायब तहसीलदार वारासिवनी

कटंगी रोड़ के पेट्रोल पंप से उपभोक्ताओं को पेट्रोल के साथ पानी बेचे जाने की शिकायत प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग, पुलिस विभाग के साथ यहां आकर जांच की है । जांच में पाया गया कि पेट्रोल टेंक के आस पास से पानी का रिसाव होने के कारण पेट्रोल के नौजल से पानी मिला हुआ पेट्रोल आ रहा है । पंप के पेट्रोल नौजल को सील किया गया है । डीजल के नौजल में कोई परेशानी नही है इसलिए डीजल के नौजल को सील नही किया गया है।

अश्विन देशमुख
खाद्य आपूर्ति अधिकारी वारासिवनी

पंप में पानी पेट्रोल टैंक में चल गया था ग्राहकों को परेशानी हुई १५ वर्षों से हम पेट्रोल पंप चला रहे हैं यह पहली बार हुआ है। भारी वर्षा के कारण सीपेज के माध्यम से चेंबर में पानी गया हमारे द्वारा सभी ग्राहकों को जितने भी पेट्रोल दिये गये थे उन्हें रुपये वापस किए गए। वहीं कुछ की गाड़ी भी रिपेयर कर दी गई है घटना की जानकारी कंपनी को भी दे दी गई है वह आकर पूरा सुधार कार्य करके देंगे।

सौरभ रूयिसा
पंप संचालक

प्रदीप जायसवाल ने भारी बारिश से उत्पन्न बाढ़ ग्रस्त इलाकों का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश में अधिक बरसात होने की सुची में वारासिवनी का नाम सबसे आगे है। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपनी सतत निगाहे रखी हुयी हैं। उन्होने भीमगढ़ गेट के बांध खुलने पर पानी के तेज बहाव से ग्रामीण क्षेत्रो की नदियों में बाढ़ आने की पुरजोर संभावनाओं को देखते हुये निकट की ग्राम पंचायतों के सरपंचो से बात कर उन्हे सावधानी रखने व तत्काल उन्हे व बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सुचित करने के निर्देश दिये है। ८ जूलाई की सुबह आठ बजे तक वारासिवनी में जिले में सबसे अधिक वर्षा २४ घंटे में दर्ज की गयी। वारासिवनी में ३५३ मिलीमीटर वर्षा आने से सभी तरफबाढ़ नुमा हालात बन गयें। इस वर्ष आज तक जिले में सबसे अधिक वर्षा ७५४ मिलीमीटर वारासिवनी में दर्ज हो गयी है। मंगलवार के प्रात: समय से ही पूर्व केबिनैट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्रामीण क्षेत्रो के सरपंचो में सेलवटपार सरपंच प्रतिनिधि राही पांडे,सतोना में भीवराम मात्रे,घोटी में नरेन्द्र ठकरेले, चीजगांव में दुर्गाप्रसाद से चर्चा कर भीमगढ़ बांध के दो गेट खुलने से जल स्तर में बढोतरी को देखते हुये अपील की है की नदी व घाटो के किनारो से सुरक्षित दूरी बनाये रखें। साथ ही सावधानी बरत कर किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल संपर्क करें। वहीं प्रदीप जायसवाल ने खंडवा ग्राम का भी निरिक्षण किया। जहां पर ग्रामीणों ने निर्मित पुल पर बताया की वह पुर बाढ़ व पुल को देखने आये है। बरसात में यह खंडवा का पूल एक वरदान की तरह साबित भी हो रहा है। इसी तरह कंटगी मार्ग व लालबर्रा मार्ग पर टोंड़िया नाले का निरिक्षण कर सावधानी बरतने के निर्देश संबधितो को प्रदान किये गये है।

वन्यजीव संकट- टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी!

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है। आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है। वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी 'राष्ट्रीय गौरव' कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं। 'चिपको आंदोलन' की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की ज़रूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा।

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज़्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाज़े पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17त्न आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का ख़तरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती आबादी से बढ़ता कचरा और प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रह की भविष्य की स्थिरता को खतरा है।जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। अतीत में, सीमित स्वास्थ्य सेवा, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन्म और मृत्यु दर अधिक संतुलित थी। हालाँकि, जैसे-जैसे शिक्षा फैली, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता आई और उन्होंने बुनियादी बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने का तरीका है। जनसंख्या वृद्धि में योगदान देने वाला एक अन्य कारक अशिक्षा है। जब लोग कम शिक्षित होते हैं, तो वे पुरानी मान्यताओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और जीवन के बारे में गलतफहमियाँ पैदा होती हैं। शिक्षित लोग जन्म नियंत्रण विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं।परिवार नियोजन, कल्याण कार्यक्रम और नीतियों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि सीमित बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है और किसी भी देश की प्रगति को नकार रही है।अंधविश्वासी लोग मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से आते हैं, वे सोचते हैं कि बेटा पैदा करने से उन्हें समृद्धि मिलेगी और इसलिए माता-पिता पर तब तक बच्चे पैदा करने का काफी दबाव होता है जब तक कि बेटा पैदा न हो जाए। इससे भारत, बांग्लादेश जैसे अविकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि होती है।गरीबी इसका एक और मुख्य कारण है। गरीब लोगों का मानना है कि परिवार में जितने ज़्यादा लोग होंगे, रोटी कमाने वालों की संख्या उतनी ही ज़्यादा होगी। इसलिए यह जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।पड़ोसी देशों से लोगों के लगातार अवैध प्रवास से देशों में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती है।धार्मिक भावना जनसंख्या विस्फोट का एक और कारण है। कुछ रूढ़िवादी समुदायों का मानना है कि निषेध का कोई भी आदेश या वैधानिक तरीका अपवित्र है।जनसंख्या वृद्धि का लोगों के जीवन स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर में अधिक जनसंख्या के कारण मीठे पानी की आपूर्ति की अधिक मांग हो सकती है और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि पृथ्वी पर केवल 3त्न मीठा पानी है।जनसंख्या की घातीय वृद्धि के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं। इन संसाधनों की भरपाई इतनी आसानी से नहीं की जा सकती। अगर जनसंख्या वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई गई तो अगले कुछ सालों में एक दिन ऐसा आएगा जब ये प्राकृतिक संसाधन पूरी तरह से खत्म हो जाएँगे।जनसंख्या वृद्धि के कारण जलवायु परिस्थितियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। मानवीय गतिविधियाँ वैश्विक तापमान में परिवर्तन के लिए जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार हैं।संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उद्देश्य गरीबी को कम करना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। जबकि जनसंख्या वृद्धि प्रगति को गति दे सकती है, यह संसाधनों और पर्यावरण पर भी दबाव डालती है। विकास को संधारणीय रूप से प्रबंधित करने और सभी के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वित, बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।पृथ्वी की वर्तमान जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं, और यह बढ़ रही है। 2025 तक इसकी संख्या 8 बिलियन, 2040 तक 9 बिलियन और 2100 तक 11 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। जनसंख्या तेज़ी से बढ़ रही है, जो मौजूदा आदतों को देखते हुए इसे बनाए रखने की हमारी ग्रह की क्षमता से कहीं अधिक है।अधिक जनसंख्या कई तरह के हानिकारक पर्यावरणीय और आर्थिक परिणामों से जुड़ी हुई है, जिसमें अत्यधिक खेती, वनों की कटाई और जल प्रदूषण शामिल है, जैसा कि हम जानते हैं। जनसंख्या वृद्धि को संबोधित करने के लिए प्रभावी नीतियों और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। मुख्य कदमों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों को लागू करना, लड़कियों और महिलाओं को प्रजनन दर कम करने के लिए शिक्षित करना और संधारणीय जीवन सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना शामिल है। सरकारों को छोटे परिवारों को प्रोत्साहित करना चाहिए और पर्यावरण के अनुकूल शहरी नियोजन, किफायती आवास और स्वच्छ जल तक पहुँच जैसे संधारणीय बुनियादी ढाँचे में निवेश करना चाहिए। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक अपर्याप्त पहुंच जैसे मुद्दों को बढ़ाती है। बड़ी आबादी वाले देश अक्सर बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिससे असमानता और सामाजिक अशांति होती है।इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, स्थायी जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा, परिवार नियोजन और परिवार के आकार को सीमित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने से विकास दर को रोकने में मदद मिल सकती है।

-संजय गोस्वामी

आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस!यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे ।

साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों पर निर्भर सटीक निर्णय लेने की करें तो, आधा-अधूरा ज्ञान सदा ही विध्वंस कारक होता है। जो भी देखें या सुने उसे निकष पर कसें। इससे भी ब ?कर यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि हमारी सोच कहाँ तक सही है। किसी भी घटना के सारे पहलुओं को जाने बिना कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चटकारे लेकर, मिर्च-मसाला लगाकर दूसरों को अपमानित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। ऐसे अफवाहें फैलाने वालों की जब पोल खुल जाती है तो वे कहीं के भी नहीं रह जाते। लोग उन पर विश्वास करना छोड़ देते हैं और उनकी बातों को सीरियसली न लेकर मजाक में उड़ा देते हैं। इसलिए मनुष्य को ऐसी स्थितयों से बचना चाहिए। उसे एक जिम्मेदार मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए।

साथियों बात अगर हम परिस्थितियों व निर्णय पर बीरबल और अकबर के सीख वाले किस्से की करें तो उपरोक्त कहावतों को सटीकता से समझने के लिए, मेरे पिताजी द्वारा बताया गया किस्सा जरूर सुनना चाहिए, राजा अक़बर जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौकर नें रूम में मखमली बेड को देखा तो दिल बेड पर एक बार सोने के लिए ललचाया और वह चादर ओढ़ कर सो गया उसे नींद आ गई!!उधर रानी साहिबा भी अपनी धुन में ही आई और बेड पर राजा आराम फरमा रहे हैं समझकर उन पर हाथ रख कर सो गई। जब देर रात्रि राजा अपने रूम में आया तो किसी और के साथ रानी को सोते देख गुस्से से लाल हुआ और बंदूक निकाल कर दोनों को गोली से उड़ाने ही वाले थे कि उन्हें बीरबल की बात याद आई कि कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए!! इसलिए राजा रुक गया और इंतजार किया!! जब रानी और नौकर की नींद टूटी तो दोनों बहुत भौचक्के रह गए और रानी ने नौकर पर चिल्लाया तब नौकर ने माफी मांगी और बेड पर सोने का अपना किस्सा सुनाया कि वह मखमली बेड देखकर वह सोया और रानी ने भी राजा समझ कर बेड पर सोई यह सच्चाई सुनकर राजा ने कहा बड़े बुजुर्गों की कहावतों के निर्णय नें आज रानी और नौकर की जान बचाई यह समझ में आया और दूसरे दिन बीरबल को बुलाकर पुरस्कृत किया।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें, कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए,अनियोजित निर्णय लेते समय बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर गौर करने से विपत्तियों से बचने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुविधा होती है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार

पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जु? मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने प ?ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बड़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

ललित गर्ग

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय बाजार में खाद्य तेलों में सुस्त उठाव के कारण नरमी देखने को मिली, वहीं तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, किराना जिंसों में खोपरा गोला में अच्छी लेवाली के चलते तेजी दर्ज की गई। दलहनों की बात करें तो चने में भी सुर्खी बनी रही। भाव इस प्रकार रहे –

किराना- शक्कर 4100-4200, खोपरा गोला 360-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1420, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2205, सोया साल्वेंट 1105-1110, सोया रिफाइंड 1165-1165, कपास्या 1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375-1380, मुम्बई पाम 1170, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6600, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4300-4350, टोली (महुआ बीज) 4350-4500, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशी?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7150-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7250-7350, नायलोन 7350-7450, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में कारोबार की मात्रा भले ही कम रही, लेकिन सोने और चांदी दोनों के ही भावों में तेजी दर्ज की गई। भाव इस प्रकार रहे –

चाँदी (9999) 107000, चाँदी (99) 106900, टंच 106200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97100,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार से स्थानीय मुद्रा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। फिर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.94 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.29 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी नई नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, जो आपको खुशी देगी। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। धर्म-कर्म के कार्यों में भी आपकी काफी रुचि रहेगी। पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा, लेकिन वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें। आपको अपनी जिम्मेदारियों में ढील देने से बचना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने अधिकारियों से काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। परिवार में बड़े सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिलेगी। आपकी किसी गलती से पर्दा उठ सकता है, जिससे जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकती हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में किसी काम करने के लिए रहेगा। परिवार में यदि किसी सदस्य से अनबन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। शीघ्रता और भावुकता में आपको कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। अकस्मात धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मिलाप करने आ सकता है।

कर्क- आज के दिन आपको सेहत पर भी ध्यान देना होगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने घर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं। आपके कभी किसी बात को लेकर यदि टेंशन चल रही थी, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से सलाह लेंगे। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता देख रहा है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है आपको अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखनी होगी। आपके मित्र आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा। आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के सपोर्ट से किसी नए काम में आगे बढ़ेंगे। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए रुपए-पैसे से संबंधित मामलों में ध्यान देने के लिए रहेगा। यदि आप किसी धन संबंधित समस्या को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो वह भी दूर होगी। आप कला-कौशल में सुधार लेकर आएंगे। आप अपने व्यवसाय में कुछ तकनीकी उपकरणों को शामिल कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। सिंगल लोगों की उनके प्यार से मुलाकात होगी। आध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए शुभ साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप विभिन्न क्षेत्रों में आगे रहेंगे। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिससे आप किसी काम को आसानी से कर पाएंगे। जीवनसाथी से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तब वह भी दूर होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। मांगलिक उत्सव की तैयारी शुरू होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके मित्र आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों की एक अच्छी पकड़ बनेगी, उनके प्रमोशन को लेकर भी आगे बातचीत हो सकती है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आपको जीत मिलेगी। आप कोई निर्णय किसी के कहने में आपका ना लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। बिजनेस में आप कोई भी मौका हाथ से जाने ना दें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान देंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करना पड़ेंगे। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। वाणी आपको मान सम्मान दिलवाएगी। रचनात्मक कार्यों को काफी बल मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको अच्छा फायदा मिल सकता है। आपकी पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपको अपने खर्चो पर पूरा ध्यान देना होगा। तभी आप भविष्य को लेकर धन संचय कर पाएंगे। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले और आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें। आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं। किसी अजनबी पर भरोसा करना आपको नुकसान देगा। आप अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है, वह पढ़ाई में पूरी मेहनत से जुटेंगे। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक काम मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। घर का कोई काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

शब्दजाल - 7954

शब्दजाल में दस 'वृक्षों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	हु	मे	रि	द	इ	शी	श	म	र्ट	जी
का	म	क	ची	ड़	जी	ने	शि	दे	इ	अ
व	पी	जा	ह	र	ग	बा	द	व	प	शो
ला	ग	ए	ई	जा	भ	ब	ल	दा	लि	क
सा	ग	वा	न	जी	ह	ला	कि	र	प	म
पी	इ	वि	मो	ग	ब	र	ग	द	जी	स
न	प	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	त
क	रि	ल	र	य	र	प	नी	म	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	गु	ल	मो	ह	र
बां	स	सा	ए	न	स	मे	व	क	ल	

बरगद, पीपल, नीम, अशोक, गुलमोहर, आम, शीशम, देवदार, चीड़, सागवान

शब्दजाल - 7953 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 6898

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और कांटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6897

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8422

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -8421 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

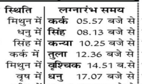

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.57 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.13 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.25 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.51 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.07 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.58 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.31 बजे से
राहुकाल		मेष	00.02 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	01.42 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.40 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 190 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मूल 04.50 बजे प्रात: को समाप्त।
योग ब्रह्म 22.09 बजे को समाप्त।
करण गर 13.12 बजे तदनन्तर वणिज 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 21'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872400
जूलियन दिन 2460865.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 13

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः प्रार्थना का अर्थ

यहूदी गुरु रब्बी बार्डिक्टेव हर व्यक्ति की समस्या का समाधान करते और उन्हें सुख-शांति के उपाय बताया करते थे। एक बार उनके पास एक व्यक्ति आया और हाथ जोड़कर बोला, 'महाराज, मैं एक गरीब गाड़ीवान हूं। गाड़ी चलाकर अपना व परिवार का भरण-पोषण करता हूं। मेरा सारा दिन काम करने में ही बीत जाता है और प्रभु का स्मरण करने का जरा भी वक्त नहीं मिलता। कुछ दिनों से यही सोच-सोचकर मैं परेशान हूं। ऐसे में मेरा कल्याण कैसे हो पाएगा? कृपया आप मुझे कोई रास्ता बताएं।' उस गरीब गाड़ीवान की बात सुनकर बार्डिक्टेव बोले, 'क्या तुम अपनी गाड़ी से ऐसे लोगों को भी गंतव्य तक पहुंचाते हो जो अक्षम व विकलांग हैं और जो तुम्हारा किराया देने में असमर्थ हैं?' गाड़ीवान ने कहा, 'हां, मैं विकलांगों व गरीब लोगों से किराया नहीं लेता और उन्हें सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाता हूं। इसके अतिरिक्त मैं अपनी कमाई के कुछ हिस्से से बेजुबान पशु-पक्षियों को भी खिलाता हूं।' गाड़ीवान की बातें ध्यान से सुनकर गुरु बार्डिक्टेव बोले, 'भइया, तुम्हारे मन में विकलांगों, असहायों, गरीबों व बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दया भावना है और यह भावना किसी प्रार्थना से कम नहीं है। प्रार्थना का उद्देश्य भी अपने जीवन को सार्थक करना है और यह सार्थकता दूसरे रास्तों से भी पाई जा सकती है। ऐसे लोग जो झूठ बोलते हैं, बेईमानी करते हैं, दुराचारी हैं, वे चाहे दिन भर प्रभु का स्मरण करते रहें किंतु प्रभु ऐसे दुराचारी लोगों की प्रार्थना कभी स्वीकार नहीं करते। वे ऐसे लोगों की प्रार्थना स्वीकार करते हैं जो मन, वचन व कर्म से नेक होते हैं और मानवीय गुणों की रक्षा करते हैं। तुम भी प्रभु के ऐसे ही बंदों में से एक हो। इसलिए तुम चिंतामुक्त होकर ऐसे ही अपने कार्य में लगे रहो जैसे अभी लगे हुए हो। तुम्हारा कल्याण स्वतः हो जाएगा।' गुरु बार्डिक्टेव की बातें सुनकर गाड़ीवान संतुष्ट हुआ और अपने काम पर निकल गया।

सूडोकू नवताल- 7207

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल - 7206 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 270.01 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,712.51 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी इंडेक्स भी 61.20 अंकों की तेजी के साथ ही 25,522.50 अंकों पर बंद हुआ। गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शेष सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से 27 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष सभी 23 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.40 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 6.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स 1.69 फीसदी, एनटीपीसी 1.64 फीसदी, बीईएल 1.20 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.94 फीसदी, एसबीआई 0.72 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.72 फीसदी, इंफोसिस 0.69 फीसदी, एलएंडटी 0.68 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.64 फीसदी, पावरग्रिड 0.63 फीसदी, अल्ट्राटेक

सीमेंट 0.55 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.54फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.42 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.31 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयर में 1.12 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.85 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.81 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.72 फीसदी, सनफार्मा 0.41 फीसदी, टाटा स्टील 0.28 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.16 फीसदी, टीसीएस 0.16 फीसदी, भारती एयरटेल 0.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.11 फीसदी। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में बढत के बीच ही घरेलू बाजार गिरावट के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुला। अमेरिकी व्यापार नीतियों पर अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 83,387.03 पर खुला जो 10.05 अंक की गिरावट लेकर 83,432.45 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में लगभग सपाट लेवल 25,427.85 पर खुला। एशियाई बाजार मिलीजुली शुरुआत के बाद बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

मोबाइल प्लान होंगे महंगे, मीडियम और प्रीमियम यूजर्स होंगे प्रभावित

नई दिल्ली। मोबाइल यूजर्स के लिए साल के अंत तक टैरिफ का झटका आ सकता है। टेलीकॉम कंपनियां कॉल और डेटा प्लान में 10-12 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से मीडियम और हाई-वैल्यू ग्राहकों पर केंद्रित होगी, जबकि लो-वैल्यू यूजर्स पहले ही कीमतों की मार झेल चुके हैं। मई 2025 में देश में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जो पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। यह लगातार पांचवां महीना है जब यूजर बेस में इज़ाफा हुआ है। इससे कंपनियों को टैरिफ बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला है। जुलाई 2024 में कंपनियों ने बेस प्लान में 11 से 23 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी, जिसके चलते 2.1 करोड़ यूजर्स ने सेवाएं छोड़ दी थीं। हालांकि, अब एक बार फिर यूजर ग्रोथ तेज हो गई है, जिससे कंपनियां दोबारा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। रिलायंस जियो ने मई में सबसे ज्यादा 55 लाख नए एक्टिव यूजर्स जोड़े और उसका बाजार शेयर 53 फीसदी तक पहुंच गया। वहीं एयरटेल ने 13 लाख नए यूजर्स जोड़कर 36 फीसदी हिस्सा हासिल किया। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कंपनियां केवल प्लान की कीमत नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि डेटा लिमिट घटाकर अप्रत्यक्ष रूप से भी टैरिफ महंगे कर सकती हैं। इससे यूजर्स को अतिरिक्त डेटा पैक खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सीडीएससीओ ने जारी की 17 खतरनाक दवाओं की सूची

नई दिल्ली। कई बार इमरजेंसी में खरीदी गई दवाएं बिना इस्तेमाल के घर में पड़ी रहती हैं और समय के साथ एक्सपायर हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन कुछ दवाएं इतनी खतरनाक होती हैं कि उनका गलत हाथों में जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 17 संवेदनशील दवाओं की सूची जारी की है, जिन्हें अगर घर में पड़ी हों और उपयोग में नहीं आ रही हों, तो तुरंत टॉयलेट में फ्लश कर देना चाहिए। इन दवाओं में फेंटेनिल, ट्रामाडोल, मॉर्फिन सल्फेट, बुप्रेनॉर्फिन, मिथाइलफेनिडेट, टापेन्टाडोल, ऑक्सीकोडोन और डायजेपाम जैसे शक्तिशाली पेनकिलर और एंटी-एंग्जायटी ड्रग्स शामिल हैं। ये सभी नशे की लत पैदा कर सकती हैं और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर जानलेवा हो सकती हैं। सीडीएससीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन 17 दवाओं को छोड़कर अन्य सामान्य दवाओं को टॉयलेट में फ्लश करना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके लिए ड्रग टेक-बैक जैसी वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल पहल अपनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें राज्य औषधि विभाग और स्थानीय केमिस्ट शामिल हो सकते हैं। एआईआईएमएस की एक स्टडी के अनुसार, दवाओं को डस्टबिन में फेंकने से वे जल स्रोतों में पहुंचकर मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया को जन्म देती हैं, जो न इंसानों के लिए खतरा हैं, न ही जलीय जीवन के लिए सुरक्षित।

लांजी में गली मोहल्ले व घरों से नहीं उठ रहा कचरा

नगर परिषद की लापरवाही से फैली गंदगी, बीमारी का खतरा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी की लापरवाही के चलते शहर में कचरे का अंबार लग गया है। गलियों, मोहल्ले और घरों से कचरा नहीं उठाया जा रहा, जिसके कारण जगह-जगह गंदगी फैल रही है। बारिश के मौसम में कचरे से उठ रही बदबू ने न केवल स्थानीय निवासियों का जीना मुहाल कर दिया है, बल्कि बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। नगरवासियों ने नगर परिषद से तत्काल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था शुरू करने की मांग की है।

कचरा प्रबंधन की बदहाल स्थिति

लांजी नगर में कचरा प्रबंधन की समस्या कोई नई नहीं है। पहले नगर परिषद के पास कचरा डंप करने के लिए कोई नियत स्थान नहीं था, जिसके कारण कचरा कभी स्कूल मैदान में, कभी कालीमाटी नाले के किनारे, तो कभी गैस गोदाम के पास हेलीपैड मैदान में डाला जाता था। इस अव्यवस्था से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा, बल्कि स्थानीय लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ समय पहले नगर परिषद ने बगदेही में कचरा डंप करने के लिए एक नियत स्थान का चयन किया और वहां सप्ताह भर तक कचरा डंप भी किया गया। लेकिन अब नगर परिषद का कहना है कि वहां तक वाहन नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण घरों और मोहल्लों से कचरा उठाने का कार्य पूरी तरह ठप हो गया है।

नगरवासियों का आक्रोश

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद की यह लापरवाही अस्वीकार्य है। उनका तर्क है कि यदि नगर परिषद चाहे तो एक दिन में वाहन के लिए उपयुक्त मार्ग तैयार किया जा सकता है। बारिश के कारण सड़कों की स्थिति खराब होने की बात को नगरवासी एक बहाना मान रहे हैं। मोहल्लों में कचरे के ढेर लगने से मक्खी-मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

नगर परिषद की जिम्मेदारी

नगरवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को दुरुस्त करे। उनका कहना है कि बगदेही में डंपिंग स्थल तक वाहन पहुंचाने के लिए मार्ग निर्माण में कोई बड़ी बाधा नहीं है। नगर परिषद के पास संसाधन और अधिकार हैं कि वह एक दिन में रास्ता तैयार कर कचरा उठाने की प्रक्रिया को फिर से शुरू करे। यह शर्मनाक है कि नगर परिषद इतनी छोटी सी समस्या का समाधान नहीं कर पा रही। कचरा प्रबंधन एक बुनियादी सुविधा है, और इसे सुनिश्चित करना नगर परिषद की प्राथमिक जिम्मेदारी है। नगरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कचरा उठाने की व्यवस्था शुरू नहीं की गई, तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उनकी मांग है कि नगर परिषद न केवल कचरा उठाने का कार्य पुनः शुरू करे, बल्कि दीर्घकालिक समाधान के लिए एक ठोस कचरा प्रबंधन नीति भी बनाए। इसमें कचरे के पृथक्करण, रीसाइक्लिंग और सुरक्षित निपटान की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। लांजी के निवासियों की यह मांग न केवल उनकी सेहत और स्वच्छता से जुड़ी है, बल्कि यह शहर की सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जरूरी है। अब देखना यह है कि नगर परिषद इस संकट का समाधान करने के लिए कितनी गंभीरता दिखाती है।

एसडीएम ने समिति प्रबंधको व खाद्य प्रभारियों के साथ बैठक कर की उर्वरक उपलब्धता की समीक्षा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी कमलचंद सिंहसार के द्वारा 8 जुलाई को समस्त सेवा सहकारी समितियॉ मर्यादित संस्था प्रबंधक एवं खाद्य प्रभारियों की बैठक अनुविभागीय कार्यालय कृषि सभा गृह में ली गई। बैठक में एसडीएम श्री सिंहसार के द्वारा सभी समिति को प्रतिदिन उर्वरक भण्डारण एवं वितरण की जानकारी उपलब्ध कराना हेतु निर्देशित किया गया। लांजी के अंतर्गत आने वाली समितियो लांजी, घोटी, पालडोंगरी, मनेरी, कलपाथरी, बिरनपुर, बहगावं में सभी प्रकार के उर्वरको की उपलब्धता की समीक्षा की गई। जिस समिति में उर्वरक की कमी थी, उन्हें आर ओ कारने हेतु निर्देशित किया गया। मिरिया में उर्वरक की कमी होने पर शीघ्र डबल लाक को उर्वरक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया। म.प्र. राज्य विपणन संघ मर्यादित लांजी में उपलब्ध उर्वरक डीएपी 6.33एमटी प्रनपी के सी (20-20-13) 100 एमटी पर चर्चा की गई। क्षेत्र सहायक मायाराम बैगा द्वारा एनपी के एवं डीएपी आर ओ. काटने की जानकारी दी गई। सभी समितियो से उर्वरक उपलब्धता की जानकारी बारी-बारी से एसडीएम श्री सिंहसार के द्वारा ली गई। सभी समितियो द्वारा यूरिया - 650 एमटी, डीएपी 550 एमटी, (20-20-0.13) एनपीके - 470 एमटी कि मंग की गई। इसी प्रकार म.प्र. राज्य विपणन संघ के मयाराम बैगा द्वारा नगद वितान हेतु यूरिया - 75एमटी, डीएपी 60 एमटी, एनपीके(20-20-0.13) 50 एमटी मांग प्रस्तुत की गई। एसडीएम लांजी के द्वारा समितियों को पीओएस. मशीन से निरंतर उर्वरक वितरण करने, स्टाँक पंजी, पीओएस. मशीन एवं भौतिक रूप से उर्वरक समान मात्रा में पाया जाना चाहिए। इस बैठक में अनुविभागीय कृषि अधिकारी खुदीराम सनोडिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिगरी कुलदीप मनवीर म.प्र. राज्य विपणन एघ मर्या. के क्षेत्र सहायक मयाराम बैगा, सभी समितियो के संस्था प्रबंधक एवं खाद्य प्रआरी उपस्थित रहे।

सुभाष चौक में नल-जल योजना की पाइपलाइन बिछाने खोदी सड़क

निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी, दुर्घटना का खतरा बढ़ा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के सुभाष चौक में नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्ता के अभाव के कारण विवादों में घिर गया है। पुलिस थाने के सामने स्थित इस मुख्य मार्ग पर ठेकेदार द्वारा किए गए मरम्मत कार्य की पोल चार दिन के भीतर ही खुल गई, और सड़क उखड़कर नाली जैसे गड्ढों में तब्दील हो गई। लगातार बारिश ने स्थिति को और बदतर कर दिया है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने ठेकेदार और नगर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गुणवत्तापूर्ण मरम्मत और ठोस कार्रवाई की मांग की है।

नल-जल योजना के लिए सड़क की खुदाई, मरम्मत में लापरवाही

सुभाष चौक में नल जल योजना के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया। इसके लिए मुख्य सड़क को काटा गया, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद सड़क की मरम्मत में ठेकेदार ने घोर लापरवाही बरती। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सड़क को सीमेंट कांक्रीट से पक्का करने के बजाय केवल गिट्टी और मुरूम डालकर छोड़ दिया गया, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी फैल गई। बार-बार शिकायतों के बाद नगर प्रशासन ने ठेकेदार को सड़क को सीमेंट कांक्रीट से ठीक करने का निर्देश दिया, लेकिन इस कार्य में भी गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया।

चार दिनों में उखड़ी सड़क, बन गए गड्ढे

ठेकेदार द्वारा जल्दबाजी में किए गए मरम्मत कार्य की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि सड़क चार दिन के भीतर ही उखड़ने लगी। हाल के दिनों में हुई बारिश ने स्थिति को और गंभीर कर दिया, और सड़क पर नाली जैसे बड़े गड्ढे बन गए। यह मार्ग नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक है, जहां से नगर परिषद के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, और आम नागरिकों का रोजाना आना-जाना होता है। इसके बावजूद, इस समस्या की ओर किसी का ध्यान न जाना स्थानीय लोगों के लिए आश्चर्य और निराशा का विषय बना हुआ है।

दुर्घटना का खतरा, वाहन चालकों की परेशानी

सुभाष चौक का यह मार्ग न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि आसपास के गांवों से आने वाले वाहन चालकों के लिए भी महत्वपूर्ण है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों को चलाना जोखिम भरा हो गया है। खासकर बारिश के दौरान गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिससे वे दिखाई नहीं देते और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। हाल ही में कई छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिसने क्षेत्रवासियों की चिंता को और गहरा कर दिया है।

नगर प्रशासन की चुप्पी, क्षेत्रवासियों की मांग

नगर प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई ठोस कदम न उठाए जाने से लोगों में रोष बढ़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और सड़क की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत तत्काल की जाए।

नगर परिषद ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले 8 दुकानदारों के विरुद्ध की कार्रवाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के समस्त दुकानदारो को नगर परिषद के द्वारा पहले ही सूचना दे दी गई है कि अपने दुकानों में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करे। पूर्व में भी चालानी कार्यवाही कर समझाईश दी गई है उसके बाद भी नगर की दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग धडल्ले से किया जा रहा है जिसको लेकर 8 जुलाई को नगर परिषद लांजी के कर्मचारियों के द्वारा सीएमओ के निर्देशन में कार्यवाही कर चालान वसुला गया है। नगर परिषद लांजी से प्राप्त जानकारी केअनुसार नगर परिषद लांजी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के निर्देशनुसार स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत प्राप्त निर्देशों के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग एवम् विक्रय पर प्रतिबंध होने पर भी नगर के व्यापारियों के द्वारा लगातार प्लास्टिक पन्नी का उपयोग किया जा रहा है जिसको दृष्टिगत रखते हुए नगर परिषद लांजी के कर्मचारियो के द्वारा नगर की दुकानों पर कार्यवाही की जा रही है, 8 जुलाई को 8 दुकानों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 800 रुपए अर्थ दण्ड राशि वसूला गया है। साथ ही व्यापारियों को समझाईस देते हुए आगामी समय पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करे, और ना ही किसी को करने दे, कपड़े के थैलो का उपयोग करने लोगो को प्रोत्साहित करे, जिससे प्लास्टिक पन्नी का उपयोग ना हो। उक्त कार्यवाही नगर परिषद द्वारा सतत् रूप से जारी रखते हुए चालानी कार्यवही की जायेगी। जिसके लिये व्यापारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। उक्त कार्य मे नगर परिषद लांजी के स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा, स्वच्छता सहायक उत्तम रामटेक्कर, संजय भंडारकर, बिहारी महोबियां, मचलेश चोरवाडे, समीम खान, शैलू पांडे, पूजा श्रीवास्तव, सुरेखा चोरवाडे द्वारा कार्यवाहीं की गई।

कश्मिरी नाला की बाढ़ में बहे 02 व्यक्तियों की तलाश जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में इन दिनों हो रही भारी बारिश के कारण नदी नालों में बाढ़ चल रही है। 07 जुलाई की शाम को बैहर तहसील के ग्राम अल्ना के 15 वर्षीय गीतेंद्र पिता दंगलसिंह धुर्वे एवं 30 वर्षीय दीपक पिता बैसाखु टेकाम के कश्मिरी नाला में आयी बाढ़ में बह जाने की आशंका है। इन दोनों की तलाश में होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवान लगे हुए है। 08 जुलाई को आपदा प्रबंधन दल, होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवानों द्वारा कश्मिरी नाला में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। लेकिन इनका अब तक पता नही चला है।

कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में बाढ़ से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर प्रबंधन किये गए है। नदी नालों के पुल पुलियों पर पानी आने की स्थिति में आवागमन रोकने के लिए बैरिकेट्स लगाए गए है और पुलिस जवानों के साथ में स्थानीय कर्मचारियों को भी सुरक्षा के लिए लगाया गया है। 07 जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने से बैहर में 01 बालिका तथा परसवाड़ा तहसील के ग्राम टिकरियॉ में दो गायों की मृत्यु हो गई है। अतिवृष्टि से ग्राम हथोड़ा, टेकाड़ी, बिरसोला, देवरी बुजुर्ग, महाराजपुर, सुदर, छिंदीटोला, उकवा में कुछ लोगों के मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है। प्राकृतिक आपदा से हुई जनधन की हानि के इन प्रकरणों में राहत राशि वितरण के लिए आरबीसी 06-04 के तहत प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिये गए है।

बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 08 जुलाई को बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी उपस्थित थे। बैठक में वारासिवनी, बैहर, लांजी, किरनापुर, परसवाड़ा एवं कटंगी एसडीएम, सभी तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों से जिले में हुई अतिवृष्टि से जलमग्न एवं जलभराव वाले क्षेत्र की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जल भराव जैसी स्थिति से निपटने के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। आमजनों को बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में सड़क, पुल पुलिया पार करने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए और कहा कि नदी तालाबों में नहाने पर सख्ती से रोक लगाए। लोगो को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि जहां पर भी बारिश से मकान टूट गए हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं उनके एवं जनधन हानि के मामलों में पटवारी के माध्यम से त्वरित सर्वे कराकर राहत राशि के प्रकरण तैयार कर मुआवजा राशि दिलाने की कार्यवाही करे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मिल मजदूरों को भी दिलाया जाएगा उनका हक - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए स्व-रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं। सरकार लाड़ली बहना की राशि बढ़ा रही है। टेक्सटाइल पार्क में काम करने वाली लाड़ली बहनों को 5000 रुपए अलग से दिलाएंगे। लाड़ली बहना योजना की राशि क्रमबद्ध रूप से बढ़ाकर 3000 रुपए की जाएगी। एमपीपीएससी की तीन साल की परीक्षा एक साथ कराने का आदेश दिया गया है। युवाओं का कोई अहित नहीं होने देंगे। एक लाख शासकीय पदों पर भर्तियां हो रही हैं। प्रदेश सरकार ने नौ साल से अटकी पदोन्नति का रास्ता साफ किया है। इससे 2 लाख नए पदों के लिए भर्ती की संभावना बनेगी। आजादी के बाद लम्बे समय तक गेहूँ का मूल्य 600 रुपए था, अब सरकार किसानों से 2600 रुपए प्रति

क्विंटल गेहूं खरीद रही है। नदी जोड़ो परियोजनाओं के फलस्वरूप प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने इंदौर में हुकुमचंद मिल के मजदूरों को 300 करोड़ रुपए दिलवाये, जिससे 30 साल पुराना विवाद खत्म हुआ। रतलाम की सज्जन मिल और ग्वालियर की मिल के लिए भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडिया टुडे मीडिया समूह द्वारा भोपाल के एक निजी होटल में आयोजित एम.पी. तक बैठक संवाद कार्यक्रम में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सिंहस्थ-2028 के लिए तैयारियां जारी हैं। इस आयोजन में सारे रिकॉर्ड टूटेंगे। क्षिप्रा नदी को 12 मासी जीवंत रखने के लिए कान्ह नदी परियोजना पर कार्य जारी है। गंभीर नदी को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। क्षिप्रा के जल से श्रद्धालुओं और किसानों को लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार मेट्रोपॉलिटन विकास को गति प्रदान करने के लिए एक साल के अंदर बिल लेकर आऐगी। मध्यप्रदेश पर्यटन निगम लाभ में रहने वाला देश का एकमात्र टूरिज्म बोर्ड है। इसमें हमारे द्वारा बनाए गए कॉस्ट इफेक्टिव विज्ञापनों की अहम भूमिका रही है। राज्य सरकार ने पर्यटन को वाइल्ड लाइफ से जोड़ा है। मध्यप्रदेश टाइगर, चीता, घड़ियाल और गिद्ध की संख्या में नंबर-एक पर है। उन्होंने कहा कि इंदौर का पोहा व्यंजनों का एम्बेसडर बन सकता है। भाप पर बने पोहे में तेल कम इस्तेमाल होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सभी से अपने खाने में तेल की 10 प्रतिशत खपत कम करने का आहवान किया हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंबेडकर जी ने जातियों के विवाद खत्म करके देश को एकजुट करने का कार्य किया। हमारी सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के 5 स्मारक बनवाए। अब जाति जनगणना शुरू होगी, तो कई प्रकार के भ्रम दूर हो जाएंगे। जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर आरक्षण तय करेंगे। राज्य सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में जनकल्याण और विकास की गतिविधियों के क्रियान्वयन में प्रदेशवासियों का हरसंभव सहयोग और समर्थन निरंतर प्राप्त हो रहा है।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

- विद्यार्थी कर सकेंगे 30 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन

भोपाल। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोडने के लिये मंच क्विज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन ह्ल्ह्यद्मद्धश्च पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे। इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी। ओलंपियाड के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा केन्द्र और शालाओं को प्रेषित किए है। कक्षा 2 और 3 में प्रत्येक जन शिक्षा केन्द्र से कुल 28 विद्यार्थी जिला स्तर की प्रतियोगिता के लिये चयनित होंगे। कक्षा 6 से 8 में जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर सर्वाधिक अंको के आधार पर 36 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये होगा। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने ओलंपियाड प्रतियोगिता के आयोजन के लिये जिला कलेक्टर्स और राज्य शिक्षा केन्द्र अधिकारियों को भी निर्देश जारी किये है।

ट्रांसफर के बाद भी आमद न देने वालो के पुलिसकर्मियो के खिलाफ सख्त एक्शन, 8 निलंबित

भोपाल। राजधानी में कई सालो से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मियों को हटाने लिए पिछले दिनों स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। यह फेरबदल डीजीपी के निर्देश के बाद किया गया था। लेकिन आदेश के बाद कई थानों से ऐसी खबरें आ रही थीं, कि यहॉ अंगद की तरह पैर जमाकर पैठे पुलिसकर्मी नई पदस्थापना पर जाने को तैयार नहीं हैं। और वह दूसरे थाने में जाने से बचते हुए वहीं जमें रहने की जुगाड़ लगा रहे हैं। शिकायतों की जांच के लिए डीसीपी मुख्यालय श्रद्धा तिवारी ने तबादला आदेश पर अमल की जानकारी मंगा ली। इस जानकारी में पता चला कि कई पुलिसकर्मी आदेश मिल जाने के बाद भी पुराने थाने में ही जमें बैठे हैं उन्होंने नई पोस्टिंग पर आमद ही नहीं दी है। यह जानकारी आते ही डीसीपी ने सख्त कार्रवाई करते हुए 8 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। सस्पेंड होने वालों में एक सब इंस्पेक्टर, एएसआई, दो कांस्टेबल, चार हेड कांस्टेबल शामिल हैं। जिनके नाम उपनिरीक्षक साबिर खान, एएसआई रामवतार, प्रधान आरक्षक नरेश कुमार शर्मा, मनोहर लाल, चंद्रमौल मिश्रा, वीरेन्द्र यादव तथा आरक्षक कपिल चंद्रवंशी तथा प्रशांत शर्मा सामने आये हैं। वहीं पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने कहा की बड़े पैमाने पर स्थानांतरण आदेश जारी हुए थे। जिनको 24 जून तक आमद देने को कहा गया था, कई बार रिमाइंडर करने के बाद भी इन पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों ने ज्वाइन नहीं किया जिसके चलते अनुशासनहीनता की कार्रवाई करते हुए इनको सस्पेंड किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने आगे कहा कि कोई भी पुलिस अधिकारी कर्मचारी अब उसे थाने में अटैच नहीं होगा जहां वे लंबे समय से कार्य कर चुका है। यदि ऐसी कोई शिकायत आती है, तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक कुछ पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई है, कि वे टालमटोल न करते हुए तुंरत नई जगह पर आमद दें। वहीं आने वाले दिनों में इसी तरह के पुलिसकर्मियो की दूसरी सूची भी जारी होने की चर्चा है।

धोखाधड़ी के मामले में आबकारी विभाग के पूर्व उपायुक्त विनोद रघुवंशी को चार साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में आबकारी विभाग के सेवानिवृत्त उपायुक्त विनोद रघुवंशी को फर्जी दस्तावेज के अधार पर कंपनी के हिस्सेदारों को लाभ पहुंचाने के मामले में अब चार साल की सजा के साथ ही 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। पहले इस मामले में 29 अगस्त 2023 को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दोनों आरोपी विनोद रघुवंशी और ओपी शर्मा को तीन-तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद आरोपियों ने सजा कम कराने के लिए सेशन कोर्ट में शासन और अजय अरोरा के खिलाफ अपील लगाई थी। फरियादी अजय की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट विजय चौधरी ने इस मामले में रिवीजन लगाई कि आरोपियों को हुई तीन साल की सजा कम है। ऐसे में अपराध को देखते हुए उनकी सजा बढ़ाई जाए। इसके बाद कोर्ट ने सभी तर्कों और दस्तावेजों के आधार पर आरोपी विनोद रघुवंशी की सजा को एक साल बढ़ाकर चार साल कर दिया है। वहीं, आरोपी ओपी शर्मा की सजा को एक साल कम कर दो साल कर दिया है। आरोपियों ने शराब कंपनी के हिस्सेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए एक हिस्सेदार का नाम नकली पार्टनरशिप डीड के जरिए हटा दिया था। घटना के समय आरोपी विनोद रघुवंशी जिला आबकारी अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। मामले में जानकारी के मुताबिक फरियादी अजय अरोरा ने आरोपियों के खिलाफ निजी शिकायत की थी। उन्होनें बताया की 5 मार्च 2002 उन्होनें अशोक ट्रेडर्स फर्म में हिस्सेदारी ली थी, और पार्टनरशिप डीड तैयार हुई थी। वह 18 प्रतिशत के हिस्सेदार थे। 6 मार्च 2022 को फर्म ने आबकारी के ठेके की नीलामी में हिस्सा लिया। आबकारी ने ठेके की नीलामी स्वीकार कर फर्म को ठेका आवंटित कर दिया। इससे फर्म को शराब के व्यवसाय का लाइसेंस मिल गया। आरोपी विनोद रघुवंशी और ओपी शर्मा ने धोखाधड़ी कर 6 मार्च 2003 की नकली पार्टनरशिप डीड तैयार कर अजय को हिस्सेदारी से बाहर कर दिया। आरोपियों ने फर्म के अन्य पार्टनर को लाभ पहुंचाने के लिए 6 मार्च से 11 मार्च 2003 के बीच भोपाल आबकारी कार्यालय के रिकॉर्ड में अजय का नाम हटाकर नकली पार्टनरशिप डीड लगा दी थी। पहले हुई तीन साल की सजा होने पर तुरंत जमानत मिल गई थी। लेकिन अब कोर्ट द्वारा सजा को बढ़ाकर चार साल का निर्णय दिये जाने और अपीलीय न्यायलय द्वारा अपील को खारिज किये जाने के बाद विनोद रघुंवशी का जेल जाना तय माना जा रहा है।

मानसून सत्र में फायर सेफ्टी विधेयक पेश करने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सख्त प्रावधान के साथ फायर सेफ्टी का सेटअप बदलने वाला है. क्योंकि विधानसभा के मानसून सत्र में फायर सेफ्टी विधेयक पेश करने की तैयारी की जा रही है. सतपुड़ा भवन में आग लगने के बाद ड्राफ्ट तैयार किया गया था. लेकिन अभी तक लागू नहीं हो पाया है। भवन मालिकों को फायर सुरक्षा के इंतजाम करने होंगे. नियमों के उल्लंघन न करने पर 10 हजार की जुर्माना और सजा का भी प्रावधान किया गया है. एक्ट के लागू होने से अग्नि सुरक्षा की स्थिति सुधरने की संभावना है।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने दिए हैं एक्ट बनाने के निर्देश

फायर सेफ्टी एक्ट के लिए ड्राफ्ट पहले भी बन चुका है, लेकिन लागू नहीं किया गया. राज्य अग्नि सुरक्षा नियमों के लिए राष्ट्रीय भवन संहिता, ननि अधिनियम 1956 तथा नपा अधिनियम 1961 पर ही निर्भर है. बता दें कि 28 जुलाई से मानसून सत्र शुरू होगा, जो 8 अगस्त 2025 तक चलेगा. सत्र में राज्य सरकार विधेयकों के साथ पहला अनुपूरक बजट भी पेश करेगी।

मप्र में ऑनलाइन हो रहे यूथ कांग्रेस चुनाव

भोपाल। मप्र में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव चल रहे हैं। 20 जून से शुरू हुई मेंबरशिप और वोटिंग प्रक्रिया 19 जुलाई को खत्म होगी। इस दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव से लेकर जिला अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे। राज्य में पहली बार यूथ कांग्रेस के चुनाव ऑनलाइन मोड पर हो रहे हैं। मोबाइल एप से मेंबर बनाकर वोटिंग कराई जा रही है। सदस्यता के लिए 50 रुपए फीस तय की गई है। सोमवार तक 7 लाख 54 हजार सदस्य बनाए जा चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 19 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सतना के दिव्यांग लोडिंग ऑटो ड्राइवर विनय पांडे भी शामिल हैं। अन्य प्रत्याशियों में यश घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह दादू, अभिषेक परमार, जावेद पटेल, नीरज पटेल, प्रमोद सिंह, विश्वजीत सिंह चौहान, राजवीर कुडिया, प्रियेश चौकड़े, अब्दुल करीम कुरैशी, आशीष चौबे, शिवराज यादव, राजीव सिंह के नाम हैं।

अमित वर्मा हत्याकांड में पुलिस की लापरवाही पर बैठी जांच, एसीपी और दो टीआई रडार पर

भोपाल। राजधानी भोपाल के अमित वर्मा हत्याकांड ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठा दिए कुख्यात बदमाश नसीम बन्ने खां और उसके साथियों द्वारा की गई इस हत्या के बाद पुलिस की निगरानी और सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर इस मामले में लापरवाही बरतने वाले दो एसीपी और दो थाना प्रभारियों की जांच शुरू हो गई है। जांच का जिम्मा जोन-3 के डीसीपी रियाज इकबाल को सौंपा गया है। जानकारी के अनुसार, नसीम बन्ने खां पर 34 आपराधिक मामले दर्ज होने के बावजूद उसकी निगरानी में लापरवाही बरती गई। बताया जा रहा है, कि हत्याकांड से पहले बदमाश नसीम बन्ने खां ने 28 जून की रात वीआईपी रोड पर तलवार लहराते हुए दहशत फैलाई थी। इसके बाद मदर इंडिया कॉलोनी, शाहजहांनाबाद में तलवार लहराकर अपनी प्रेमिका के घर हंगामा मचाया था। इन दोनों घटनाओं की शिकायत पुलिस को मिली थी, लेकिन त्वरित को कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते अमित वर्मा ने बाद में हत्या जैसी सनसनीखेज वारदात को अंजाम दे दिया। उसकी निगरानी नहीं हुई। जेल से छूटने के बाद बाउंडओवर तोड़ा और तलवार लेकर घूमता रहा। बता दें कि 28-29 जून की रात छोला मंदिर थाना क्षेत्र की लीलाधर कॉलोनी में नसीम बन्ने खां ने अपने साथियों के साथ मिलकर 22 वर्षीय अमित वर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। नसीम का असली निशाना राजा खटीक था, जिसके साथ उसकी पुरानी रंजिश थी, लेकिन गोली अमित को लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हत्याकांड के बाद पुलिस ने नसीम को बैतूल से गिरफ्तार किया और उसकी मां, प्रेमिका समेत चार अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया।पुलिस की लापरवाही तब और उजागर हुई, जब यह सामने आया कि हत्याकांड से पहले नसीम ने कई अपराध किए, जिनकी शिकायत पुलिस को मिली थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस मामले में डीसीपी रियाज इकबाल की अगुवाई में चल रही जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि निगरानी में कमी और त्वरित कार्रवाई न होने के लिए कौन जिम्मेदार है। सूत्रो के मुताबिक जांच के दायरे में शाहजहांनाबाद टीआई, एसीपी सहित कोहेफिजा थाना प्रभारी हैं। इनसे एडिशनल डीसीपी स्पष्टीकरण लेंगे, कारण बताओ नोटिस भी दिया जाएगा। यह भी कहॉ जा रहा है की मदर इंडिया कॉलोनी के लोगों ने घटना के दिन डायल-100 पर कॉल की, लेकिन पुलिस आधे घंटे बाद पहुंची। दो जगह वारदात हुई, पर वायरलेस पर सूचना नहीं दी गई। डीसीपी ने माना कि तुरंत सूचना प्रसारित होती तो घेराबंदी कर बदमाश को संगीन वारदात को अंजाम देने से पहले दबोचा जा सकता था।

मप्र के सभी टाइगर रिजर्व की सुरक्षा की गई चुस्त

-मानसून आते ही वन्यप्राणियों पर मंडराया शिकारियों का खतरा

भोपाल। मप्र में मानसून के सक्रिय होने के साथ ही वन विभाग को वन्यप्राणियों की चिंता सताने लगी है। इसकी वजह यह है कि मानसून आते ही शिकारी और तस्कर वन क्षेत्रों में सकिय हो जाते हैं। दरअसल, मानसून सीजन में कोर जोन पर्यटन के लिए बंद हो जाने के बाद जंगल में चहल-पहल भी खत्म हो जाती है। ऐसे में वन्य प्राणियों को शिकारियों का भी खतरा रहता है। इसीलिए मानसून सीजन में विशेष प्लान के तहत इस तरह की स्पेशल गश्ती की जाती है।

प्रदेश के टाइगर रिजर्व में 30 जून के बाद से कोर जोन में सफारी बंद कर दी गई है। इसके साथ ही अब टाइगर रिजर्व प्रबंधन, वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्लान पर काम कर रहा है। जिसमें सैकड़ों कर्मचारी टाइगर रिजर्व के चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रखेंगे। जिससे पर्यटन बंद होने के बाद मानसून सीजन में जंगल और वन्य प्राणी पूरी तरह से सेफ रहें।

बांधवगढ़ में 800 लोग सक्रिय

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक पीके वर्मा बताते हैं कि मानसून सीजन में जंगल और वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए प्लान तैयार कर लिया गया है। मानसून गश्त की शुरुआत भी हो चुकी है। इस विशेष सीजन के लिए हमारे 800 लोग फील्ड पर गश्ती में जाते हैं। जिसमें पूरा स्टाफ सहित वन रक्षक, श्रमिक, डिप्टी, रेंजर, एसडीओ, उप संचालक भी शामिल हैं। यहां तक की क्षेत्र के संचालक भी एक दिन पैदल गश्ती पर रहते हैं। उपसंचालक बताते हैं कि संवेदनशील जगहों की सूची तैयार रहती है। इस सूची के आधार पर हमारा वर्क प्लान भी अलग-अलग दिन का तैयार होता है। हमारी कोशिश यही रहती है कि जंगल का ऐसा कोई कोना न बचे जो हमारी पहुंच से दूर हो। इसके अलावा समय-समय पर जंगलों से लगे गांव और वहां के बाजार में भी हमारी जांच जारी रहती है। इस दौरान किसी प्रकार की गतिविधि पर यदि हमें संदेह होता है तो उस पर अलर्ट होकर नजर बनाए रखते हैं।

जहां रास्ता नहीं वहां हाथी के सहारे गश्ती

मानसून का सीजन है और इस दौरान पेड़-पौधे, झाड़ और पानी की वजह से कई रास्ते बंद हो जाते हैं। ऐसे में कैंप के हाथियों को भी तैयार रखा गया है और जहां पैदल या गाडियों से नहीं पहुंच सकते हैं, वहां हाथियों की मदद से गश्ती की जाएगी। पीके वर्मा ने कहा कि हमारी कोशिश है कि पूरा इलाका हमारी पहुंच में बना रहे, जिससे किसी भी तरह की कोई घटना न हो। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून सीजन की गश्ती के लिए 175 स्थाई कैंप भी बनाए गए हैं। साथ ही कुछ अस्थाई कैंप भी निर्मित किए गए हैं।

बाघ के साथ हाथियों का खतरा

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ के साथ हाथियों के मूवमेंट का भी खतरा है, जिसके चलते हाथियों पर निगरानी बनाने के लिए इनका रूट भी चिन्हित किया गया है। ताला, मगधी और खितौली इन 3 कोर जोन में जंगली हाथियों का मूवमेंट बना रहता है, जो वन कर्मियों लिए एक चुनौती है। इन पर भी लगातार नजर रखनी होगी ताकि किसी गांव की ओर इनका मूवमेंट न हो सके। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व बाघ और हाथी जैसे वन्य प्राणियों का गढ़ है। इसके साथ ही इस टाइगर रिजर्व में कई अन्य वन्य प्राणी, पशु-पक्षी भी पाए जाते हैं, जो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व को अलग बनाते हैं। बताया जाता है कि पूरे मप्र में सबसे ज्यादा बाघ बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पाए जाते हैं। इसके अलावा अब यह मप्र का इकलौता ऐसा टाइगर रिजर्व भी हो गया है, जहां बाघ के साथ हाथियों की भी साइटिंग होती है।

मप्र के शिक्षा संस्थानों में तैयार होगा इंडस्ट्री डिमांडिंग वर्कफोर्स

भोपाल। एक तरफ देश में बेरोजगारी को लेकर कई बातें हो रही हैं। वहीं दूसरी तरफ रोजगार देने वाली कंपनियों को उनके काम के लिहाज से उपयोगी और अनुभवी कर्मचारी ही नहीं मिल रहे हैं। देश के औद्योगिक और रोजगार के सेक्टर में हर जगह बन रही इस स्थिति के चलते अब कई नामी कंपनियां अपने लिए शिक्षा संस्थानों में ही वर्कफोर्स तैयार करने जा रही हैं। इसके लिए न केवल छात्र-छात्राओं को बल्कि कॉलेज की फैकल्टी को भी कंपनियों में कामकाज कर सकने के लिए शैक्षणिक ज्ञान के अलावा संबंधित सेक्टर में जरूरी कामकाज की ट्रेनिंग दी जा रही है।

फिलहाल प्रदेश के एजुकेशन हब और औद्योगिक राजधानी इंदौर में भी ऐसे कई कार्य विभिन्न उद्योगों और शिक्षा संस्थानों के बीच हो रहे हैं। हाल ही में मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी ने आईटी सेक्टर की इंटेल कंपनी के अलावा स्मार्ट फर्नीचर बनाने वाली हेटिक कंपनी के साथ इसी तरह का करार किया है जिसके मुताबिक यह कंपनियां अपने ट्रेनिंग प्रोग्राम यूनिवर्सिटी में संचालित करेंगी। वहीं यूनिवर्सिटी के शिक्षक और प्रोफेसर इन कंपनियों में ट्रेनिंग लेकर उनके द्वारा पढ़ाये जाने वाले छात्रों के लिए जरूरी औद्योगिक अनुभव के लिहाज से खुद भी अपडेट हो सकेंगे। इंदौर में आईटी कंपनी इंटेल के अलावा एडवांस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी हेटिक अब अपने लिए जरूरी वर्कफोर्स तैयार करने के लिए इंदौर में सेंटर आफ एक्सीलेंस शुरू करने जा रही है। जहां मैकेनिकल प्रोडक्शन और मेट्रोनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के अलावा बीटेक के साथ एडवांस मैन्युफैक्चरिंग में मैच और एचडी स्टूडेंट के लिए ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस केंद्र में हैट्रिक टूल्स पर ट्रेनिंग के साथ उद्योग जगत के लिए जरूरी प्रमाण पत्र और टॉप परफार्मर को गारंटीड इंटर्नशिप का अवसर भी मिल सकेगा। जिससे इन कंपनियों के प्लेसमेंट में भी इस केंद्र के छात्राओं को प्राथमिकता मिल सकेगी। आईटी कंपनी इंटेल द्वारा यूनिवर्सिटी कैंपस में हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग सरवर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की लैब स्थापित करने जा रही है। जिसमें छात्र-छात्राओं और कॉलेज की फैकल्टी को इंटेल कंपनी के आईटी एक्सपर्ट ट्रेनिंग देंगे।

रिटायर्ड अफसरों को संविदा पर रखेगा एनएचएआई

- राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की कवायद

भोपाल। मप्र में राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्रालय ने रेटायर्ड अफसरों को संविदा पर रखकर उनकी सेवाएं लेने जा रहा है। संविदा पर रखे गए अधिकारी सडक़ों के लिए भूमि अधिग्रहण और कब्जा दिलाएंगे। जानकारी के अनुसार केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्रालय ने मप्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की सडक़ों के निर्माण में तेजी लाने और भूमि अधिग्रहण में होने वाली देरी को गंभीरता से लिया है। इसके लिए राजस्व विभाग के रिटायर्ड राजस्व अधिकारियों की सेवा लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद अब प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग की सडक़ों के लिए निजी भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार रिटायर्ड अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी की नियुक्ति करेगी।

बताया जा रहा है कि राजस्व विभाग के कामकाज में राष्ट्रीय राजमार्ग के इंजीनियरों को भूमि अर्जन संबंधी कामों में होने वाली दिक्कतों के मद्देनजर त्वरित कार्रवाई के लिए यह नियुक्तियां की जा रही हैं। आवेदनकर्ता रिटायर्ड अफसर की उम्र एक जुलाई को 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। रिटायर्ड रेवेन्यू अफसर को चयनित किए जाने पर पदस्थापना उसी शहर में दिए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। जिस शहर में वे रह रहे हैं। रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स को भारत सरकार सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 2016 के सर्कुलर के आधार पर वेतन भत्तों का लाभ दिया जाएगा। अधिकारियों को अंतिम वेतन एवं पेंशन का भुगतान के अंतर की राशि का भुगतान वेतन के रूप में किया जाएगा। उन्हें किसी प्रकार के भत्तों की पात्रता नहीं होगी। कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा, लेकिन पांच हजार रुपए हर माह उनके स्वयं के वाहन से वरिष्ठ कार्यालय, अधिकारी भू-अर्जन के कार्यालय, कार्य स्थल एवं गांवों में आने जाने के लिए दिए जाएंगे।

एक साल के लिए होगी संविदा नियुक्ति

रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स की यह नियुक्तियां संविदा पर एक साल के लिए की जाएंगी। नियुक्ति पाने वाले रिटायर्ड अधिकारी को भूमि अर्जित किए जाने के बाद मुआवजा देने की प्रक्रिया और भूमि का कब्जा दिलाने में भी सरकार की मदद करना होगी। इसके लिए 15 जुलाई तक आवेदन बुलाए गए हैं। यह नियुक्तियां भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में की जाएंगी। संविदा नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले रिटायर्ड अफसर राजधानी के मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र निर्माण भवन में आवेदन कर सकेंगे। इनका सिलेक्शन करने के लिए विभाग के अफसर इन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाएंगे।

यहां मिलेगी नियुक्ति

लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग सर्किल निर्माण भवन में एक पद रिटायर्ड अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर का रहेगा। एनएचएआई संभाग भोपाल में एक पद रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर या तहसीलदार और एक पद रिटायर राजस्व निरीक्षक या पटवारी का रहेगा। एनएचएआई संभाग इंदौर एक पद रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर या तहसीलदार और एक पद रिटायर्ड राजस्व निरीक्षक या पटवारी का रहेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ आज सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मैनचेस्टर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर रहेंगी। पिछले मैच में शेफाली और हरमनप्रीत बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। वहीं स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर का लक्ष्य इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। अब तक इन सभी ने अच्छा खेला है। शेफाली टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं, ऐसे में वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगी। वहीं हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी करते हुए केवल एक रन ही बना सकी थी। वहीं उनकी जगह पिछले मैच में शामिल हरलीन ने 43 रन बनाये थे। इस सीरीज में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी ने 8 विकेट और दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी भी 4 विकेट लेकर अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत को इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड को अगर सीरीज में बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में उसके सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं थीं। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड- टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

डीपीएल में नजर आयेगा विराट का भतीजा और सहवाग का बेटा

नई दिल्ली । स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। इन दोनों को डीपीएल 2025 नीलामी में अलग-अलग टीमों ने खरीदा है। लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं, उन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने एक लाख रुपये में खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी भी शामिल हैं। राठी को 30 लाख में खरीदा गया है।

वहीं अंडर-19 बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आठ लाख रुपये में खरीदा। आर्यवीर के पिता और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत भी हैं। सहवाग ने कहा, "मैं वास्तव में इस सत्र का इंतजार कर रहा हूं। यह लीग खिलाड़ियों के लिए एक बड़े मंच के तौर पर सामने आई है।" उन्होंने कहा, "चयनकर्ताओं के साथ ही विदेशी क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें भी इस लीग पर रहेंगी। इससे खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। हमने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट देखा और मुझे भरोसा है कि यह सत्र और भी रोमांचक रहेगा।"

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस मौके पर कहा, "इस साल हमने एक कदम आगे बढ़ाया है। हमने अपनी नीलामी प्रणाली में सुधार करते हुए खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा किया है। हमने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए घरेलू क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करने के साथ ही हमने दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी भी जोड़ी हैं।"

आकाशदीप की गेंद पर रुट बोल्ड, सचिन बोले 'बॉल ऑफ द सीरीज'

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने यहां एजबेस्टन में भारतीय टीम को मिली बड़ी जीत में तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भूमिका की सराहना की है। सचिन ने सोशल मीडिया में जारी अपनी एक पोस्ट में आकाशदीप की उस बेहतरीन गेंद की प्रशंसा की है जिसपर इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट आउट हुए थे। सचिन ने इसे 'बॉल ऑफ द सीरीज' यानी सीरीज की सबसे बेहतरीन गेंद करार दिया है। सचिन ने लिखा कि इस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंद का शिकार एक शीर्ष बल्लेबाज हुआ है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, इस समय के महान बल्लेबाज की शानदार पारी! बधाई हो, शुभमन गिल, भारत को शानदार टेस्ट जीत दिलाने के लिए! ऋषभ पंत, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की, खासकर दूसरी पारी में। भारत का रवैया इंग्लैंड को इस खेल से बाहर करना और उन्हें अलग तरीके से खेलने के लिए मजबूर करना था, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल एक विजेता होगा।

उन्होंने आगे लिखा, गेंदबाजों के बारे में जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी गेंदबाजी की लेंथ। कहने की जरूरत नहीं है, आकाश दीप बेहतरीन गेंदबाज थे, और मेरी राय में, जिस प्रकार की गेंद रूट को फेंकी वह सीरीज की सबसे बेहतरीन गेंद फेंकी। आकाशदीप ने यह गेंद इंग्लैंड की पारी के दूसरे ओवर में डाली थी। ऑफ और मिडिल स्टंप पर पड़ी इस फुल लेंथ गेंद को रूट लेग साइट में खेलना चाहते थे, मगर गेंद ने टप्पा पड़ने के बाद कांटा बदल लिया और सीधा विकेट पर जा लगी। आकाशदीप ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी कर 6 विकेट लिए, इससे पहले उसने पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में उन्होंने 10 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

योगराज बोले टीम को बेहतर बना रहे गंभीर, शुभमन की भी प्रशंसा की

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम के कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा की है। योगराज ने कहा कि अब गंभीर के आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। उन्हें ये मानना होगा कि कोच टीम को बेहतर ही बना रहे हैं। टीम ने जिस प्रकार का प्रदर्शन करते हुए विदेश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। उससे ये बात साबित होती है। योगराज ने ये बातें दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को मिली 336 रनों की बड़ी जीत के बाद कही हैं।

वहीं पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के बाद गंभीर पर कई लोगों ने निशाना साधा था। योगराज ने कहा, खिलाड़ियों के खिलाफ बातें करना भी गलत है जबकि देखा जाये तो खिलाड़ी लगातार बेहतर हो रहे होंगे। खिलाड़ी निखर रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं। इसलिए किसी खिलाड़ी को लेकर ये कहना कि उसे बाहर करे, या उसे क्यों लिया गया नहीं कहना चाहिए।

योगराज का मानना है कि गौतम गंभीर, युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भारतीय क्रिकेट को कुछ न कुछ दे

रहे हैं, इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। योगराज ने कहा, गंभीर के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहिए। वो अच्छा काम कर रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्हें क्रिकेट ने बहुत कुछ दिया और अब ये क्रिकेट को उसे वापस दे रहे हैं। योगराज ने यह भी कहा कि अगर टीम हारती है तो भी खिलाड़ियों को उनके प्रयास के लिए सराहना मिलनी चाहिये। योगराज ने बताया, अगर हम सीरीज हार भी जाएं तो कम से कम यह जरूर देखे की खिलाड़ियों ने किस प्रकार से खेला है कयोंकि हार-जीत खेल का हिस्सा है। ऐसे में अगर हार गए तो भी सब समाप्त नहीं हो जाता।

योगराज ने कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनकी टीम का मनोबल भी बढ़ा है जिसका प्रभाव फील्डिंग में दिख रहा है। साथ ही कहा, शुभमन का बयान मुझे अच्छा लगा कि मैं ऐसे ही खेलने के प्रयास करूंगा। टीम बहुत अच्छा खेल रही है। अगर हम इसी तरह फील्डिंग करें, तो हम सीरीज भी जीत सकते हैं। साथ ही कहा कि गेंदबाज अगर 4 गेंद भी अच्छी गेंद डालें और फील्डर दो अच्छे कैच लें, तो भी जीत सकती है। योगराज ने भारतीय टीम की ओर से 1 टेस्ट और 6 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

वियान मुल्डर ने दोहरे शतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

हरारे। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज वियान मुल्डर ने जिम्बाब्वे दौरे में दोहरा शतक लगाया है। मुल्डर ने ये दोहरा शतक कप्तान के रुप में अपने पहले ही मैच में लगाकर एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में कप्तान केशव महाराज के फिट नहीं होने के कारण वियान को कप्तानी मिली थी। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए उतरी दक्षिण अफ्रीकी की टीम ने पहले दिन 4 विकेट के नुकसान पर 465 रन बोर्ड पर लगाए। इसमें नंबर तीन पर उतरे वियान के दोहरे शतक की अहम भूमिका रही। वह कप्तान के रुप में अपने डेब्यू मैच में ही शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के ग्राहम डाउलिंग और वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल के बाद तीसरे खिलाड़ी बने। उन्होंने अपनी पहली पारी में 250 रन से अधिक बनाये। मुल्डर बतरौ कप्तान डेब्यू मैच की पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले वर्ल्ड क्रिकेट में यह कारनामा कोई नहीं कर पाया।

इसी के साथ मुल्डर ग्रीम स्मिथ 277 रन और 259 इंग्लैंड के खिलाफ के बाद टेस्ट पारी में 250 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे दक्षिण अफ्रीकी कप्तान भी बन गए। वियान मुल्डर बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले तीसरे दक्षिण अफ्रीकी और 70 सालों में पहले कप्तान बन गए। जैकी मैकग्ल्यू ने 1955 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर, वह डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले 34वें टेस्ट कप्तान हैं।

दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। 109 रन, हर्बी टेलर बनाम इंग्लैंड, डरबन, 1913, 104 रन जैकी मैकग्ल्यू बनाम इंग्लैंड, मैनचेस्टर, 1955 ।

मुल्डर टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के खेल में 250 से अधिक रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं और पहले दिन ऐसा करने वाले वे केवल तीसरे बल्लेबाज हैं। वह ये दिन में छठा सबसे बड़ा स्कोर है। मुल्डर द्वारा बनाए गए 264 रन टेस्ट मैच के पहले दिन का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जो केवल डॉन ब्रैडमैन के 309 रनों से पीछे है।

इससे पहले टेस्ट मैच में एक दिन में बल्लेबाजों द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रनों के मामले में डॉन ब्रैडमैन 309 रनों के साथ ही पहले नंबर पर हैं। वहीं वैली हैमंड ने 295 रन बनाये हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। वीरेंद्र सहवाग 284 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। डेनिस कॉम्पटन 273 बनाकर चौथे नंबर पर हैं।

54 साल के हुए गांगुली, प्रशंसकों ने दी बधाई

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली आज 54 साल के हो गये हैं। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। गांगुली ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को बदलकर रख दिया। गांगुली ने ही टीम को आक्रामक बनाकर लड़ना सिखाया। इसी का परिणाम है कि अब टीम विदेशी धरती पर भी किसी भी प्रकार के हालात में निडर होकर खेलती है। गांगुली को जब साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। तब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। 83 की विश्व विजेता होने के बावजूद कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत तो भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। तभी गांगुली कप्तानी संभालते हैं और अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल देते हैं। गांगुली को बंगाल टाइगर, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता जैसे नामों से भी जाना जाता है।

गांगुली की सबसे बड़ी खूबी खिलाड़ियों की परख और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना थी। कप्तानी संभालने के बाद गांगुली ने उन खिलाड़ियों को अवसर दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। इनमें स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, महेन्द्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम हैं। इन सभी को अवसर देने में गांगुली की अहम भूमिका थी। गांगुली की कप्तानी में भारत ने निडर होक क्रिकेट खेलना शुरू किया।

मुंबई की जगह अब महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खेलेंगे पृथ्वी

मुम्बई । बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अब मुम्बई की जगह पर अब महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। पृथ्वी ने हाल ही में मुम्बई को छोड़ दिया था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने भी कहा है कि पृथ्वी अब नये सत्र में उसकी ओर से खेलेंगे। महाराष्ट्र क्रिकेट के अध्यक्ष रोहित पवार ने कहा कि इस क्रिकेटर का अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल अनुभव टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। साथ ही कहा कि टीम भविष्य में पृथ्वी का साथ देती रहेगी।

वहीं खराब फार्म से जूझ रहे पृथ्वी ने कहा, 卐अपने करियर के इस पड़ाव पर महाराष्ट्र टीम से जुड़ना मेरे क्रिकेट करियर के विकास में सहायता करेगा। मैं मुंबई क्रिकेट संघ का वर्षों से मिले अवसरों और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं। पिछले रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ टीम को सात में से केवल दो जीत मिली थी और वे अपने ग्रुप से क्वॉलीफाई नहीं कर सके। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के ग्रुप चरण में भी उसका 3-3 के जीत-हार का रिकॉर्ड रहा। टीम पहले दौर में ही बाहर हो गई पर विजय हजारे ट्रॉफी की एक-दिवसीय प्रतियोगिता में वह अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रही हार सेमीफाइनल में विदर्भ से हार गयी

पृथ्वी ने 58 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 46.02 की औसत से 4556 रन बनाए हैं पर पिछले साल उन्हें खराब फिटनेस और अनुशासन की कमी के कारण मुंबई रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था। इस क्रिकेटर ने अंतिम बार मुंबई की ओर से दिसंबर 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। लिस्ट ए मुकाबलों में इस क्रिकेटर के नाम 55.72 की औसत और 125.74 के स्ट्राइक रेट के साथ 3399 रन हैं। वहीं टी-20 मैचों में उन्होंने 51.54 के स्ट्राइक रेट और 25.01 की औसत से 2902 रन बनाए हैं। उसे आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी किसी ने नहीं खरीदा था। पिछले महीने ही इस क्रिकेटर ने किसी और टीम से खेलने के लिए मुंबई से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था। जो उन्हें दे दिया गया।

एमसीसी ने आकाशदीप की गेंद को सही करार दिया

लंदन। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि जिस गेंद पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रुट को आउट किया था। वह नो बॉल नहीं थी। ऐसे में इस गेंद को लेकर जो भी सवाल उठाये जा रहे हैं वह गलत हैं। रुट के विकेट पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।

इससे पहले आकाश की जिस गेंद पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट आउट हुए थे। उस गेंद को नो बॉल करार देकर उसकी वैधानिकता पर मेजबान टीम के प्रशंसकों ने सवाल उठाये थे। उनका कहना था कि आकाश दीप ने वाइड ऑफ क्रीज जाकर ये गेंद फेंकी थी, जिसे रूट ने रोकने का प्रयास किया पर वह बोल्ड हो गये। ये भी कहा जा रहा था कि आकाश ने जो गेंद रूट को डाली, उस गेंद पर उनका पैर बॉलिंग की साइड में रिटर्न क्रीज से लगा था पर नियमों को देखें तो पाएंगे कि रिटर्न क्रीज को छूना कोई गुनाह नहीं है, आकाश दीप का पंजा क्रीज के अंदर था और जब वे गेंद करने के लिए आगे गए तब उनका पैर रिटर्न क्रीज पर लग गया। इस तरह आकाश दीप की ये गेंद पूरी तरह से वैध थी, जिस पर जो रूट आउट हुए।

कुछ लोगों का कहना था कि यह बैकफुट नो बॉल थी और इसलिए गेंद लीगल नहीं थी, जिस पर बल्लेबाज को आउट नहीं दिया जाना था। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट सहित कुछ कमेंटेटरों ने कमेंट किया कि यह नो बॉल होनी चाहिए थी पर भारत के रवि शास्त्री ने इस गेंद को पूरी तरह सही माना ।

वहीं एमसीसी के प्रवक्ता ने इस मामले को लेकर कहा, पिछले सप्ताह इंग्लैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के चौथे दिन, आकाश दीप की गेंद पर सवाल उठे थे, जिस पर जो रूट बोल्ड हो गए थे, कुछ प्रशंसकों और कमेंटेटरों का मानना ??था कि यह नो बॉल थी, जबकि आकाश दीप असामान्य रूप से क्रीज पर वाइड लैंड हुए और उनका पिछला पैर रिटर्न क्रीज के बाहर जमीन को छूता हुआ दिखाई दिया, तीसरे अंपायर ने इस गेंद का नो बॉल नहीं कहा। एमसीसी को यह स्पष्ट करते हुए खुशी हो रही है कि यह नियमों के मुताबिक सही निर्णय था।

मैकुलम ने लॉर्ड्स टेस्ट में गेंदबाजों की सहायक पिच बनाने कहा

एटकिंसन के अलावा आर्चर की भी होगी वापसी

बर्मिंघम। इंग्लेंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रैंडन मैकुलम ने भारतीय टीम के खिलाफ 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरु होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अभी से चालें चलनी शुय कर दी हैं। इसी के तहत ही मैकुलम ने तेज गेंदबाजों की सहायक पिच तैयार करने को कहा है जिससे की भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सके। ऐसी पिच से लाभ उठाने के लिए ते गेंदबाज गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा मिस्ट्री गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी भी होने की पूरी संभावन है क्योंकि वह अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं। दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से मिली करारी हार से हताश कोच का लक्ष्य किसी भी प्रकार तीसरे टेस्ट में टीम को जीत दिलाना है। ऐसे में भारतीय टीम को भी अभी से अपनी रणनीति पर काम करना होगा।

आर्चर लंबे समय तक कोहनी और पीठ की चोटों से उबरने के बाद टेस्ट में वापसी के लिए तैयार है।उन्होंने अपना पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में खेला था। वहीं एटकिंसन मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर थे। उनकी वापसी से टीम को तेज गेंदबाजी आक्रमण के मजबूत होने की उम्मीद है। कोच ने कहा कि उन्होंने एमसीसी के मुख्य ग्राउंड्समैन कार्ल मैक्डरमॉट से 'थोड़ी अधिक गति, उछाल और स्विंग' वाली पिच बनाने को कहा है। उन्होंने पिछले महीने के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हवाला दिया जब पैट कमिंस और कगिसो रबाडा गेंद को स्विंग करने में सफल रहे थे। मैकुलम ने कहा, " मुझे लगता है कि अगर पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिली तो यह एक शानदार मैच होगा।" इंग्लैंड ने इससे पहले अपनी आक्रामक खेल शैली के तहत ही सपाट पिचों को प्राथमिकता दी थी। इसका लाभ भी उसे मिला था और टीम को लीड्स में अधिक उछाल वाली पिच पर खेले गये पहले टेस्ट में पांच विकेट से जीत मिली जबकि एजबेस्टन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम सेना देशों में सबसे अधिक मैच जीतने वाली टीम बनी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में जीत के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम एजबेस्टन में में जीत दर्ज करने वाली पहली एशियाई टीम बनी है। ये पहली बार है जब किसी एशियाई टीम ने इस मैदान पर जीत हासिल की और 1000 से ज्यादा रन बनाए है। इसके अलावा भी कई रिकॉर्ड भारतीय टीम ने बनाये हैं। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान को भी पीछे छोड़ दिया है और वह सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली टीम बन गयी है। बर्मिंघम में इससे पहले भारतीय टीम ने कभी भी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। भारतीय टीम अब एशिया की पहली ऐसी टीम है, जिसने सेना देशों सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने इन चार देशों में कुल 30वां मैच जीता है। वहीं, पाकिस्तान ने सेना देशों में कुल 29 मुकाबले जीते थे। भारत ने 178 टेस्ट मैचों में 30 मुकाबले जबकि पाकिस्तान ने 148 मैचों में 29 मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में जीते हैं।

इस सूची में तीसरा नाम श्रीलंका का है पर श्रीलंका ने केवल 9 ही मुकाबले अब तक सेना देशों में जीते हैं। श्रीलंका की टीम ने 76 मुकाबले अब तक इन चार देशों में खेले हैं। वहीं बांग्लादेश की टीम अभी तक केवल एक ही मैच जीत पाई है। बांग्लादेश ने सेना देशों में में कुल 25 मुकाबले खेले हैं और इनमें से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की है। जनवरी 2022 में बांग्लादेश की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच जीता था, जबकि अन्य तीन देशों में अभी तक बांग्लादेश नहीं जीती है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट
ई-टेंडरिग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्ड बालाघाट, परसवाडा एवं बिरसा में जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत पुनरीक्षित योजना के कार्यो की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) मे एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आमत्रिंत की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के http://mptenders.gov.in द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रकिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेण्रिग पद्धति कमांक	निविदा कमांक/ आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	धरोहर राशि राशि (अर्नेस्ट मनी) रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र कय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑन लाईन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7		9
2025_PHED_435227_1	04/04.07.2025	361.69	361690/-	15000/-	6 माह	21.07.2025	23.07.2025	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन
2025_PHED_435228_1	05/04.07.2025	229.73	229730/-	15000/-	6 माह	21.07.2025	23.07.2025	

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है ।

नोट :-

1- सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (http://mptenders.gov.in) में पंजीयन करायें ।

2- " निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनो को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । यह संशोधन केवल http://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेगें "

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क केडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाईट पर भुगतान कर केवल ऑन लाईन पर ही कय किये जा सकतें है ।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

जी-15342/25

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
बालाघाट (म.प्र.)
(07632-241131)

भारी बारिश से नदी नाले उफान पर, जगह जगह बाढ़ के हालात

कई गांवों का टूटा एक दूसरे से संपर्क : प्रशासन अलर्ट, किए जा रहे सुरक्षा के इंतेजाम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिछले कुछ दिनों ने बालाघाट सहित अन्य पड़ोसी जिलों में रोजाना भारी बारिश देखी जा रही है। जहां लगातार हो रही बारिश के चलते जिले के ज्यादातर नदी नाले उफान पर है। तो वही अत्यधिक मात्रा में पानी जमा होने के चलते जगह जगह बाढ़ आ गई है। जिसके कारण जगह जगह से आवागमन बाधित हो चुका है। इसी भारी बारिश के चलते जहा एक ओर बालाघाट से नैनपुर मार्ग एक बार फिर बंद हो चुका है।जहां पादरीगंज के समीप दंडई नाला(भीमा नाला) भारी बारिश के चलते उफान पर है। जहां नाले में बाढ़ आ जाने के कारण बालाघाट से नैनपुर का संपर्क टूट चुका है।उधर तीन गढ़ी से सकडी मार्ग स्थित नदी नाले में भी बाढ़ आ जाने से उक्त मार्ग का भी आवागमन पूर्ण रूप से बाधित हो चुका है।जिस पर स्थानीय प्रशासन द्वारा कोटवारों को तैनात कर राहत एवं सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके अलावा बालाघाट से लामता के बीच आने वाले विभिन्न गांवो के मुख्य मार्ग स्थित नदी नालो में भी अधिक पानी हो जाने के चलते बाढ़ आ गई है। जिससे इस मार्ग का आवागमन भी पूरी तरह से बंद हो चुका है।कुल मिलाकर कहा जाए तो लगातार हो रही यह बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती नजर आ रही है।

नदी नालों में बाढ़ आने से बसो का संचालन हुआ बंद

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 8 - 10 दिनो से रोजाना ही भारी बारिश देखी जा रही है जिसके चलते जिले के नदी-नाले उफान पर है, जिसका असर यातायात पर भी दिखाई दे रहा है।बात अगर नेशनल हाईवे 543 की करे तो यहां, बालाघाट से नैनपुर को जोड़ने वाले मार्ग में पड़ने वाले दंडई नाला(भीमा नाला) उफान पर होने से यह मार्ग बंद हो गया है। जिससे बालाघाट से नैनपुर का सड़क संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। वही लामता से बालाघाट मार्ग में आने वाले विभिन्न नदी नाले उफान पर हैं जिसके चलते बालाघाट से लामता के बीच आने वाले कई गांव का एक दूसरे से संपर्क टूट चुका है। वहीं बालाघाट से लामता व नैनपुर के बीच चलने वाली बसों का संचालन भी बंद कर दिया गया है।। इसके अलावा वैनगंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से परसवाड़ा क्षेत्र के तीनगढ़ी से सकरी के बीच बहने वाली, इस नदी पर बने पुल में पानी ज्यादा होने से, इस मार्ग पर भी आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है।जिसे देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जहां स्थानीय पुलिस और कोटवारों की मदद से राहत एवं सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

अति वर्षा से कहां-कैसे हालात

- परसवाड़ा के ग्राम फड़की स्थित शासकीय तालाब टूट गया है। आसपास के 10 किसानों के खेतों में पानी भर गया। किसानी कार्य प्रभावित हुआ है।

- बैहर-बालाघाट मार्ग पर उदघाटी मजार के सामने एक बड़े पेड़ के गिरने से यातायात बाधित है।

- बालाघाट-तुमसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर खैरलांजी के बपेरा पुल पर जलभराव से मार्ग बंद कर दिया गया है।

- परसवाड़ा में नाहरा नाला के पुल पर पांच फीट ऊपर तक पानी भर जाने से चिखलाझोड़ी से डोरा मार्ग बंद हो गया है।

- साकड़ी से सेलोटपार मार्ग पर पानी भरने से मार्ग को बंद कर दिया गया है।

- खैरलांजी के घोटी में अजय बोरकर, ग्राम हथोड़ा की छाया बाई गौतम का मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

- कृषि उपज मंडी गोंगलई मार्ग पर बना पुलिया, रेंगाटोला पुलिया में अधिक पानी होने से मार्ग बंद है।

- लांजी में कोसमारा-खोलमारा, कोकना-बिनोरा, परसवाड़ा के सकरी-सेमलटोला, लालबर्रा के निलजी-कट्टीटोला मार्ग बंद।

- इसके अलावा ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां के गांव का एक दूसरे से संपर्क पूरी तरह से टूट चुका है।

लामता चरेगांव क्षेत्र के ये गांव भी हो रहे प्रभावित

उधर भारी बारिश और नदी नाले में बाढ़ आ जाने के चलते लामता चरेगांव क्षेत्र के कई गांव प्रभावित हो गए हैं। जिसमें चरेगांव क्षेत्र के लवेरी, सूर्या, शेरवी, मोहगांव, भालेवाड़ा, सहित अन्य ग्रामो में नदी नालो में बाढ़ आ चुकी है।जहां बाढ़ कि स्थिति को देखकर ग्रामीणों को नदी नालो से दुरी बनाये रखने के निर्देश प्रशासन द्वारा जारी किए गए है।

कई गांवों का शहरों से टूटा सम्पर्क

बीते 2 दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से एक ओर जहां किसानों के चेहरे में खुशी की लहर है तो वही दूसरी ओर लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।ग्रामीण क्षेत्र से शहर को जोड़ने वाले मार्ग पर पड़ने वाले नदी नालों के ऊपर से पानी बह रहा है जिसकी आवाजाही बंद है वहीं पुलिस विभाग भी ,ग्रामीण क्षेत्रों में कोई हादसा ना हो इसपर अपनी नजर बनाए हुए हैं।जानकारी के अनुसार जिले मे 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है वही 2 दिनों की मूसलाधार बारिश ने अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ दिए है निरतर हो रही बारिश से नदी नाले उफान के चलते ग्रामीण किसानो सहित शहरवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं कई गांव का एक दूसरे से संपर्क टूट चुका है तो वही कई गांव का शहरों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।उधर बैहर क्षेत्र के रेवनी नाला का पुलिया भी टूट चुका है।जिसके चलते एक दर्जन से अधिक गांवों का एक दुसरे से संपर्क टूट चुका है।डोरा से चिखलाझोड़ी रोड के नेहरा नाले पर 6 फिट पानी होने से यह सड़क बंद कर दी गई है।वही बालाघाट जनपद के चिचगाव मे नाले के जरिये नदी का पानी गांव मे अंदर बस्ती मे घुस गए है। सड़क पर पानी भर गया है।उधर तहसील परसवाड़ा के आमवाही से बासी मार्ग बंद हो चुका है।जहां पुल से 5 फिट पानी ऊपर बह रहा है। उधर बारी-बारी बारिश के चलते तिरोड़ी से गर्रा चौकी मार्ग पर विशालकाय पेड़ गिर गया तो वही तिरोड़ी रेंजर ऑफिस रोड पर भी पेड़ धराशाई होने के चलते इन दोनों मार्ग पर यातायात लंबे समय तक के लिए बाधित रहा।जहां तिरोड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली और दोनों मार्गों पर गिरे पेड़ों को हटाकर यातायात की व्यवस्था सुचारू बनाई।तब कहीं जाकर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

भारी बारिश के चलते शहर के जगह जगह बिगड़े हालात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लगातार तीन दिन से हो रही बारिश से कई वार्ड सहित क्षेत्र में लगातार जल भराव की स्थिति बन रही है शहर मुख्यालय की बात करें तो 8 जुलाई को हुई बारिश ने कई स्थानों पर खलल उत्पन्न किया वहीं शहर के अंडर पास में भी पानी भर जाने से लोग आवागमन को परेशान होते रहे तो वही वैंनगंगा नदी का फिर एक बार जलस्तर बढ़ गया तो नगरी क्षेत्र के कई आसपास के मुख्यालय को जोड़ने वाले रास्ते भी बंद हो गए।

लोगो के लिए आफत साबित हो रही बारिश

आपको बताए की तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपना अच्छा खासा प्रभाव दिखाया है।जहा हो रही इस बारिश से जिला मुख्यालय के भी कई क्षेत्र में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई। 6 -7 और 8 जुलाई को हुई इस लगातार बारिश ने लोगों को अपने घरों में ही कैद कर दिया है वहीं बालाघाट मंडला सिवनी में हुई लगातार बारिश के कारण वैनगंगा नदी का भी जलस्तर बढ़ गया है साथ ही भीमगढ़ बांध के भी दो गेट खोले गए है।जिससे नगरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में नदी किनारे बसने वाले लोगो को भी जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रखते हुए सुरक्षित स्थान पर जाने की एडवाइजरी जारी कर दी है।

छह महीने पहले बने अंडरपास में पानी जमा

सरेखा रेलवे अंडरपास की हालत दिनों-दिन खराब हो रही है। सोमवार रातभर हुई वर्षा के कारण अंडरपास के नीचे जलभराव के हालात बन गए। लोग इसके वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया में वायरल कर चुटकियां ले रहे हैं। अंडरपास में पानी जमा होने के कारण महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पड़ी। कई महिलाएं अपनी स्कूटी ढकेलकर रास्ता पार करती नजर आईं। बता दें कि अंडरपास कई जगह क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी का रिसाव हो रहा है। बालाघाट एसडीएम ने रेलवे डीआरएम को पत्र लिखकर मरम्मत की बात कर चुके हैं।उधर 8 जुलाई की सुबह स्थानीय अंडरपास में भी पानी भर गया। यहां सरेखा से शहर की ओर आने वाले राहगीरो को अंडरपास में घुटनों तक पानी होने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कुछ लोग इस अंडरपास से भीगते हुए आए तो कुछ लोग अधिक पानी होने की वजह से अपनी गाड़ियां वापस कर दूसरे रास्ते के लिए डाइवर्ट हो गए। वहीं डेंजर रोड पर भी वैंनगंगा नदी का जल स्तर बढ़ने से पानी आ गया और डेंजर रोड का भी मार्ग आवागमन के लिए बंद हो गया। वही हनुमान चौक अंबेडकर चौक सहित भटेरा बूढ़ी में जल भराव की स्थिति निर्मित हुई शहर के वार्ड नंबर एक साई मंदिर के क्षेत्र में भी अधिक वर्षा से जल भराव की स्थिति निर्मित हुई और आमजन नगर पालिका से पानी निकासी की व्यवस्था किए जाने की मांग करते रहे।

कार के पीछे वाले वाहन में सवार थे विधायक

न्याय सत्याग्रह में जा रहे कांग्रेस विधायक के काफिले का वाहन बैरसिया में पलटा, चार घायल

भोपाल। कांग्रेस पार्टी द्वारा अशोकनगर में मंगलवार को आयोजित न्याय सत्याग्रह में शामिल होने भोपाल से अशोकनगर जा रहे कांग्रेस विधायक आतिफ़ अकील के क़ाफ़िले की एक कार का बैरसिया के पास भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसे का शिकार हुई कार में भोपाल के वार्ड नंबर 14 के पार्षद प्रतिनिधि मसूद अली सहित चार लोग सवार थे, जिनमें सभी लोग घायल हुए है। घटना में फ़ैज़ान एहमद नामक युवक को आई गंभीर चोट आई है, वहीं पार्षद प्रतिनिधि मसूद अली के हाथ पैरो में चोटें आई है। घायलो को इलाज के लिये भोपाल रेफर किया गया। उनका डीआईजी बंगला के पास स्थित निजी हॉस्पिटल में उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक अशोकनगर में पार्टी अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को अशोकनगर में न्याय सत्याग्रह का आयोजन किया जिसमें प्रदेशभर से नेता और कार्यकर्ता यहां गिरफ्तारी देने पहुंचे। इसमें शामिल होने कॉंग्रेस विधायक आतिफ अकील भी अपने साथियो के साथ वाहनो से रवाना हुए थे। बताया गया है की उनके काफिले में शामिल मसूद अली की कार बैरसिया के पास अचानक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरते हुए पलटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मसूद के वहां के पीछे ही कांग्रेस विधायक आतिफ अकील अपने वाहन से चल रहे थे। एक्सीडेंट में कार के क्षतिग्रस्त होने के साथ ही मसूद अली सहित चार लोगो के घायल होने की सूचना है। एक्सीडेंट में फैज़ान अहमद नामक युवक को गंभीर चोट आई है, घायलो को प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर कर दिया गया।

बिरसा के समनापुर में बैगा परिवार पर टुटा दुःखो का पहाड़

इधर बारिश से गिरा मकान उधर जन्म के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की हुई मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से बाढ़ के हालात मुसीबत बनकर लोगो के लिए परेशानी का कारण बन रहे है नगर और गांव के हालात बिगड़ रहे है,वंही व्यवस्थाओ की पोल भी खुलते नजर आ रही है।इसी बीच आदिवासी बिरसा क्षेत्र के समनापुर के अंतर्गत बांधा टोला बैगाओ के गांव से बड़ी ही मार्मिक घटना समाने आई है। जहा एक परिवार पर दुखो का पहाड़ उस वक्त टूट गया।जब मूसलाधार बारिश के चलते एक बैगा का कच्चा मकान ढह गया वंही उसकी पत्नी ने इलाज के आभाव में पराली पर बच्चे को जन्म दिया जिसकी इलाज के अभाव में कुछ देर बाद ही मौत हो गयी है।

नदी नाले उफान पर होने के चलते प्रसूता को नही मिला उपचार

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पिछले 2 दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के चलते बिरसा क्षेत्र के भी नदी नाले उफान पर है, जिसके कारण वहां से आवागमन पूरी तरह बाधित हो चुका है।बताया गया कि बिरसा क्षेत्र के समनापुर के अंतर्गत बांधा टोला बैगाओ का गांव है।जहा बाढ़ के चलते बैगा बस्ती

बांधा टोला का अक्सर बारिश में अन्य गांवों व शहरों से संपर्क टूट जाता है। बताया गया कि बारिश के चलते यहाँ निवासरत श्रीमती उषा पति सुखदेव बैगा 35 वर्ष का कच्चा मकान गिर गया है इसी टूटे हुए मकान में पराली बिछाकर गर्भवती उषा बाई बैगा को प्रसव पीड़ा होने पर प्रसव कराया गया जँहा कुछ देर बाद ही ईलाज के अभाव में नवजात बच्चे की मौत हो गई। वंही उषा बाई की हालत भी खराब है जिसके परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट गया है यह बैगा बस्ती पूरी तरह आवागमन बंद होने से कटा हुआ बताया गया है जँहा स्वास्थ सुविधा या कोई वाहन नहीं पंहुच सकता है इस कारण यहा पीड़ित बैगा आदिवासी परिवार बेबस और लाचार है जो मदद और इलाज के लिए तड़प रहे है लेकिन आफत की बारिश में दुखो को सहने मजबूर है।उधर चहाकर कोई उनकी मदद नही कर पा रहा है।

कक्षा 10वीं व 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले 95 विद्यार्थी सम्मानित

नांदी(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पौनिया में सेवा संकल्प के तहत समाजसेवी आलोक चौधरी के नेतृत्व में 6 जुलाई को मेधावी विद्यार्थीयो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तिरोड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख उपस्थित रहे। उक्त सम्मान समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में सुरेश ठाकुर और कौशल कुमार सूर्या थाना प्रभारी तिरोड़ी प्रमुख रूप से शामिल होकर कक्षा दसवी बारहवी की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 95 प्रतिभावान विद्यार्थीयो को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रमुख अतिथि अविनाश देशमुख ने कक्षा दसवी व बारहवी की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पौनिया,धनकोषा,बोथवा,बोल्डोंगरी व डोंगरगांव के 95 प्रतिभावान विधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ ही कक्षा दसवी की कशिश बोपचे जिन्होंने दसवीं की परीक्षा में 94.2 प्रतिशत अंक अर्जित किया उनको सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में दसवीं और बारहवीं के 95 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिसमे टॉप टेन में आने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया बारहवी में हर्ष मासुलकर 84प्रतिशत ,मानसी

जमारे 80.5प्रतिशत ,पल्लवी गौतम 78प्रतिशत और दसवी में कशिश बोपचे 94.2प्रतिशत ,गरिमा 92.प्रतिशत ,मनतसा खान 91प्रतिशत ,रोशनी अगासे 89प्रतिशत को सम्मानित किया गया। साथ ही आदर्श बरमैया,आयुष टेम्भरे,द्रुमाली चौबे,एकता मौरी,ज्योति राउत,करण परिहार,खुशी गौतम,सकृति फाये,अश्विनी राउत,मुस्कान कोहरे,निकिता हरिनखेडे,पल्लवी मासूलकर,प्रतिमा टेम्भरे,पूनम पटले,रोशनी अगासे,सागर ठाकरे,शिवानी राहंगडाले,शिवानी टेकाम,सुहानी सोनवाने,समित लांजेवार,उर्वशी ताण्डे,प्रीति अगासे,वंशिका चौधरी,भारती बोपचे,तनु ठाकरे,डिंपल पटले,कशिश हनवत,जागेश्वरी रहंगडाले,लेजेश्वरी तुरकर,श्रुति येरपुड़े,यामिनी हनवत,दिव्या पटले,पियूष ठाकरे,विकाश पटले,यश तुरकर,दिलेंद्र येरपुड़े,वैशाली सहारे,अश्विनी राउत के साथ और भी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया.इस दौरान कार्यक्रम आयोजनकर्ता आलोक चौधरी ने बताया कि सम्मान समारोह का आयोजन का यह प्रथम वर्ष था जो सेवा संकल्प समिति के पदाधिकारियो द्वारा किया गया जिसका उद्देश्य अंचल के बच्चो को पढ़ाई लिखाई के प्रति आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि बच्चो का भविष्य उज्जवल हो सके। आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके बच्चो को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अतिथी के रूप मे तिरोड़ी मंडल अध्यक्ष भाजपा अरविंद देशमुख, गीता लक्ष्मण भलावी सरंपच ग्राम पंचायत पौनिया,विनीता गनपत चकोले सरपंच बोलडोंगरी, दिप्ती पराग ठाकुर सरपंच बोथवा ,रिमन बुद्ध सिंह धुर्वे सरपंच धनकोषा ,वरुण देशमुख, प्रियांश राऊत, सुरेंद्र राहंगडाले, प्रत्युश दुबे, अवलेश पारधी, जितेन्द्र गौतम, भूपेंद्र चौधरी,सविता चौहान,सुखराम भगत,संदीप परिहार,चैनलाल बिसेन, बाबुलाल पटले, रामप्रसाद चौधरी, रमेश रहेकवार, अशोक चिचखेड़े, निल्चन्द्र जगने, बाबुराव जी गोलेंद्र केशोराव जगने, शिव राऊत, रवि मासुलकर, , रविन्द्र मासुलकर,भरत भूरे मिथलेश चौधरी, धोनी ठाकरे, मनोज परिहार, नवनीत चौधरी, नरेन्द्र चौधरी, विमल तैकर, अंकित चौधरी, राकेश टेम्भरे सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मप्र के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश, 7 जिलों में बाढ़ का खतरा

सतपुड़ा के 7, बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए : रायसेन में कॉलोनी में बहने लगा बच्चा, लोगों ने बचाया; नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल। मप्र में लगातार तेज बारिश की वजह से नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया समेत कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। सोमवार को 30 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर चला। वहीं, मंगलवार को 7 जिलों में बाढ़ का खतरा है। मौसम विभाग ने अति भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। टीकमगढ़ जिले में धसान नदी पर बने बान सुजारा बांध के 5 गेट और खोल दिए गए हैं। सुबह 7 गेट खोले थे। दमोह में सतधरू और साजली बांध के तीन-तीन गेट खोले गए हैं। नरसिंहपुर के कौडियां गांव में बाढ़ आ गई है। रहवासियों का कहना है कि घर में बैठने तक की जगह नहीं है। बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा डैम के 7 गेट 5-5 फीट तक खोल दिए गए हैं। वहीं छतरपुर और टीकमगढ़ के बान सुजारा बांध के 5 और गेट खोल दिए गए हैं। सुबह 7 गेट खोले गए हैं। अब कुल 12 गेट पानी छोड़ा जा रहा है। लगातार हो रही बारिश से पुल के दोनों छोर पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी तैनात हैं। आसपास के गांवों में प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

नर्मदापुरम में जिला शिक्षा अधिकारी ने बारिश को देखते हुए मंगलवार को स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। मंडला में नर्मदा नदी 438.10 मीटर पर बह रही है। ये खतरे के निशान 437.8 से ऊपर है। सोमवार रात मंडला में उफनती नदी पार करने के दौरान बाइक सवार बह गए। दो युवक बाहर निकल आए, जबकि एक लापता है। नरसिंहपुर में नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यहां बरमान का पुराना पुल से लगकर पानी बह रहा है। यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता गया तो लगभग 7 फीट ऊंचाई के बाद पुल डूब जाएगा। रेतघाट का पुल डूब चुका है।

देवरी में कार, स्कूटी और ठेला बहे

रायसेन जिले के देवरी में 20 इंच बारिश हो चुकी है। इस दौरान सडक़ पर खड़ी कार एक एक्टिवा और ठेला भी तेज बहाव में बह गए। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बेगमगंज भारी बारिश के चलते दो मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई। घटना सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे की है। जिस समय हादसा हुआ उस समय मकान में कोई भी मौजूद नहीं था। मकान मालिक बाबू कुरैशी अपने परिवार के साथ पास में ही बने दूसरे मकान में थे।

छिंदवाड़ा में पुल पर से बह रहा नदी का पानी

छिंदवाड़ा के हर्रई में 48 घंटे से लगातार बारिश जारी है। नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। करीब 10 गांवों का संपर्क टूट गया है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने बैरिकेड लगा दिए हैं।

युवक सींगरी नदी में बहा

नरसिंहपुर के किसानी वार्ड का रहने वाला जाकिर खान नाम का युवक सींगरी नदी में बह गया है। गणेश मंदिर से कचहरी मार्ग को जोडने वाले पुल को पार करने के दौरान ये हादसा हुआ। युवक की तलाश की जा रही है। नरसिंहपुर के साईखेड़ा में कोली पुल के ऊपर नर्मदा का पानी आ गया है। नरसिंहपुर जिले का रायसेन जिले से संपर्क टूट गया है। आवागमन पूरी तरह बंद है। एहतियातन पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। नरसिंहपुर जिले के बरमान में नर्मदा नदी का जलस्तर खतरे के निशान पर है।

जिला चिकित्सालय के दवाई भंडार कक्ष से रक्तस्त्राव को रोकने वाले लगभग 10 लाख के इंजेक्शन हुये चोरी

चोरी की इस घटना पर जिला चिकित्सालय पर भी उठ रहे कई सवाल, मनोरमा ने किया चोरी में हस्तक्षेप तो 4 ही दवा के बाक्स चुरा पाये चोर, अज्ञात चोर ऑटो लाकर भंडार कक्ष का ताला खोलकर, कर रहा था चोरी, ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार, कोतवाली पुलिस कर रही जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला चिकित्सालय बालाघाट के ट्रामा सेंटर में एक बड़ी ही हैरान और आश्चर्यचकित करने वाली चोरी होने की घटना सामने आयी है। जिसमें ट्रामा सेंटर के दवाई भंडार कक्ष से अज्ञात चोर द्वारा एंटीहेमोफिलिक फैक्टर 8 नामक इंजेक्शन के चार बड़े डब्बे चोरी कर लिये गये हैं। जिसमें यह चोरी सरेआम ट्रामा सेंटर के सामने बीती रात 9:30 बजे हो रही थी। जबकि दवाई का भंडार कक्ष शाम 6 से 7 बजे के बीच बंद हो जाता है। उसके बाद इसे बिना सिविल सर्जन की अनुमति के नहीं खोला जा सकता। चोरी करने वाले एक अज्ञात चोर द्वारा सभी के सामने भंडार कक्ष का ताला खोलकर लाये गये किराये के ऑटो में ऑटो ड्राइवर के साथ इंजेक्शन के डिब्बे भरे जा रहे थे। तभी मनोरमा नागेश्वर द्वारा चोरी कर रहे अज्ञात चोर और ऑटो ड्राइवर से पूछ लिया गया की वह कौन हैं और यह क्या कर रहा हैं। तभी अज्ञात चोर और ऑटो ड्राइवर वहां से इंजेक्शन के चार डिब्बे लेकर भाग गये। जल्दबाजी में अज्ञात चोर द्वारा अपनी स्कूटी गाड़ी ट्रामा सेंटर में ही खड़ी रख दी गयी। मनोरमा द्वारा ऑटो और स्कूटी गाड़ी की फोटो ले ली गई और चोर के स्कूटी गाड़ी को लेकर जाने का इंतजार किया जाने लगा। जिसके कुछ देर बाद चोर को गाड़ी ले जाते समय पकड़ने का प्रयास किया गया। किंतु अज्ञात चोर गाड़ी लेकर वहां से भाग गया। किन्तु इस घटना से जिला चिकित्सालय प्रबंधन पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की जा चुकी है। और कोतवाली पुलिस इस मामले की जांच में जुड़ गई है।

जिला चिकित्सालय बालाघाट आए दिन कोई ना कोई घटनाओं के कारण चर्चा और सुर्खियों में बना ही रहता है। एक बार फिर जिला चिकित्सालय का ट्रामा सेंटर के भंडार कक्ष से दवाइयों की चोरी होने की घटना सामने आ रही है। जिसमें बताया जा रहा है कि 7 जुलाई की रात्रि 9:30 बजे यहां एक अज्ञात चोर ऑटो लेकर ट्रामा सेंटर के मुख्य गेट पर आया और ऑटो वाले के साथ दवाई भंडार कक्ष का ताला खोल कर दवाइयों के डिब्बे ले जाने लगा। तीन डब्बे आटों में भर कर ही हुये थे की अचानक मनोरमा नागेश्वर के द्वारा डिब्बे भरे जाने वाले अज्ञात चोर को पूछा गया कि आखिर वह क्या ले जा रहा है। इतने में ऑटो ड्राइवर और अज्ञात चोर ऑटो में डिब्बे भर कर वहां से भाग कर चले गये। भागते समय मनोरमा द्वारा ऑटो और वहां चोर की खड़ी स्कूटी गाड़ी की फोटो ले ली गयी थी। उसके बाद इस घटना को लेकर मनोरमा नागेश्वर ने वहां उपस्थित सुरक्षाकर्मी सहित अस्पताल के कर्मचारियों को जानकारी दी। ऑटो में गए व्यक्ति द्वारा अपनी स्कूटी गाड़ी को ट्रामा सेंटर में ही छोड़कर भाग गया था उसी के आने का इन्तेजार करने लगे। कुछ ही समय बाद गर्रा में दवा छोड़ने के बाद ऑटो ड्राइवर और अज्ञात व्यक्ति को लेकर पुनः ट्रामा सेंटर पहुंचा। जहां अज्ञात चोर अपनी स्कूटी गाड़ी को लेकर जा रहा था तभी मनोरमा नागेश्वर के द्वारा उसे रोकने का प्रयास किया गया। जिसमें स्वयं मनोरमा नागेश्वर गाड़ी को खींचते हुए कुछ दूर तक घसिटते हुए भी गई, जिसमें वह चोटिल हो हुई है। जिसके बाद इस पूरी घटना को मनोरमा नागेश्वर द्वारा अस्पताल प्रबंधन को बताया गया और 8 जुलाई को अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस पूरी घटना की शिकायत कोतवाली थाने में की गई है। हालांकि सबसे बड़ा विषय यह है कि दवाई का भंडार कक्ष शाम 6 से 7:00 बजे के बाद बंद हो जाता है और बिना सिविल सर्जन निलय जैन के अनुमति के इस भंडार कक्ष को कोई खोल नहीं सकता। किंतु कैसे एक अज्ञात चोर भंडार कक्ष की चाबी लेकर आया और रक्तस्त्राव को रोकने वाले महंगे एंटीहेमोफिलिक फैक्टर 8 इंजेक्शन के चार डिब्बे को निकाल कर ऑटो में भर कर ले जा लिया गया। यह प्रश्न विचारणीय हैं। जबकि इन चार डिब्बों में रखे इंजेक्शन की कीमत लगभग 10 लाख रुपए से अधिक की बताई जा रही है। इस प्रकार की चोरी की घटना से जिला चिकित्सालय प्रबंधन पर भी कई सवाल उठ रहे हैं। स्वयं जिला चिकित्सालय प्रबंधन का भी मानना है कि जब तक अस्पताल प्रबंधन का ही कोई कर्मचारी अज्ञात चोर से मिला हुआ होगा। तभी उसे चोर द्वारा भंडार कक्ष की चाबी लाकर या फिर नकली चाबी बनवाकर इतनी बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया हैं। हालांकि यह पूरा मामला अभी जांच में है पुलिस भी अभी इस विषय पर कुछ नहीं कह रही है। किंतु 8 जुलाई को दिनभर जिला चिकित्सालय के अधिकारी ,कर्मचारियों के साथ कोतवाली पुलिस इस मामले में लगी रही और ऑटो चालक को बुलाकर उससे भी इस घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है।

डब्बे भरते अज्ञात व्यक्ति और ऑटो वाले पर संदेह हुआ था - मनोरमा

इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा मनोरमा नागेश्वर से चर्चा की गई तो उन्होंने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि वह ट्रामा सेंटर की कैंटीन में काम करती है। 7 जुलाई को जब वह रात्रि 9:30 बजे कैंटीन में काम कर रही थी, तब उन्हें एक ऑटो में थर्माकोल के डब्बे भरते एक अज्ञात व्यक्ति और ऑटो वाला दिखा। जिस पर उन्हें संदेह हुआ और उनके द्वारा डब्बे भर रहे ऑटो चालक और अज्ञात व्यक्ति से पूछा गया जब तक वह चार डिब्बे भर चुके थे। पूछते ही वह दोनों अपनी स्कूटी गाड़ी छोड़ कर ऑटो लेकर वहां से भाग गए। पर उन्होंने ऑटो और स्कूटी गाड़ी की फोटो खींच लिया और अज्ञात व्यक्ति के गाड़ी लेने आने का इंतजार करने लगी। तब वह व्यक्ति कुछ देर बाद आया तो उन्होंने उसे रोकने का प्रयास किया किंतु वह रोकने में असफल रही, रोकने के दौरान वह चोटिल भी हो गई उन्होंने इस पूरी घटना की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी। उन्होंने यह भी बताया कि जो व्यक्ति यहां से दवाई के डिब्बे ले जा रहा था वह अपने आप को अस्पताल का कर्मचारी बताकर डब्बे ले जा रहा था।

अस्पताल का ही कोई कर्मचारी बाहर के व्यक्ति से मिला है - निलय जैन

इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा सिविल सर्जन निलय जैन से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही दवाई भंडार कक्ष से रक्तस्त्राव को रोकने वाली दवाई के चार बाक्स चोरी हुए हैं। जिनका फोटो और गाड़ियों का नंबर भी उन्हें मिल गया है। उन्होंने इस पूरी घटना की शिकायत कोतवाली थाने में कर दी है। यह पूरी दवाएं लगभग 8 से 10 लाख की कीमत की है। पुलिस की कार्रवाई के बाद वह भी एक विभागीय जांच करवाएंगे। आखिर यह घटना कैसे हुई ,कैसे भंडार कक्ष की चाबी अज्ञात व्यक्ति के पास गई, उन्हें लग रहा है कि कहीं ना कहीं उनके अस्पताल प्रबंधन का ही कोई कर्मचारी बाहर के व्यक्ति से मिला है। इस कारण से इतनी बड़ी घटना हुई है। हालांकि पुलिस जांच में पूरा विषय जल्द ही सामने आ जाएगा।

चोरी होने की घटना उनके जानकारी में है - मृणाल मीना

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि अस्पताल के भंडार कक्ष से दवाई चोरी होने की घटना उनके जानकारी में है। पुलिस कार्रवाई के बाद जो भी तथ्य आएंगे उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस विभाग में स्थानांतरण

दो निरीक्षक बालाघाट से गए तो, दो निरीक्षक का बालाघाट हुआ स्थानांतरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा हाल ही में प्रदेश के पुलिस थानों में पदस्थ 75 निरीक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किये गये है। जिनमे बालाघाट जिले से दो निरीक्षकों का प्रदेश के अन्य जिलों में स्थानांतरण किया गया है वही प्रदेश के अन्य जिलों से दो निरीक्षकों का बालाघाट स्थानांतरण किया गया है। 7 जुलाई को पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी किए गए आदेश के तहत निरीक्षक मनीष डाबर बालाघाट से जिला अलीराजपुर, कार्यवाहक निरीक्षक सुंदेश कुमार मरावी जिला अनूपपुर से बालाघाट, कार्यवाहक निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती जिला डिंडोरी से बालाघाट और निरीक्षक पिसुसिह डामोर बालाघाट से जिला अलीराजपुर स्थानांतरित किए गए हैं। निरीक्षक श्री डामोर का यह स्थानांतरण उनके स्वयं के व्यय पर किया गया है।

भीमगढ़ बांध के दो गेट खोले गये

वैनगंगा में छोड़ा जा रहा है 8692 घन फीट प्रति सेकंड की दर से पानी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अधिक वर्षा होने के कारण भीमगढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ गई है और बांध के जल स्तार को नियंत्रित करने के लिए 08 जुलाई को दोपहर 12 बजे बांध के दो गेट खोले गये हैं और इनसे 8692 घन फीट प्रति सेकंड की दर से पानी वैनगंगा नदी में छोड़ा जा रहा है। इस पानी के बालाघाट जिले में 10 से 12 घंटे में पहुंचने की संभावना है। बालाघाट जिला प्रशासन ने वैनगंगा नदी के किनारे बसे ग्रामों के ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्कता एवं सावधानी बरतें। नदी के घाट एवं किनारों से दूरी बनाये रखें। कार्यपालन यंत्री पी एन नाग द्वारा बताया गया कि भीमगढ़ बांध का दिनांक 08 जुलाई 2025 को जल स्तर 515.75 मीटर तक पहुंच गया है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध के अतिरिक्त जल को दोपहर 12:00 बजे गेट क्रमांक 5 एवं 6 को खोलकर 8692 घन फीट प्रति सेकंड की दर से बैनगंगा नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। जिससे नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना है। बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा जनमानस से अपील की गई है कि वह नदी के घाटों-किनारो से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट